ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ
DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शिवकुमार ने दिल्ली में खड़गे से मुलाकात कर लंबी बातचीत की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 01 जुलाई, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-182

### संविधान-रक्षा से अब संविधान-संशोधन की मांग पर उतरी कांग्रेस

# मुस्लिमों को आरक्षण देने के लिए फैलाने लगी रायता

**नई दिल्ली/देहरादून, 30 जून (एजेंसियां)।** कांग्रेस मुस्लिमों को आरक्षण देने के अपने एजेंडे पर बहुत चालाकी से आगे बढ़ रही है। संविधान को पॉकेट में लेकर चलने वाले कांग्रेस नेताओं ने संविधान की रक्षा करने के बजाय संविधान में संशोधन की मांग शुरू कर दी है। कांग्रेस ने आरक्षण की निर्धारित सीमा 50 प्रतिशत से अधिक करने की मांग की है और इसके लिए संविधान में संशोधन करने पर जोर दिया है। कांग्रेस ने कहा है कि संसद के पास एकमात्र रास्ता यही है कि वह संविधान संशोधन विधेयक पारित करे, जिससे एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा हो सके। मुस्लिमों को आरक्षण देने का कांग्रेसी एजेंडा लोकसभा चुनाव के दरम्यान भी खुल कर सामने आया। कांग्रेस शासित राज्यों और इंडी गठबंधन वाले राज्यों में मुस्लिमों को ओबीसी बना कर पहले से आरक्षण दिया जा रहा है। कर्नाटक और तेलंगाना इसके उदाहरण हैं। पश्चिम बंगाल और बिहार में भी मुस्लिमों को ओबीसी बना कर आरक्षण दिया जा रहा था, लेकिन कोलकाता हाईकोर्ट और पटना हाईकोर्ट ने अभी हाल ही में इस पर रोक लगा दी है। देश में एससी-एसटी कोटे को काट कर मुस्लिमों को आरक्षण का लाभ दिए जाने की कांग्रेसी हरकतों के बीच अब आरक्षण की सीमा बढ़ाने



- कांग्रेस-काल में मुस्लिमों को एससी बनाने का बड़ा फ्रॉड उजागर
- आरक्षण सीमा बढ़ाने के लिए संविधान में संशोधन की मांग की

की मांग ने कांग्रेस के वोट-लोलुप चेहरे को पूरी तरह नंगा कर दिया है। इसी बीच उत्तराखंड में 2016 के कांग्रेस शासन काल में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लाभ पहुंचाने के लिए बड़ी तादाद में मुस्लिमों को शेड्यूल्ड कास्ट (एसटी) बनाने का कांग्रेस का फ्रॉड भी उजागर हो गया है। सरकार ने इस मामले की जांच के आदेश जारी किए हैं।

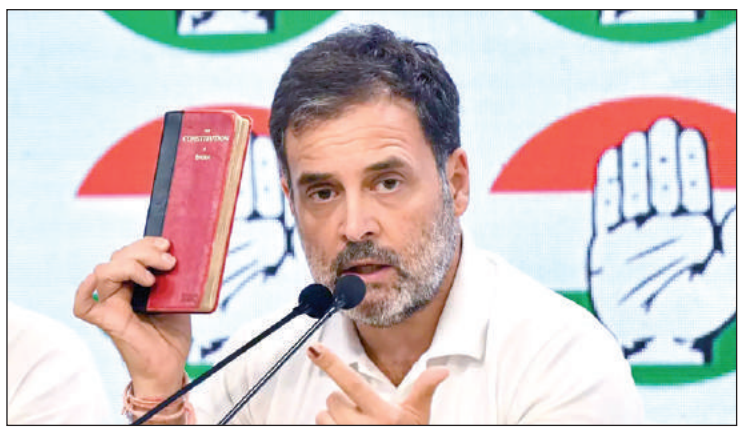

देहरादून जिले के सहसपुर ब्लॉक में मुस्लिम समुदाय को अनुसूचित जाति दिखा कर उन्हें लाभार्थी बना दिया गया। लाभ देने और वोट लेने की दौड़ के कारण मुसलमान दलित हो गए और उत्तराखंड में मुसलमानों की संख्या में असंतुलित इजाफा होता चला गया। 2015 और 2016 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने अपना वोट बैंक मजबूत करने के लिए अपने ब्लॉक प्रमुखों, ग्राम प्रधानों, निगम पार्षदों के जरिए यूपी बिहार और अन्य राज्यों के मुस्लिमों को यहां लाकर बसाया और उन्हें केंद्र और राज्य की लाभार्थी योजनाओं का लाभ दिया। 2016 में देहरादून की मलिन बस्तियों का नियमितीकरण भी इसी दूरगामी षड्यंत्र का हिस्सा था।

तुष्टिकरण की इस गंदी राजनीति में पछुवा देहरादून के सहसपुर ब्लॉक के सहसपुर ग्राम में सैकड़ों मुस्लिम परिवारों को अनुसूचित जाति में दिखा कर उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया गया। इस मामले की शिकायत केंद्र में पीएमओ और गृह मंत्रालय तक पहुंची, जिसके बाद उत्तराखंड सरकार ने जांच पड़ताल शुरू की है। प्राथमिक जांच में अकेले सहसपुर में रुखसाना, परवीन, रहिबा, खातून, संजीदा, मुमताज, रिहाना, खालिदा, रियाना जहीर, समीना, मानी इस्लाम, कालू, इसराना, मानिबा, मसरूफा, शानू, फरीदा, मुन्नी, अर्शा खातून, शाहराज, हसीना, फरजाना, रहीसा खातून, नाजमा, अमीना, वाकिला, फारमीदा, आयना समेत 38 उन मुस्लिम महिलाओं का नाम सामने आया है, जिनके परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का लाभ दिया गया। इन सभी को कांग्रेस शासनकाल में ग्राम प्रधान और विभागीय अधिकारियों को दबाव में लेकर उनसे मुस्लिमों को शेड्यूल कास्ट लिखवाया गया और ▶10पर

### यूपी में भाजपा की हार के लिए मोदी-योगी दोषी नहीं

# लापरवाही का नतीजा है और कुछ नहीं : उमा भारती

### यूपी-महाराष्ट्र में हार के कारणों पर हो रहा मंथन



**नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।** भाजपा की फायरब्रांड नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर कहा कि यूपी में पार्टी के खराब प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कतई दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। उमा भारती ने कहा कि भाजपा की यह हार अंदरूनी लापरवाही का नतीजा है और कुछ नहीं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद भी पार्टी का राज्य में प्रदर्शन खराब रहा था। उस लोकसभा चुनाव में यूपी में भाजपा को 80 लोकसभा सीटों में से केवल 33 सीटें मिली थीं। इसके बावजूद हमने अयोध्या में राम मंदिर को अपने एजेंडे से नहीं हटाया। हमने अयोध्या को कभी वोट से नहीं जोड़ा। इसी तरह अब हम मथुरा-काशी (धार्मिक स्थलों को लेकर विवाद) को भी वोट से नहीं जोड़ रहे हैं। साध्वी ने कहा, हमें हिंदू समुदाय की प्रकृति को समझने की जरूरत है, जो सामाजिक व्यवस्था को धर्म के साथ नहीं जोड़ता।

भाजपा नेता ने कहा, हिंदू और मुसलमान दोनों अलग-अलग वैचारिक धरातल पर जीते हैं। इस्लामी समाज सामाजिक और धार्मिक व्यवस्था को एकजुट करके काम करता है। यही कारण है कि मुसलमान सामाजिक-धार्मिक व्यवस्था के मुताबिक वोट करता है। जबकि हिंदू ऐसा नहीं करता। वह सामाजिक मसलों को जाति से जोड़ कर अलग रखता है और धर्म को अलग रखता है। इसी मुताबिक हिंदू वोट भी करता है। इसीलिए हिंदूवादी पार्टी चुनाव में हार भी जाती है। उत्तर प्रदेश के नतीजों का मतलब यह नहीं है कि लोगों की भगवान राम के प्रति भक्ति कम हो गई है।

उमा भारती ने कहा, हमें यह भरोसा नहीं करना चाहिए कि हर राम भक्त भाजपा को ही वोट देगा। हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि जो हमें वोट नहीं देता, वह राम भक्त नहीं है। यह चुनाव परिणाम किसी लापरवाही का नतीजा है और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के साथ केंद्र में गठबंधन सरकार चलाना मुश्किल नहीं होगा, क्योंकि अतीत में भाजपा ने सहयोगी के रूप में उनके साथ सफलतापूर्वक सरकारें चलाई हैं।

दूसरी तरफ,ल लोकसभा चुनाव में भाजपा की घटी सीटों को लेकर लगातार समीक्षा बैठकर चल रही है। राज्यों की समीक्षा बैठकों की पूरी जानकारी केंद्र से साझा की जा चुकी है, जबकि कई राज्यों में अभी भी समीक्षाएं चल रही हैं। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में खिसके ▶10पर

# नीट की परीक्षा ऑनलाइन करने की सोच रही केंद्र सरकार

### पेपर लीक के तनाव से मिल जाएगा छुटकारा

**नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।** नीट पेपर लीक के चलते परीक्षा कराने वाली एनटीए से लेकर केंद्र सरकार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। छात्र दोबारा परीक्षा कराने की मांग कर रहे हैं और दूसरी ओर पेपर लीक करने वाले आरोपियों के खिलाफ सीबीआई एक्शन मोड में है। इन सबके बीच केंद्र सरकार अगले साल से नीट की परीक्षा ऑनलाइन कराने पर विचार कर रही है। पेन-पेपर वाली परीक्षा का माध्यम खत्म हो सकता है। इससे पेपर लीक की संभावनाएं खत्म हो जाने की उम्मीद है।

नीट पेपरलीक को लेकर सीबीआई फिलहाल जांच कर रही है और अब तक इस केस में दर्जनभर से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। छात्र एनटीए से लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अदालतों में मामले की सुनवाइयां चल रही हैं। संसद में सत्ता पक्ष और विपक्ष में इस मसले पर भिड़ंत चल रही है। मौजूदा व्यवस्था में नीट वार्षिक पेन-एंड-पेपर एमसीक्यू परीक्षा है, जिसमें उम्मीदवारों को दिए गए विकल्पों में से अपना उत्तर चुनना होता है और इसे एक ओएमआर शीट पर अंकित करना होता है, जिसे ऑप्टिकली स्कैन किया जाता है। इससे पहले भी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एनटीए को सुझाव दिया था कि इन परीक्षाओं को ऑनलाइन किया जाए। मेडिकल की नीट यूजी परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी एनटीए ▶10पर

### ईडी ने सीपीएम को बनाया बैंक फ्रॉड का आरोपी

# बैंक से फ्रॉड कर सीपीएम नेताओं ने खरीदी जमीनें



**तिरुअनंतपुरम, 30 जून (एजेंसियां)।** केरल के करुवन्नूर सहकारी बैंक धोखाधड़ी के मामले में वामपंथी सीपीएम की मुश्किलें बढ़नी तय हैं। क्योंकि इस मामले में अब प्रवर्तन निदेशालय ने त्रिशुर के जिला सचिव एमएम वर्गीस समेत तीन मुख्य वामपंथी नेताओं को भी आरोपी बनाने की तैयारी कर ली है। इस मामले में जांच एजेंसी ने पार्टी को आरोपी बना लिया है।

जांच एजेंसी ने इस बात की पुष्टि की है कि सीपीएम नेताओं ने पहले करुवन्नूर सहकारी बैंक से धोखाधड़ी कर पहले कर्ज लिया। फिर उस पैसे से जिला सचिव के नाम पर पार्टी कार्यालय बनाया और जमीनें खरीद लीं। यही कारण है कि ईडी ने सीपीएम पार्टी को भी आरोपी बना दिया है। धोखाधड़ी करके हासिल किए गए कर्ज का फायदा सतीश कुमार, किरण ▶10पर

# ओवैसी के जय-फिलिस्तीन पर मचा है भारी बवाल

**नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।** लोकसभा में शपथ ग्रहण के दौरान असदुद्दीन ओवौसी द्वारा जय फिलिस्तीन का नारा लगाए जाने के मसले पर बवाल और तेज होता जा रहा है। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ आज राजधानी दिल्ली में जोरदार प्रदर्शन हुआ। विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल और अन्य संगठनों विरोध प्रदर्शन किया और संसद में जय फिलिस्तीन का नारा लगाने वाले ओवैसी को संसद से बर्खास्त करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। दिल्ली पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। दोनों संगठनों के सदस्यों ने बैरिकेडिंग के ऊपर चढ़कर नारेबाजी की। उनके हाथों में ओवैसी की तस्वीर के साथ स्लोगन लिखी तख्तियां थीं।



- ओवैसी के खिलाफ दिल्ली में प्रदर्शन, पुलिस के साथ झड़प
- राष्ट्र विरोधी ओवैसी को बर्खास्त करने की हो रही है मांग

25 जून को संसद में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान तेलंगाना के हैदराबाद से चुने गए सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने जय फिलिस्तीन का नारा लगा कर नए विवाद को जन्म दे दिया। इसे लेकर सत्तापक्ष के सांसदों ने विरोध दर्ज कराया। बाद में सभापति ने इसे रिकॉर्ड से हटाने का निर्देश दिया। इसके बाद भी विवाद थमा नहीं। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर जैन, पूर्व सांसद नवनीत राणा और अधिवक्ता विभोर आनंद की तरफ से शिकायतें दर्ज करी गईं। हरिशंकर जैन और नवनीत राणा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिख कर असदुद्दीन ओवैसी को संसद से बर्खास्त करने की मांग की। विभोर आनंद ने लोकसभा सचिवालय को पत्र लिख कर कार्रवाई की मांग की है।

हरिशंकर जैन और नवनीत राणा ने राष्ट्रपति को लिखे अपने पत्र में संविधान के अनुच्छेद 102 का हवाला दिया और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से अनुरोध किया ▶10पर

## कार्टून कॉर्नर




## शेयर मार्केट



बीएसई : 79,032.73
-210.45 -0.27% ↓
एनएसई :24,010.60
-33.90 (-0.14%) ↓

## मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 31°
न्यूनतम : 22°

# जनरल उपेंद्र द्विवेदी बने नए सेना प्रमुख

**नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।** जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को 30वें सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया। वर्तमान सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे आज ही सेवानिवृत्त हुए हैं। चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर व्यापक ऑपरेशनल अनुभव रखने वाले जनरल द्विवेदी इससे पहले सेना के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत थे।



लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी का जन्म 1 जुलाई 1964 को हुआ था। उन्हें 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सेना की इन्फैंट्री जम्मू और कश्मीर ▶10पर

### थलसेना और नौसेना प्रमुख दोनों सहपाठी

**नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।** भारतीय सैन्य इतिहास में पहली बार दो सहपाठी थलसेना और नौसेना के प्रमुख होंगे। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने 1970 के दशक की शुरुआत में कक्षा 5वीं तक एक साथ स्कूल में पढ़ाई की। स्कूल के शुरुआती दिनों से ही दोनों के बीच गहरा संबंध था। अलग-अलग बलों में रहने के बावजूद भी दोनों हमेशा सम्पर्क में रहे।

नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी और सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 70 के दशक में मध्य ▶10पर

### देश में आज से लागू हो जाएंगे तीन नए कानून

# अब देश में अंग्रेजों का नहीं, भारत का कानून चलेगा

**नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।** देश में अंग्रेजों के जमाने से चल रहे तीन आपराधिक कानून 1 जुलाई से बदल जाएंगे। दिसंबर 2023 में संसद द्वारा पारित तीन कानून अगले महीने से पूरे देश में प्रभावी हो जाएंगे। तीनों नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम कहे जाएंगे, जो क्रमश: भारतीय दंड संहिता (1860), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (1898) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (1872) का स्थान लेंगे।

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को 12 दिसंबर 2023 को केंद्र सरकार ने लोकसभा में तीन संशोधित आपराधिक विधियकों को पेश किया था। इन विधेयकों को लोकसभा ने 20 दिसंबर, 2023 को और राज्यसभा ने 21 दिसंबर, 2023 को मंजूरी दी। राज्यसभा में विधेयकों को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किए जाने के बाद ध्वनि मत से पारित किया गया था। इसके बाद 25 दिसंबर, 2023 को राष्ट्रपति से मंजूरी के बाद विधेयक कानून बन गए लेकिन इनके प्रभावी होने की तारीख 1 जुलाई, 2024 रखी गई। संसद में तीनों विधेयकों पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि इनमें सजा देने के बजाय न्याय देने पर फोकस किया गया है।



तीन नए आपराधिक कानून

भारतीय न्याय संहित में क्या है?

| | पुराना भारतीय दण्ड संहिता, 1860 | नया भारतीय न्याय संहिता, 2023 |
|---|---|---|
| कुल धाराएं | 511 | 356 |
| संशोधित धाराएं | | 175 |
| नई धाराएं | | 8 |
| निरस्त धाराएं | | 22 |



भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के बारे में

| | पुराना आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1898 | नया भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 |
|---|---|---|
| कुल धाराएं | 484 | 533 |
| संशोधित धाराएं | | 160 |
| नई धाराएं | | [illegible] |
| निरस्त धाराएं | | 9 |



भारतीय साक्ष्य अधिनियम में क्या बदलाव?

| | पुराना भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 | नया भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 |
|---|---|---|
| कुल धाराएं | 167 | 170 |
| संशोधित धाराएं | | 23 |
| नई धारा | | 1 |
| निरस्त धाराएं | | 5 |

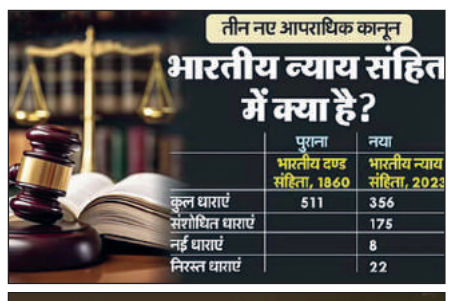

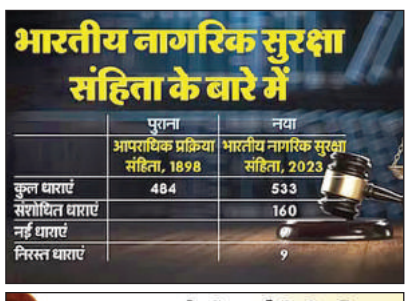

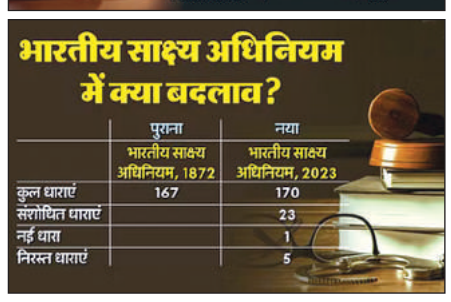

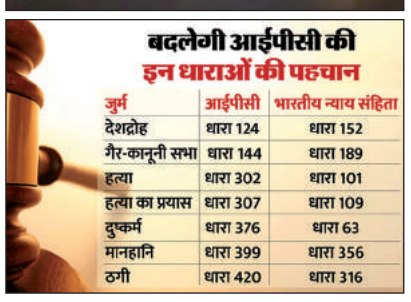



बदलेगी आईपीसी की इन धाराओं की पहचान

| जुर्म | आईपीसी | भारतीय न्याय संहिता |
|---|---|---|
| देशद्रोह | धारा 124 | धारा 152 |
| गैर-कानूनी सभा | धारा 144 | धारा 189 |
| हत्या | धारा 302 | धारा 101 |
| हत्या का प्रयास | धारा 307 | धारा 109 |
| दुष्कर्म | धारा 376 | धारा 63 |
| मानहानि | धारा 399 | धारा 356 |
| ठगी | धारा 420 | धारा 316 |

कानूनों के प्रभावी होने के साथ ही इनमें शामिल धाराओं का क्रम भी बदल जाएगा। भारतीय दंड संहिता में पहले 511 धाराएं थीं, लेकिन भारतीय न्याय संहिता में धाराएं 358 रह गई हैं। संशोधन के जरिए इसमें 20 नए अपराध शामिल किए हैं, तो 33 अपराधों में सजा अवधि बढ़ाई गई है। 83 अपराधों में जुर्माने की रकम भी बढ़ाई गई है। 23 अपराधों में अनिवार्य न्यूनतम सजा का प्रावधान है। छह अपराधों में सामुदायिक सेवा की सजा का प्रावधान किया गया है।

आईपीसी की धारा 124 राजद्रोह से जुड़े मामलों में सजा का प्रावधान रखती थी। नए कानूनों के ▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# प्रेम को पाना जितना सरल अहंकार का त्याग करना उतना ही कठिन: कमल नाथ

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

प्रेम को पाना जितना सरल है अहंकार का त्याग करना उतना ही कठिन है। किंतु जो व्यक्ति स्वार्थ से परे होकर अहंकार को त्याग देता है प्रेम की अनुभूति उसे स्वत ही हो जाती है। प्रेम एक नैसर्गिक बहाव है भीतर से आता है। भीतर में जाने हेतु मध्यम ध्यान है। उक्त बात जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम होलिस्टिक हारमनी के समापन सत्र में प्रशिक्षक कमल नाथ ने कही। उन्होंने सभी को बताया कि आकर्षण शायद अनेको के लिए हो सकता है पर समर्पण किसी एक के लिए होता है। प्रेम हो लेकिन समर्पण न हो तो ये तो बिल्कुल वैसा ही है जैसे दीपक तो हो लेकिन रोशनी न हो, कोई भी मनुष्य तब तक महान नहीं बन सकता है, जब तक कि उसके भीतर एकाग्रता, जुनून और समर्पण न हो। इसलिए प्रेम के साथ समर्पण भाव जरूरी है। ज्ञातव्य है कि महिला विंग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम को पाँच सत्रों में विभाजित किया गया। जिनमे ध्यान, साधना, भ्रमण, ट्रैकिंग आदि किए गए। पूर्व संध्या पर मैनिफेस्टेशन और लॉ ऑफ अट्रैक्शन पर विशेषज्ञ एवं प्रशिक्षक मीना जैन जो पिछले कई वर्षों से इस विषय पर क्लास लेती है, समस्या का समाधान देती है, थी।

उन्होंने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि मेनिफेस्टेशन एक शक्तिशाली तकनीक है जो आपको अपने विचारों और भावनाओं का उपयोग करके अपनी इच्छाओं को वास्तविकता में बदलते हैं। अपने जीवन में चाहे वो कुछ भी हो, प्राप्त करने में मदद कर सकती है। आप जो चाहते हैं उस चीज को लेकर स्पष्ट रहें। मीना जैन ने प्रश्न रखें कि आप जो चाहते हैं उसे क्यों चाहते हैं? इसका कारण पता करें? अपने लक्ष्यों की ओर काम करें? जो चीजें आपको आगे बढ़ने से रोक रही है उन्हें छोड़ दें? अपनी प्रगति को स्वीकार करें और उसका जश्न मनाएं। इन सभी प्रश्नों के उत्तर समाहित करते हुए प्रशिक्षक सुष्मिता सेठिया ने कहा कि सफलता पाने की राह में आपको कई तरह की बाधाओं का सामना करना पड़ेगा। आप जैसे-जैसे अपने लक्ष्य को पाने की ओर बढ़ेंगे, वैसे-वैसे कई चुनौतियां सामने आएंगी, जिनका आपको डटकर मुकाबला करना पड़ेगा। नकारात्मक मानसिकता और ऐसी मानसिकता वाले लोग ये दो ऐसी आम चुनौतियां हैं, जो आपको आपके लक्ष्य को पाने से रोकती हैं। इसलिए आप ऐसी चुनौतियों के प्रति खुद को जागरूक करें और इन्हें पीछे छोड़ते हुए अपने लक्ष्य को पाने का प्रयास करें। प्रायोगिक प्रशिक्षण द्वारा सुष्मिता ने सभी के नकारात्मक विचारों में बदलाव लाने का प्रयास किया और सकारात्मक ऊर्जा भरी। सभी सदस्यों ने इस सत्र को बहुत तन्मयता से सीखा। इस दो दिवसीय भ्रमण का समापन सभी ने आशापूरा मंदिर के दर्शन के साथ किया। संयोजिका रक्षा छाजेड व सह-संयोजिका शिखा तातेड ने संयुक्त रूप से पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। उपाध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, सहमंत्री पिंकी मेहता, कोषाध्यक्ष मधु कटारिया ने सभी सदस्यों का परिचय एवं नेटवर्किंग कार्यभार सम्भाला। ममता, दीपू मांडोत, संगीता मुथा, शीतल जैन, आरती लुनिया, जयश्री बरडीया, मीना जैन, अल्का लोढ़ा, स्वेटी नाहर, सिंपल हिंगढ़, जयश्री, कल्पना छाजेड, प्रीति, दीपा मेहता, सारिका गुंदेचा, इंद्रा गादिया, संतोष चोरडीया, सुनीता कोठारी, साधना, पूजा सुराणा, अंजू , निर्मला सोलंकी, संगीता, रीटा जैन, चंद्रा जैन, ममता छाजेड, सरला सुराणा, संतोष सोलंकी, मीना बरलोटा, मेगी मेहता, निधि नागोरी ने सफल कार्यक्रम हेतु अपनी-अपनी भावना रखी। महिला विंग द्वारा सभी प्रशिक्षकों एवं सहयोगी सदस्यों का सम्मान किया गया। अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री सुमन वेदमेहता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

# सप्तम वार्षिक अधिवेशन में कमलेश चौरड़िया अध्यक्ष मनोनीत

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर की सप्तम वार्षिक अधिवेशन तेरापंथ भवन राजाजीनगर में आयोजित हुई। अधिवेशन का आगाज सामूहिक नमस्कार महामंत्र से करते हुए तेयुप द्वारा संचालित भिक्षु श्रद्धा स्वर समूह ने विजय गीत का संगान किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन तेरापंथ सभा ट्रस्ट राजाजीनगर के अध्यक्ष अशोक चौधरी द्वारा किया गया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यकाल पूर्ण होने पर गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंत्री कमलेश चौरडिया ने वर्ष 2023-24 तेयुप के त्री-आयामी सूत्र सेवा-संस्कार-संगठन के अंतर्गत संपादित कार्यो का प्रगति-प्रतिवेदन पेश कर पारित करवाया। कोषाध्यक्ष अजिंक्या चौधरी ने वर्ष 2023-24 का आय-व्यय का ब्योरो सदन में प्रस्तुत कर पारित करवाया। उसके बाद सत्र 2024-25 के लिए अंकेक्षण सुमित बेद की नियुक्ति गई। तेरापंथ सभा ट्रस्ट राजाजीनगर के निवर्तमान अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी, अध्यक्ष अशोक चौधरी, सभा मंत्री एवं तेयुप परमार्शक चंद्रेश मांडोत, सभा पूर्व मंत्री महावीर मेहता, संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना, शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी एवं पूर्व अध्यक्ष सतीश पोरवाड़ ने अपने विचार व्यक्त किए। तेयुप परामर्शक, पदाधिकारीगण, कार्यकारणी सदस्य एवं सेवा निवृत्त सदस्यों का सम्मान किया गया। बैठक के दूसरे सत्र में चुनाव अधिकारी सुनील बाफना ने वर्ष 2024-25 के लिए सर्व सम्मति से कमलेश चौरड़िया को अध्यक्ष के रूप में मनोनीत करने की घोषणा की। इसी के साथ अध्यक्ष कमलेश गन्ना ने नवमनोनित अध्यक्ष का स्वागत करते हुए आगामी यशस्वी कार्यकाल की मंगलकामनाएं संप्रेषित की। नवमनोनित तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आगामी कार्यकाल में सेवा-संस्कार-संगठन के क्षेत्र में पुर-जोर कार्य करने हेतु सभी युवा साथियों के सहोयग की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर सभा से निवर्तमान अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी, शंकर दक, परमार्शक प्रवीण नाहर, विशेष आमंत्रित अनिल भंडारी, रनीत कोठारी, तेयुप पदाधिकारीगण, कार्यकारणी सदस्य, परिषद सदस्य की उपस्थिति रही।

# भव्य जागरण का आयोजन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

राजराजेश्वरीनगर में स्थित ओमकारा हिल्स में श्री राम गुरुकुल गौसेवा समिति बेंगलूरु एवं डॉ आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी मधुसूदनपुरीजी एवं कथा वाचक महामण्डलेश्वर स्वामी प्रकाशनंद के सानिध्य में भव्य जागरण आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि समाजसेवी महेन्द्र मुणोत, महेन्द्र सिंह राजपुरोहित (बन्नूर) उपस्थित रहे। राजस्थान से आए प्रसिद्ध भजन गायक रमेश माली ने राजस्थानी मायड़ भाषा में मधुर लोक भजनों की प्रस्तुति दी। भजन गायक पारस परिहार, जितू बंजारा, राधेश्याम माली ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। लोक भजनों पर भावविभोर होते हुए भक्त देर रात तक झूमते रहे। समाजसेवी महेन्द्र मुणोत ने कहा कि गाय की सेवा कर हम अपना जीवन धन्य कर सकते है। घर में गाय पालने से सभी प्रकार के वास्तु दोष व नकारात्मक उर्जा नष्ट हो जाती है।

धरती पर कामधेनु को चराने के लिए स्वर्ग के देवता भी लालायित रहते है। गाय बचेगी तो सृष्टि बचेगी। कथा वाचक प्रकाशनंद महाराज ने कहा कि श्रीराम कथा के श्रवण से समाज, राष्ट्र व परिवार में अच्छे संस्कार आते हैं तथा मानव समाज का कल्याण होता है।

गुरुकुल गौसेवा समिति कि ओर से महेन्द्र मुणोत व महेन्द्र सिंह राजपुरोहित का साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर बजरंग लाल चौधरी, सहदेव जाट, मोतीलाल माली, दिनेश राजपुरोहित, शांतिलाल राजपुरोहित, राजू सुथार, भेराराम गुर्जर, सहित श्रीराम गुरुकुल गौसेवा समिति के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे। मंच संचालन शैतान सिंह राजपुरोहित दुदोड ने किया।

# कमलेश झाबक बने तेयुप एचबीएसटी के अध्यक्ष

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

तेरापंथ युवक परिषद् एचबीएसटी हनुमंतनगर का सप्तम वार्षिक साधारण सभा का आयोजन अध्यक्ष अंकुश बैद की अध्यक्षता में हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ मगला-चरण से हुआ। महाश्रमण सुर संगम द्वारा विजय गीत संगान के पश्चात श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन परमार्शक राजेद्र बैद ने किया। गत वर्ष साधरण सभा का वाचन सह मंत्री देवेंद्र आचलियाँ ने किया। अध्यक्षीय स्वागत व्यक्तव्य के

बाद सत्र 23-24 में हुए सेवा संस्कार संगठन के कार्यक्रमों की जानकारी मंत्री राजीव हिरावत द्वारा सदन को दी गई। आय-व्यय का ब्योरा कोषाध्यक्ष गौतम चावत ने दिया। संगठन मंत्री ने नये सदस्यों की जानकारी दी। सभी की प्रस्तुतियों को सदन ने पारित किया गया। सभी पदाधिकारियों ने गुरुदेव, चारित्र आत्माओं के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों के प्रति आभार ज्ञापित किया। सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान कर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। वर्तमान कार्यकाल के भंग होने के पश्चात चुनाव अधिकारी राजेंद्र बैद ने कमलेश झाबक को सत्र 24-25 के लिए अध्यक्ष घोषित किया। आभार उपाध्यक्ष विजय कटारिया ने व्यक्त किया। सफल संचालन मंत्री राजीव हिरावत ने किया।

# मानव सेवा के अंतर्गत राशन सामग्री का वितरण

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

तेरापंथ युवक परिषद ने रविवार को मानव सेवा के अंतर्गत स्वर्गीय विनोदकुमार पितलिया के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में तेयुप राजाजीनगर द्वारा शहर से 35 किमी दूर नेलमंगला स्थित सोंन्डेगोपा गाँव मे जनस्नेही चैरिटेबल ट्रस्ट में दैनिक जरूरत की राशन सामग्री प्रदान की। परिषद परिवार द्वारा सामुहिक नमस्कार महामंत्र का उच्चारण

किया गया। ट्रस्ट के वार्डन योगेश ने ट्रस्ट की संक्षिप्त जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि आश्रम विगत 8 वर्षों से गतिमान है, जिसमें लगभग 120 वृद्ध प्रवासित है। इस आयोजन के प्रायोजक परिवार बद्रीलाल, सुखलाल, उत्तमचंद पितलिया रहे। तेयुप राजाजीनगर के नव मनोनीत अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने अपने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर तेयुप से निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना, सुनील मेहता एवं मोहन चौरड़िया की उपस्थिति रही।

# श्री जैन संघ बाँता की आम बैठक आयोजित

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।**

श्री जैन संघ बाँता की आम बैठक रविवार को माधवनगर स्थित श्री वासुपूज्य भवन के हॉल में संपन्न हुई। नवकार महामंत्र से प्रारंभ हुई सभा में सर्व प्रथम बेंगलूरु होलसेल क्लाथ मर्चेन्टस एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं अनेक सेवा संस्थानों से जुड़े बाँता गौरव प्रकाशचन्द पिरगल ने स्वागत भाषण दिया। तत्पश्चात कार्यवाहक अध्यक्ष सज्जनराज कोठारी ने पूर्व लेखा जोखा पेश करते हुए संघ के प्रति अपनी सेवाएं एवं आगामी दिनों में अपेक्षित कार्यो का विवरण देकर अपने कार्यकाल में सदस्यों का आभार जताया। उपाध्यक्ष डाँ.विजय कुमार सुराना ने आगामी कार्य सूची के तहत अपेक्षित संघ सम्मेलन, कायमी भोजनशाला,

संघ सदस्य सूची पुस्तिका प्रकाशन के साथ अलग अलग समितियों की रचना पर जोर डाला। सचिव महेंद्र सुराना ने संघ हित के कार्यो को करने पर प्रकाश डाला। संघ नियोजित चुनाव अधिकारी प्रकाश पिरगल एवं रमेश कुमार कंकुलोल ने अध्यक्ष पद के प्रत्याशी सुमन पिरगल के नाम को निर्विरोध सर्व सम्मति से घोषित किया। महावीर डायलिसिस सेन्टर के चेयरमैन एवं कर्नाटक मारवाड़ी युथ फेडरेशन के संस्थापक के साथ अनगिनत संघ संस्थाओं से जुड़े बाँता गांव के एक और गौरव कुशलराज पिरगल ने अपने शैली में संघ हित कार्यो की अपील करते हुए संघ में एकता बनाए रखने पर जोर दिया। मुंबई से मिठालाल धोका, चेन्नई से रमेश सुराना, पूणे से आनंद कंकुलोल, बेंगलूरु से राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य महेंद्र सोलंकी, किशोर कंकुलोल, चिकमगलूरु से सज्जनराज पिरगल ने अपने विचार व्यक्त कर गांव के प्रति आस्था जताई।

# मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

**गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।**

वर्धमान कुंवर जैन संस्कार वाटिका की अखिल भारतीय बोर्ड वार्षिक परीक्षा में रैंक प्राप्त करने वाले छात्रों को रविवार को चेन्नई में हुए समारोह में सम्मानित किया गया। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ द्वारा संचालित संस्कार वाटिका गदग के आशीष संकलेचा, नमन संकलेचा, खुश भंसाली, वंश कोठारी, दक्ष श्रीश्रीमाल, अनमोल कवाड़, कशीश बंदा, दक्षा सालेचा समेत अन्य बच्चों का सम्मानित किया गया। इस मौके पर संस्कार वाटिका गदग के व्यवस्थापक महेंद्र बंदा, शैलेश कवाड़, पवन ओस्तवाल, नीतू बागरेचा और रिंकी जैन उपस्थित थे।

# खादर ने समन्वय की कमी के लिए मेस्कॉम पीडब्ल्यूडी, वन विभाग की आलोचना की

**मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू टी खादर ने मेस्कॉम, पीडब्ल्यूडी और वन विभाग के अधिकारियों की आलोचना करते हुए कहा तीनों विभागों के बीच कोई सहयोग नहीं है। एक छोटा सा काम करने में भी कई दिन लग जाते हैं। इससे जनता को परेशानी हो रही है। यहां रविवार को मेस्कॉम कार्यालय में आयोजित एक बैठक को संबोधित करते हुए यूटी खादर ने कहा बारिश का मौसम शुरू हो चुका है और इस दौरान, चीजें अप्रत्याशित होती हैं। कोई नहीं कह सकता कि अगली प्राकृतिक आपदा कब आएगी। हमें इस बारे में सोचना होगा कि हम कैसे सतर्क रह सकते हैं और भविष्य में होने वाली किसी भी घटना के लिए रोडमैप कैसे बना सकते हैं। पिछले सप्ताह, एक ढही हुई दीवार के कारण चार लोगों की जान चली गई, और अगले दिन, दो ऑटोरिक्शा चालकों की बिजली का झटका लगने से मौत हो गई। ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं। पीडब्ल्यूडी और मेस्कॉम विभागों को मिलकर काम करना चाहिए और स्थानीय लोगों को ऐसे मुद्दों के बारे में अधिकारियों को सचेत करना चाहिए। प्रतिक्रिया देने में देरी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा पेड़ों की शाखाओं को काटने में बहुत देरी होती है। पहले अपर्याप्त उपकरणों से ऐसी समस्याओं का समाधान हो जाता था, लेकिन अब बेहतर गुणवत्ता वाले उपकरणों के साथ भी शाखाओं को काटने में देरी हो रही है। मेस्कॉम और वन विभाग के अधिकारियों को मौके पर मौजूद रहकर बिना किसी देरी के समस्या का समाधान करना चाहिए। अगर इस तरह की घटनाएं जारी रहीं तो विभाग और उसके अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खादर ने मेस्कॉम से लाइव वायर और ट्रांसफॉर्मर के बारे में लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया और विभाग से ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों को शिक्षित करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। अगर अधिकारी अपना काम करते हैं, तो कम से कम उन्हें इस बात का सुकून तो होगा कि उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

हालांकि इस समय दबाव अधिक होता है, लेकिन अगर आप बारिश के मौसम से 15 दिन पहले काम करते हैं, तो भविष्य में कई समस्याओं को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि अन्य राज्यों और देशों के बिजली के खंभों को बगीचों में बदल दिया गया है, और मेंगलूरु में भी ऐसी पहल की जानी चाहिए। विभाग को मीडिया की शक्ति का उपयोग करना चाहिए और लोगों में जागरूकता लाने के लिए एक विशेष टीम का गठन करना चाहिए। खादर ने जब दो ऑटो चालकों की करंट लगने से हुई मौत के बारे में स्पष्टीकरण मांगा तो अधिकारियों ने कहा भूमिगत केबल बिछा दी गई है और अपनी अंतिम अवस्था में है। जब हम काम कर रहे थे, तब एमसीसी ने हमें पत्र लिखकर कहा था कि स्ट्रीट लाइट के तारों से छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि उनका प्रोजेक्ट चल रहा है। वह भी बहुत जल्द पूरा हो जाएगा।

### फिर भी ऐसी घटनाएं हुई

बारिश के कारण पेड़ों के गिरने के बारे में जिला आयुक्त मुल्लई मुहिलान ने कहा बरसात के मौसम से पहले, जो पेड़ गिरने की संभावना थी, उन्हें उखाड़ दिया गया, फिर भी ऐसी घटनाएं हुई हैं, जिनमें ऊंचे पेड़ गिर गए। वर्तमान में, 192 टीमें मौजूद हैं, और लोगों को पता होना चाहिए कि जब कोई बिजली का तार हो, तो किससे संपर्क करना है। यह छोटा सा कदम लोगों की जान बचा सकता है, और अगर इसमें कोई देरी होती है, तो तालुक स्तर के अधिकारी जिम्मेदार होंगे। भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया मौजूदा 33 केवी बिजली थोक्कोट्टू और कोनाजे में मौजूद है। बिजली को कावूर से कोनाजे तक सीधे स्थानांतरित किया जाता है और फिर वितरित किया जाता है। जेप्पू से कोटेकर और कोनाजे से डेरालाकाटे के बीच भूमिगत केबल का काम बहुत जल्द पूरा हो जाएगा। खादर ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे पूरे जिले पर विचार करें तथा रात्रि के समय अपने अधीन काम करने वालों का निरीक्षण करें।

## मैसूरु में तंबाकू विरोधी साइक्लोथॉन का आयोजन

**मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** कैंसर के खतरे और इससे जुड़े जोखिम कारकों के बारे में लोगों में जागरूकता पैदा करने के लिए शहर में तंबाकू विरोधी साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया।

इसका आयोजन भारत अस्पताल और ऑन्कोलॉजी संस्थान द्वारा किया गया, जिसमें छात्रों, डॉक्टरों, पैरा-मेडिकल स्टाफ और आम लोगों ने हिस्सा लिया।

साइक्लोथॉन कोटे अंजनेयास्वामी मंदिर से शुरू हुआ और मैसूरु के बीचों-बीच से होते हुए महल के आसपास से होते हुए शुरुआती बिंदु पर समाप्त हुआ। आयोजकों ने कहा कि तंबाकू का सेवन कैंसर के लिए सबसे बड़ा जोखिम कारक है और इससे बचना चाहिए।

## सरकार ने बेलगावी और अन्य जिलों में कई परियोजनाओं के लिए केंद्र से मांगा समर्थन

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ हुई बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने बेलगावी और राज्य के अन्य जिलों में कई परियोजनाओं के लिए समर्थन मांगा है। प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने 39 सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की मांग की है। उन्होंने बेलगावी और रायचूर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए अधिक धनराशि की भी मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने बेलगावी शहर में पुराने एनएच 4 पर फ्लाईओवर के निर्माण, गोकक फॉल्स में केबल कार सुविधा, कित्तूर शहर और बैलहोंगल के बीच सड़क और गोकक-यारागट्टी-मनवल्ली रोड को अपग्रेड करने की मंजूरी मांगी है। प्रतिनिधिमंडल ने बेलगावी, हुब्बल्ली धारवाड़, मेंगलूरु, मैसूरु और कलबुर्गी को सुरक्षित शहर घोषित करने के लिए एक परियोजना के लिए मंजूरी मांगी। अगर मंजूरी मिल जाती है, तो इन शहरों में निर्भया फंड के तहत कई परियोजनाएं शुरू की जा सकती हैं। फंड के तहत प्रत्येक शहर के लिए अनुमानित 200 करोड़ जारी किए जाएंगे। अभी तक, केवल बेंगलूरु ही इस परियोजना के अंतर्गत आता है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस परियोजना के तहत, शहरों, कार्यालयों और महिलाओं के लिए आवागमन को सुरक्षित बनाने के लिए नागरिक और डिजिटल बुनियादी ढाँचा तैयार किया जाएगा।

# शिवकुमार ने दिल्ली में खड़गे से मुलाकात कर लंबी बातचीत की

### उपचुनाव समेत कई मुद्दों पर हुई चर्चा

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने दिल्ली में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और लंबी चर्चा की। उन्होंने अपने दिल्ली दौरे के दौरान मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और राज्य में उपचुनाव की तैयारियों और उम्मीदवारों के चयन पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने विधानसभा चुनाव के बाद सरकार गठन के दौरान राज्य में अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पद के सृजन को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लगाने का अनुरोध किया और सिद्धरामैया और डीके शिवकुमार ने आलाकमान नेताओं के साथ गुप्त चर्चा की। इस बीच सिद्धरामैया गुट के नेता अतिरिक्त उप मुख्यमंत्री पदों के सृजन को लेकर खुलेआम बयान देकर पार्टी को शर्मसार कर रहे हैं। इन आपसी उलझनों के कारण पार्टी में असंतोष और गुटबाजी व्याप्त है। शुरू से ही मुख्यमंत्री के साथ मधुर संबंध बनाने वाले डीके शिवकुमार प्रशासन के कंधे बन गए हैं। इस बीच सामने आ रहे अवांछित बयानों से पार्टी और सरकार की फजीहत हो रही है और कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। इस पृष्ठभूमि में, डीके शिवकुमार ने मल्लिकार्जुन खड़गे से उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री पदों के बारे में किसी भी चर्चा पर रोक लगाने का अनुरोध किया। लोकसभा चुनाव से पहले इसी तरह की चर्चा होने पर हस्तक्षेप करने वाले मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पर चर्चा अनावश्यक है। इसके चलते सारी चर्चाएं रोक दी गईं। चुनाव के बाद फिर से चर्चा शुरू हो गई। चिंता यह है कि इस तरह की चर्चाओं से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय निकायों के चुनाव चरण के दौरान भ्रम पैदा हो सकता है। इसके लिए डीके शिवकुमार ने हाईकमान से संपर्क किया है और राज्य के मंत्रियों और नेताओं से ऐसे किसी भी बयान देने से बचने का अनुरोध किया है जिससे भ्रम पैदा हो। डीके शिवकुमार ने खड़गे से चन्नपटना, शिगगांव और संदुर निर्वाचन क्षेत्रों में होने वाले चुनावों में उम्मीदवारों के चयन और अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की। इससे पहले शिवकुमार ने कहा कि वर्तमान में राज्य में अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री का कोई पद नहीं है और मुख्यमंत्री बदलने की भी कोई चर्चा नहीं है। मैंने जो काम किया है उस पर पार्टी फैसला करेगी। मुझे किसी की सिफारिश की जरूरत नहीं है। सीएम और डीसीएम के पदों को लेकर अब किसी को भी खुला बयान नहीं देना चाहिए। इसे यहीं खत्म कर देना चाहिए, अगर चर्चा आगे भी जारी रही तो पार्टी सदस्यों को नोटिस दिया जाएगा। शहर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कोई डीसीएम नहीं है, मुख्यमंत्री बदलने का सवाल ही नहीं है। कृपया मैं विनती करता हूँ, मुझे किसी की सिफारिश की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने जो काम किया है उस पर हमारी पार्टी का आलाकमान फैसला करेगा। पार्टी के हित में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और मैंने बैठकर चर्चा की और निष्कर्ष पर पहुंचे। इस मामले में विधायकों, मंत्रियों या स्वामी को ज्यादा बात करने की जरूरत नहीं है। उनका आशीर्वाद ही काफी है, इसके अलावा चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है। किसी भी मंत्री को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री पद पर खुलकर चर्चा नहीं करनी चाहिए। हमारी पार्टी के विधायकों को प्रस्ताव भी नहीं देना चाहिए। अगर वे जारी रखते हैं तो उन्हें बिना औपचारिकता के नोटिस जारी करना होगा। पार्टी के लिए अनुशासन महत्वपूर्ण है। कोई भी अनुशासन के बिना नहीं है। हम जानते हैं कि हमने पार्टी के लिए कितनी मेहनत की है और क्या किया है। उन्होंने जवाब दिया कि उनमें से किसी को भी आज बात करने की जरूरत नहीं है।

## हैदराबाद फिल्म सिटी की तर्ज पर कर्नाटक में फिल्म सिटी का होगा निर्माण: सीएम सिद्धरामैया

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि राज्य में अभिनेता डॉ. राजकुमार के सपने के अनुरूप चित्रनगरी का निर्माण किया जाएगा। शहर के शिवानंद सर्कल के पास कन्नड़ फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन की नई इमारत का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म सिटी पड़ोसी राज्य तेलंगाना के हैदराबाद में स्थित है। डॉ.राजकुमार का सपना इसी मॉडल पर कर्नाटक में फिल्म सिटी बनाने का है। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से प्रयास चल रहे हैं। इससे पहले हमारी ही सरकार ने चित्रनगरी के लिए मैसूरु के कड़ाकोला में हिमावु के पास 100 एकड़ जमीन दी थी। उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में पीपीपी मॉडल पर एक सर्वसुविधायुक्त समाजसेवा के निर्माण के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। हमारी सरकार फिल्म उद्योग के विकास के लिए सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करेगी। निर्माता मुश्किल दौर में भी फिल्में बना रहे हैं। उन्होंने कहा अभी तक फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के निर्माण के लिए सरकार से किसी वित्तीय सहायता का अनुरोध नहीं किया गया है। सरकार की ओर से आवश्यक सहायता उपलब्ध करायी जायेगी। सरकार शुरू से ही फिल्म उद्योग के विकास के लिए सहायता प्रदान करती रही है। उन्होंने कहा कि इसी तरह का सहयोग आगे भी मिलता रहेगा। विदेशी भाषाओं की तर्ज पर कन्नड़ भाषा में भी ओटीटी प्लेटफॉर्म बनाने की मांग पर विचार किया जाएगा। हम संबंधित लोगों से इस पर चर्चा करेंगे। हमारी सरकार कन्नड़ भाषा की फिल्मों को हर तरह का प्रोत्साहन देगी। राज्य में परोपकार करना है। उन्होंने कहा कि वह राजकुमार के सपने को साकार करेंगे। वह पिछले दो दिनों से दिल्ली में हैं और प्रधानमंत्री ने शनिवार शाम को आने का समय दिया था। हमने शनिवार शाम को उनसे मुलाकात की और उनसे केंद्र से राज्य को अधिक धनराशि देने और बकाया वित्तीय सहायता देने का अनुरोध किया। उन्होंने यह भी कहा कि हमने सिंचाई और मेट्रो समेत कई परियोजनाओं के लिए सहायता मांगी है और प्रधानमंत्री को प्रस्ताव पेश किया है।

## तीन उपमुख्यमंत्री पद बनाने की मांग के पीछे सिद्धरामैया: जोशी

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने रविवार को कहा कि तीन उपमुख्यमंत्री पद बनाने की मांग के पीछे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया हैं। कुछ लोग आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा मुख्यमंत्री बदलने या तीन उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग करके कांग्रेस सरकार के खिलाफ साजिश कर रही है। एक मंत्री ने कहा है कि भाजपा केवल विवाद पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री चर्चा में शामिल है। ऐसे आरोपों का आधार क्या है? कुछ भी नहीं। यह सच्चाई से कोसों दूर है। भाजपा राज्य में मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री पदों के पीछे के विवादों में शामिल नहीं है। उन्होंने कहा वास्तव में, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ऐसी मांगों के पीछे हैं। जैसा कि आप देख सकते हैं, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंत्रियों और विधायकों को ऐसे मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से बयान न देने की चेतावनी दी है। लेकिन सिद्धरामैया चुप रहे। मुख्यमंत्री ने किसी को भी ऐसे मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा न करने के लिए क्यों नहीं कहा? वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा इसके पीछे रहस्य क्या है? ऐसा इसलिए है क्योंकि मुख्यमंत्री ऐसी मांगों के पीछे हैं। तीन उपमुख्यमंत्री पद सृजित करना या मुख्यमंत्री बदलना कांग्रेस का अंदरूनी मामला है। भाजपा न तो किसी के पक्ष में है और न ही मौजूदा नेताओं के खिलाफ।

# अहिंदा ने सीएम सिद्धरामैया का किया समर्थन

### कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की मांग का किया विरोध

**बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।** अहिंदा कर्नाटक ने राज्य में मुख्यमंत्री पद के चेहरे में परिवर्तन की मांग का विरोध किया है। अहिंदा के प्रदेश अध्यक्ष प्रभुलिंग डोड्डामनी ने रविवार को हुब्बल्ली में संवाददाताओं से कहा कि संगठन मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को हटाने के किसी भी कदम का कड़ा विरोध करेगा। मुख्यमंत्री बदलने की कोई बात नहीं होनी चाहिए। सिद्धरामैया को पांच साल तक मुख्यमंत्री बने रहना चाहिए। अगर उन्हें बदला जाता है, तो कांग्रेस कर्नाटक में अपना अस्तित्व खो देगी। अगर मुख्यमंत्री बदलने का कोई कदम उठाया जाता है, तो हम सभी जिलों और तालुकों में आंदोलन करेंगे। अहिंदा हमेशा सिद्धरामैया के साथ खड़ी है। अहिंदा का मतलब सिद्धरामैया और सिद्धरामैया का मतलब अहिंदा है। दो दिन पहले, संत चंद्रशेखर स्वामी ने सिद्धरामैया से अपनी सीट खाली करने और डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा स्वामीजी को इस तरह के राजनीतिक बयान नहीं देने चाहिए। उन्हें

धार्मिक उपदेशों और अनुष्ठानों तक ही सीमित रहना चाहिए। इस तरह के राजनीतिक बयानों से समाज में टकराव पैदा हो सकता है। संतों को समझना चाहिए कि वे किसी जाति से नहीं बल्कि पूरे धार्मिक समूह से जुड़े हैं। उन्हें अपने समुदाय के सदस्यों के लिए सत्ता के पद नहीं मांगने चाहिए।

संतों को यह भी समझना चाहिए कि यह पार्टी का आंतरिक मामला है। उन्होंने कहा कि अगस्त में सिद्धरामैया के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम की तैयारी के लिए राज्य भर से अहिंदा के नेता एकत्रित हुए हैं। डोड्डामनी ने कहा अहिंदा विभिन्न क्षेत्रों से 50 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को पुरस्कार प्रदान करेगा। राज्य भर से सीएम के प्रशंसक और समर्थक इसमें भाग लेंगे। यह पहली बार है जब इस तरह के कार्यक्रम की योजना बनाई जा रही है।

धारवाड़ जिला इकाई के अध्यक्ष मुत्तल्ली शिवन्ना और अन्य लोग मौजूद थे। इससे पहले विश्व ओक्कालिगा महासंस्थान मठ के अध्यक्ष चन्द्रशेखरनाथ स्वामीजी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के लिए सिद्धरामैया द्वारा मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बयान के पीछे कोई दबाव नहीं था। मैने सीधे वही कहा जो मेरे मन में था। उन्होंने कहा कि अच्छा होता अगर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार की मेहनत को जानते और प्यार में मुख्यमंत्री का पद छोड़ देते। उन्होंने कहा, हम यह फैसला करने वाले कौन होते हैं कि उन्हें मुख्यमंत्री का पद छोड़ देना चाहिए, लेकिन सिद्धरामैया के बाद मुख्यमंत्री बनने की बारी किसी और की नहीं बल्कि डीके शिवकुमार की है। उन्होंने कहा कि डीके शिवकुमार के मुख्यमंत्री रहने के 6 महीने या एक साल बाद कोई भी मुख्यमंत्री बन सकता है। मैंने समुदाय को ध्यान में रखते हुए डीके शिवकुमार के लिए मुख्यमंत्री पद नहीं मांगा है। अगली बारी डीके शिवकुमार की है, किसी अन्य समुदाय से नहीं। यह जाति, नस्ल, समुदाय की बात नहीं करता। हमने तब अपनी व्यक्तिगत राय व्यक्त की है, जब मन में आया। ईश्वर की कृपा से अगर डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री बनते तो अच्छा होता। सिद्धरामैया पहले से ही मुख्यमंत्री हैं। इस समय के अलावा शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने का कोई और समय नहीं होगा। अगर सिद्धरामैया ठान लें तो ऐसा किया जा सकता है। स्वामी जी ने कहा कि यह विषय उन्होंने ही प्रस्तावित किया है।

### राज्यपाल बोले– अपना दायित्व निभा रहा

# विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के चयन के लिए खोज समितियों का गठन



**तिरुवनंतपुरम (एजेंसियां)।**

केरल के छह विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के चयन के लिए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शुक्रवार को खोज समितियों का गठन किया। एक दिन बाद उन्होंने कहा कि वह अपना दायित्व निभा रहे हैं। लेकिन उनके कार्यालय के याद दिलाने के बावजूद विश्वविद्यालय के अधिकारियों की ओर से जानबूझकर चूक हुई।

राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में खान ने शुक्रवार को केरल विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, केरल मत्स्य पालन और महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय, एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, केरल कृषि विश्वविद्यालय और मलयालम विश्वविद्यालय के कुलपतियों के चयन के लिए अधिसूचना जारी की। उन्होंने मीडिया में आई खबरों का हवाला दिया और दावा किया कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया है कि खोज समितियों के लिए अपने प्रतिनिधियों को न भेजा जाए।

उन्होंने कहा, ''मेरा दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि विश्वविद्यालयों में नियमित कुलपति हों। मैं विश्वविद्यालयों को स्मरण-पत्र (रिमाइंडर) भेजता रहा हूं। मैंने केरल विश्वविद्यालय को छह रिमाइंडर भेजे हैं और इस मकसद के लिए बुलाई गई पिछली बैठक में शिक्षा मंत्री वहां पहुंची थीं। उन्होंने बैठक में व्यवधान डाला था।'' राज्य की उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदू ने इस साल फरवरी में केरल विश्वविद्यालय में हुई बैठक की अध्यक्षता की थी। जिससे राज्यपाल खान नाराज हो गए थे।

राज्यपाल ने कहा कि मीडिया में खबर आई है कि सरकार ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों को खोज समिति के लिए अपने प्रतिनिधियों को न भेजने का निर्देश दिया था। खान ने दावा किया कि अदालत का अंतिम आदेश स्पष्ट था कि एक महीने के भीतर विश्वविद्यालय के अधिकारियों को अपने प्रतिनिधियों को भेजना होगा और फिर फैसले के बाद के हिस्से में कहा गया था कि अगर विश्वविद्यालय अपने प्रतिनिधियों को भेजने में विफल रहता है, तो कुलपति विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानों और यूजीसी के नियमों के अनुसार आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि वह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि राज्य के विश्वविद्यालयों में नियमित कुलपति हों। खान ने कहा, अगर वे जानबूझकर अराजकता पैदा करने के प्रयास कर रहे हैं, तो मैं इसमें कैसे मदद कर सकता हूं?

# केरल में टैंकर लॉरी से लीक हुई जहरीली गैस, आठ कॉलेज छात्र पड़े बीमार

**कन्नूर(एजेंसियां)।**

केरल के कन्नूर जिले के रामपुरम में एक टैंकर लॉरी से गैस लीक होने लगी। गैस लीक होने से नर्सिंग कॉलेज के लगभग 8 छात्र बीमार पड़ गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। टैंकर लॉरी से हाइड्रोक्लोरिक एसिड को दूसरे टैंकर में ट्रांसफर किया जा रहा है।

मैंगलोर से कर्नाटक के एर्नाकुलम जा रहे टैंकर लॉरी से हाइड्रोक्लोरिक एसिड ली हुआ। लीकेज के बाद लॉरी को रोक दिया गया। इसके बाद गैस को दूसरे टैंकर में स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया। गैस निकालने के दौरान यह हादसा हुआ। कॉलेज के छात्रों को बेचैनी और सांस लेने में तकलीफ होने लगी और उन्हें परियारम मेडिकल कॉलेज और पझायंगडी तालुक अस्पताल ले जाया गया।

इस क्षेत्र से लगभग एक किलोमीटर के दायरे रहने वाले लोगों को शिफ्ट कर दिया गया है।

इस घटना के बाद पय्यान्नूर और परियायम पुलिस की एक दमकल टीम मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू की। लेकिन रिसाव को पूरी तरह से रोका नहीं जा सका। आरोप है कि टैंकर लॉरी के सड़ जाने के कारण यह लीकेज हुआ है।

कंटेनर के पिछले हिस्से के वाल्व में रिसाव का पता चला और दमकल बल ने वाहन को जल्द ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। थालीपरम्बा राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) अजय कुमार ने कहा कि गैस को दूसरे टैंकर में स्थानांतरित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

# दूसरे राज्य के आईएएस अफसर को रिटर्निंग ऑफिसर बनाएं

## विक्रवंडी उपचुनाव से पहले पीएमके का ईसी से अनुरोध

**चेन्नई (एजेंसियां)।**

तमिलनाडु के विक्रवंडी विधानसभा क्षेत्र में 10 जुलाई को उपचुनाव होना है। इसे लेकर पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) पार्टी ने चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि एक ऐसे आईएएस अधिकारी को रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) नियुक्त किया जाए, जो राज्य से बाहर का हो।

पीएमके ने आरोप लगाया है कि राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) द्वारा चुनाव संबंधित नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सत्तारूढ़ दल के पदाधिकारियों द्वारा पीएमके और अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गमए (आईएडीएम) के पदाधिकारियों पर हमला किया गया है। पीएमके प्रमुख अंबुमणि रामदास ने चुनाव आयोग से अनुरोध किया है कि रिटर्निंग ऑफिसर एम चंद्रशेखर की जगह किसी अन्य राज्य के आईएएस अधिकारी को नियुक्त किया जाए। इस तरह से चुनाव का निष्पक्ष रूप से संचालन हो सकेगा। अंबुमणि रामदास ने यह भी कहा कि उपचुनाव के लिए पांच पर्यवेक्षकों की भी नियुक्ति की जाए और नियमों का उल्लंघन करने पर डीएमके नेताओं पर कार्रवाई की जाए। पीएमके अध्यक्ष ने आरोप लगाया 'विक्रवंडी में डीएमके के हजारों कार्यकर्ता प्रचार में जुटे हैं। विधानसभा क्षेत्र में प्रचार के लिए कई मंत्री और 80 विधायक हजारों कारों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जो कि नियमों का उल्लंघन है। इन कारों को जब्त किया जाना चाहिए और ऐसा करने के बजाय पुलिस और प्रशासन द्वारा डीएमके के नेताओं को सुरक्षा प्रदान की जा रही है।' उन्होंने आगे कहा कि आईएडीएमके के कार्यकर्ता और पीएमके नेता को डीएमके के कार्यकर्ताओं ने बुरी तरह से पीटा। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विक्रवंडी विधानसभा उपचुनाव में डीएमके प्रत्याशी अन्नियुर सिवा, पीएमके उम्मीदवार सी अंबुमणि और तमिल नेशनलिस्ट पार्टी के प्रत्याशी अभिन्या के बीच टक्कर देखने को मिल सकती है। उधर आआईएडीएमके ने उपचुनाव का बहिष्कार किया है।

# नकली शराब से मौतों के बाद जागी स्टालिन सरकार नियम और कड़े करने के लिए संशोधन विधेयक पारित

**चेन्नई (एजेंसियां)।**

तमिलनाडु के कल्लाकुरिचि जिले में हाल ही में अवैध देशी शराब पीने से कम से कम 34 लोगों की मौत गई थी। नकली शराब से मौतों के बाद आखिरकार स्टालिन सरकार जग ही गई। अब उसने कड़े नियम करने को लेकर तमिलनाडु निषेध अधिनियम 1937 में संशोधन के लिए तमिलनाडु विधानसभा में विधेयक पेश किया। मंत्री एस मुथुसामी द्वारा पेश किए गए इस विधेयक को बाद में सदन ने पारित कर दिया। विधेयक में अवैध शराब के आयात, निर्यात, परिवहन, कब्जे, निर्माण, बोतलबंद और उपभोग जैसे अपराधों के लिए विभिन्न दंडों का प्रावधान है।



मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा, 'सरकार कुछ भी छिपा नहीं रही है और हमने कल्लाकुरिची घटना के सिलसिले में लोगों को गिरफ्तार किया है। यह सरकार अवैध शराब को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।'

उन्होंने आगे कहा, 'कल्लाकुरिची की घटना के बाद, मैंने कलेक्टरों और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। मैंने उस बैठक में कहा था कि यदि भविष्य में किसी की जान जाती है तो पुलिस निरीक्षक और जिला पुलिस अधीक्षक जिम्मेदार होंगे। हम अपने राज्य में अवैध शराब को कम करने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं। मैं सभी से राजनीति को अलग रखने और तमिलनाडु में ड्रग्स को खत्म करने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील करता हूं।'

राज्य सरकार ने शनिवार को तमिलनाडु निषेध अधिनियम, 1937 में संशोधन किया ताकि जीवन को खतरे में डालने वाली अवैध शराब के निर्माण, रखने और बेचने जैसे अपराधों के लिए सजा की अवधि और जुर्माने की मात्रा में काफी वृद्धि की जा सके। तमिलनाडु निषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024, जो सरकार द्वारा अधिसूचित तारीख को लागू होगा, का उद्देश्य राज्य से अवैध शराब के खतरे को पूरी तरह से समाप्त करना है।

कल्लाकुरिची शराब त्रासदी के मद्देनजर लाया गया यह संशोधन अधिनियम की धारा 4,5,6,7 और 11 के तहत विभिन्न अपराधों के लिए कारावास की अवधि और जुर्माने की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि करता है। इसमें कहा गया है कि अवैध शराब पीने के कारण मौत के मामले में अवैध शराब तस्करों के लिए आजीवन कारावास की सजा होगी और उस पर कम से कम 10 लाख रुपये का जुर्माना नहीं होगा।

कांग्रेस विधायक दल के नेता के. सेल्वापेरुन्थगई ने विधेयक का समर्थन करते हुए व्यवस्था में जांच और संतुलन बनाए रखने का सुझाव दिया। विशेष रूप से पुलिस को सभी शक्तियां देने के बजाय एक प्रवर समिति गठित करने की सलाह दी। पीएमके के जी के मणि ने सरकार से मांग की कि जहरीली शराब त्रासदी के लिए पुलिस या विशेष अधिकारी पर जिम्मेदारी तय की जाए और राज्य में पूर्ण शराबबंदी लागू करने के लिए कदम उठाए जाएं। मंत्री एस मुथुसामी द्वारा पेश किए गए इस विधेयक को बाद में सदन ने पारित कर दिया।

गौरतलब है, इस सिलसिले में 49 वर्षीय (अवैध शराब विक्रेता) के.कन्नुकुट्टी को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा उसके पास से जब्त की गई करीब 200 लीटर अवैध शराब की जांच में सामने आया कि उसमें घातक 'मेथनॉल' मौजूद था। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और संबंधित अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई है। एक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने इस घटना की समग्र विवेचना के लिए सीबी-सीआईडी जांच का आदेश दिया है।

सरकार ने घटना के बाद कल्लाकुरिची के जिलाधिकारी श्रवण कुमार जातावथ का तबादला कर दिया, जबकि पुलिस अधीक्षक समय सिंह मीणा को निलंबित कर दिया।

नौ अन्य पुलिसकर्मियों को भी निलंबित कर दिया गया है, जिनमें कल्लाकुरिचि जिले की मद्यनिषेध शाखा के भी पुलिसकर्मी शामिल हैं।

विपक्ष के नेता इडापड्डी के पलानीस्वामी ने स्थानीय समाचारों का हवाला देते हुए संवाददाताओं से कहा कि अवैध शराब पीने के बाद करीब 60 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा, 'जब से द्रमुक सरकार सत्ता में आयी है तब से अवैध शराब से मौतें हो रही हैं। मैं विधानसभा में भी यह मुद्दा उठाता रहा हूं और कार्रवाई की मांग करता रहा हूं।'

### नीतीश सरकार ने जारी कर दिया आदेश

# परिवहन विभाग में 353 डीईओ, 27 प्रोगामर और 31 लिपिक का तबादला

**पटना (एजेंसियां)।**

बिहार सरकार ने परिवहन विभाग में बड़े पैमान पर ट्रास्फर-पोस्टिंग की है। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से सूची जारी कर दी गई है। सरकार ने उन कर्मचारियों का तबादला किया जो पिछले तीन साल से एक ही पद पर जमे थे। हालांकि कुछ कर्मियों को प्रशासनिक कारण से भी इधर से उधर किया गया है। इनमें 353 डाटा इंट्री ऑपरेटर, 31 लिपिक और 27 प्रोग्रामर शामिल हैं।

प्रोग्रामर और डाटा इंट्री ऑपरेटरों को जहां प्रतिनियुक्ति कई। वहीं लिपिकों का तबादला किया गया है। राज्य परिवहन विभाग के उप सचिव की तरफ से यह आदेश जारी कर दिया गया है।

प्रोग्रामर सोनी कुमारी को मुंगेर से दरभंगा, विकाश चंद्र को किशनगंज से पूर्णिया, लव कुमार उपाध्याय को किशनगंज से पूर्णिया, सुधांशु दुबे को पटना से मुजफ्फरपुर, सतीश कुमार को गया से सीवान , जीवन कुमार को कटिहार से अररिया, अमरजीत कुमार को औरंगाबाद से मधेपुरा, कुंदर भगत को लखीसराय से मोतिहारी, विक्रमजीत प्रताप सिंह को दरभंगा से समस्तीपुर, अभिषेक कुमार बेगूसराय से पटना भेजा गया।

वहीं लिपिक बिंदु पांडेय को क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार से जिला परिवहन कार्यालय, सन्नी कुमार को सहरसा से भागलपुर, विवेक राजद को किशनगंज से सहरसा, हरेंद्र सिंह को भोजपुर से दरभंगा, श्रवण कुमार को शेखपुरा से पूर्णिया, राहुल कुमार सिंह को पटना से मोतिहारी, सूरज कुमार को मुजफ्फरपुर से डोभी चेक पोस्ट गया, मनोज कुमार को जिला परिवहन कार्यालय पटना से क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकार पटना भेजा गया।

# तिलैया नदी में डूबे पांच बच्चे, दो की मौत

**पटना (एजेंसियां)।**

नवादा के तिलैया नदी में नहाने के दौरान डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। जबकि, तीन बच्चे बाल-बाल बच गए। इसमें एक की हालत नाजुक बनी है, जिसका इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। यह घटना रविवार को नवादा जिले के मेसकौर प्रखंड क्षेत्र में हुई। दोनों मृतक देवरा गांव के थे। बताया जाता है कि रविवार को दिन के करीब 11 बजे देवरा गांव के कुछ बच्चे पास से गुजरी तिलैया नदी में नहाने गए थे। पहली बारिश के बाद नदी में आई पानी का बहाव को देखकर बच्चों का नहाने का मन किया। इसके बाद बच्चे नहाने के लिए तिलैया नदी में चले गए। नहाने के दौरान ही बच्चे गहरे पानी में चले गए।

बच्चों को डूबता देख आसपास रहे लोगों ने बचाने का खूब प्रयास किया। तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। लेकिन, दो बच्चों की मौत हो गई। मरने वालों में शिव कुमार चौधरी का 10 वर्षीय पुत्र सतीश कुमार उर्फ कारू और प्रवीण कुमार का पुत्र 11 वर्षीय पुत्र प्रिंस राज शामिल हैं। एक बच्चे की हालत थोड़ी नाजुक बताई गई है, जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

बच्चों की मौत के बाद उनके घरों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है।

मेसकौर थाना की पुलिस सूचना के बाद घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों बच्चों के शव को बरामद कर लिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। बता दें कि शनिवार की शाम से जिले में मानूसन की बारिश हो रही है। सकरी, तिलैया, ढांढर, खुरी सहित प्रायः नदियों में पानी का बहाव शुरू हो गया है। इन नदियों में बालू के अवैध खनन से जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बप गए हैं। ऐसे में जान-माल का खतरा हमेशा बना रहता है।

प्रतिवर्ष बरसात के दिनों में इस प्रकार की घटनाएं होती है। सरकार व प्रशासन नदियों में जाने से लोगों को मना करती है, लेकिन इसका असर होता नहीं है। जिसका परिणाम देवरा जैसी घटनाएं सामने आती है।

### पप्पू यादव से फिर लालू-तेजस्वी यादव को झटका!

# बीमा भारती की मुलाकात से बढ़ा बिहार का पारा

**पटना (एजेंसियां)।**

लोकसभा चुनाव 2024 में एक-दूसरे के खिलाफ ताल ठोकने वाले प्रत्याशियों की चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई है। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव से रुपौली विधानसभा से राष्ट्रीय जनता दल की प्रत्याशी बीमा भारती ने मुलाकात की है। दोनों की इस मुलाकात बिहार का सियासी पारा गरमाने लगा है। रुपौली विधानसभा उपचुनाव को लेकर यह मुलाकात काफी अहम मानी जा रही है। राष्ट्रीय जनता दल के टिकट पर मैदान में उतरीं बीमा भारती ने पूर्णिया सांसद पप्पू यादव का समर्थन मांगा है और उनसे मुलाकात की है। हालांकि अब तक इस मुलाकात को लेकर पप्पू यादव की ओर से कोइ प्रतिक्रिया नहीं आई है।



वहीं बीमा भारती के समर्थकों का कहना है कि राजद प्रत्याशी पप्पू यादव को अपना अभिभावक मानती हैं। इसलिए वह उनसे आशीर्वाद मांगने गई थीं। राजनीतिक पंडितों की मानें तो बीमा भारती एक बार फिर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को चौंका सकती हैं। तेजस्वी यादव ने पप्पू यादव के खिलाफ चुनाव प्रचार किया था। पप्पू यादव पर कई बार तेजस्वी यादव पर निशाना साधते दिखे। ऐसे में बीमा भारती का अचानक पूर्णिया सांसद से मिलना काफी चौंकाने वाला है।

गौरलतलब है कि रूपौली विधानसभा सीट पर कुल 11 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिसमें से 5 निर्दलीय और 6 पार्टी के सिंबल पर चुनाव लड़ रहे हैं लिहाजा पप्पू यादव ने अबतक यहां साइलेंट रहने की ही रणनीति अपनायी है। वहीं बीमा भारती ने उनसे मुलाकात कर चुनावी नैया को पार लगाना चाहती है। बताते चलें कि रुपौली विधानसभा उपचुनाव के लिए कुल 13 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किया था। 24 जून को संवीक्षा के दौरान एक निर्दलीय प्रत्याशी नीलम देवी के नामांकन पत्र में त्रुटि पाए जाने कारण उनका नामंकन रद्द कर दिया गया। इसके बाद नाम वापसी की अंतिम तिथि को बुधवार को एक और निर्दलीय प्रत्याशी ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया। अब 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में अपनी किस्मत आजमाएंगे।

मैदान में अब जदयू से कलाधर मंडल, राजद से बीमा भारती, राष्ट्रीय जन संभावना पार्टी से चंद्रदीप सिंह, भारतीय सार्थक पार्टी से राजीव कुमार, आजाद समाज पार्टी से रवि रौशन, निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में शंकर सिंह, लालू प्रसाद यादव, अरविंद प्रसाद सिंह, मु. शादाब आजम, खगेश कुमार व दीपक कुमार बचे हैं।

### भोजशाला में एएसआई का सर्वे पूरा

# 98 दिन में मिलीं हिंदू देवी-देवताओं मूर्तियां और शिलालेख

**धार, 30 जून (एजेंसियां)।** मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला में चल रहा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का सर्वे पूरा हो गया है। इस सर्वे में एएसआई को कई हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों समेत हजारों अवशेष मिले हैं। एएसआई के इस सर्वे की रिपोर्ट अब कोर्ट को सौंपी जाएगी।

98 दिन चले इस सर्वे में एएसआई को भोजशाला परिसर से 1710 अवशेष बरामद हुए हैं। एएसआई ने यह अवशेष प्राप्त करने के लिए परिसर में 24 जगह खुदाई की। इस सर्वे में अभी तक भोजशाला परिसर से 39 मूर्तियां भी मिल चुकी हैं। इन मूर्तियों को साफ करके इनकी पहचान की जा रही है। सर्वे में मिली मूर्तियां वाग्देवी (सरस्वती), महिषासुर मर्दिनी, भगवान गणेश, हनुमान, ब्रह्मा, कृष्णजी और भगवान हनुमान की हैं। इनमें से कुछ मूर्तियां अच्छी अवस्था में हैं जबकि कुछ खंडित भी हैं। ब्रह्मा जी की मूर्ति अच्छी अवस्था में है, जबकि देवी प्रतिमा खंडित मिली है। सर्वे में ढाँचे के कई स्तम्भ और लिखित शिलालेख भी पाए गए हैं।

भोजशाला में मार्च महीने से चल रहा एएसआई का सर्वे अब खत्म हो गया है। यह सर्वे 98 दिन चला है। पहले एएसआई को कोर्ट से 42 दिन सर्वे की अनुमति मिली थी, जबकि बाद में इसे 56 दिन और बढ़ा दिया गया था। अब इस सर्वे की रिपोर्ट तैयार की जा रही है। एएसआई अपनी रिपोर्ट में ग्राउंड पेनेट्रेटिंग राडार (जीपीआर), शिलालेखों के अनुवाद और विशेषज्ञों की राय समेत तमाम अवशेषों की जानकारी कोर्ट के सामने रखेगी। एएसआई के सर्वे के दौरान यहां कार्बन डेटिंग भी की गई है, इसकी अलग से रिपोर्ट तैयार होगी। एएसआई के सर्वे को लेकर मुस्लिम पक्ष ने दावा किया है कि इसमें कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन हुआ है। एएसआई के सर्वे के पूरा होने के बाद भी भोजशाला को पर्यटकों के लिए बंद रखा जाएगा। भोजशाला में मंगलवार को हिंदू पक्ष को पूजा करने की अनुमति दी गई है। जबकि शुक्रवार को मुस्लिम पक्ष यहां नमाज पढ़ेगा। कोर्ट में इस मामले की अगली सुनवाई 4 जुलाई, 2024 को है।

मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित विवादित भोजशाला में एएसआई सर्वे को लेकर 11 मार्च, 2024 को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आदेश दिया था। हाई कोर्ट ने इस संबंध में रिपोर्ट दाखिल करने की बात कही थी। कोर्ट ने आधुनिक तकनीक से यहां सच्चाई पता लगाने को कहा था। भोजशाला विवाद बहुत पुराना विवाद है। हिंदू पक्ष का मत है कि ये माता सरस्वती का मंदिर है जिसकी स्थापना राजा भोज ने सन् 1000-1055 के मध्य कराई थी। सदियों पहले मुसलमान आक्रांताओं ने इसकी पवित्रता भंग करते हुए यहां मौलाना कमालुद्दीन (जिस पर तमाम हिंदुओं को छल-कपट से मुस्लिम बनाने के आरोप हैं) की मजार बना दी थी। इसके बाद यहां मुस्लिमों का आना जाना शुरू हो गया और अब इसे नमाज के लिए प्रयोग में लाया जाता है। हालांकि हिंदू पक्ष का कहना है कि ये उनका मंदिर ही है क्योंकि आज भी इसके खंभों पर देवी-देवताओं के चित्र और संस्कृत में श्लोक लिखे साफ दिखते हैं। इसके अलावा दीवारों पर ऐसी नक्काशी है जिसमें भगवान विष्णु के कूर्मावतार के बारे में दो श्लोक हैं।

# नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी पांच दिन के बांग्लादेश दौरे पर

### द्विपक्षीय सैन्य सहयोग पर होगी चर्चा

**नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)।** भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की रविवार से पांच दिवसीय बांग्लादेश यात्रा की शुरुआत हो गई है। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य समुद्री क्षेत्र में द्विपक्षीय सैन्य सहयोग और नए रास्तों की प्रगति पर साथ मिलकर काम करना है।

आपको बता दें कि इससे पहले बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत का दौरा किया था। उस दौरान दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक संबंधों में विस्तार पर चर्चा हुई थी। भारतीय नौसेना प्रमुख बनने के बाद एडमिरल त्रिपाठी की यह पहली विदेश यात्रा है। इस यात्रा के दौरान वे अपने बांग्लादेशी समकक्ष एडमिरल नजमूल हसन और अन्य सैन्य अधिकारियों के साथ आपसी सैन्य सहयोग पर विस्तार से चर्चा करेंगे। एडमिरल त्रिपाठी अपनी यात्रा के दौरान 4 जुलाई को बांग्लादेश नौसेना

अकादमी की पासिंग आउट परेड में भी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा भारतीय नौसेना प्रमुख ढाका स्थित बांग्लादेश के नेशनल डिफेंस कॉलेज में अपना संबोधन देंगे।

भारतीय नौसेना द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि नौसेना प्रमुख के इस दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सैन्य संबंधों की प्रगति को लेकर चर्चा की जाएगी। भारत और बांग्लादेश के बीच नौसेना सहयोग पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है। दोनों देशों के बीच व्यापक द्विपक्षीय नौसेना युद्धाभ्यास और क्षमता को मजबूत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित होते रहे हैं। नौसेना के आधिकारिक बयान में बताया गया है कि भारतीय नौसेना प्रमुख के दौरे के दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच मजबूत रिश्तों और दोस्ती की प्रगति पर बातचीत की जाएगी। भारत की नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी में बांग्लादेश एक प्रमुख साझेदार है।

हाल के वर्षों में भारत और बांग्लादेश के बीच समुद्री सहयोग काफी मजबूत हुआ है। यह भी देखने को मिला है कि दोनों देशों के बीच समुद्री हितों की सुरक्षा की दिशा में संयुक्त रूप से उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस तरह से दोनों पक्ष एक दूसरे के सहयोग को भली-भांति जानते हैं। सेना से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि सागर योजना के तहत बांग्लादेश, भारत का भागीदार रहा है। उन्होंने आगे बताया कि सागर योजना के तहत दोनों देश भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए साथ मिलकर काम करेंगे। इसके तहत क्षेत्रीय सुरक्षा और विकास को बढ़ाने का काम किया जाएगा।

## एनआईए ने तमिलनाडु में हिज्ब-उत तहरीर के ठिकानों पर मारे छापे

**तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु), 30 जून (एजेंसियां)।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आईएसआईएस से संबद्ध इस्लामी कट्टरपंथी संगठन हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) से संबंधित मामले की जांच के तहत रविवार को तमिलनाडु में उसके कई ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। यह संगठन कई देशों में प्रतिबंधित है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि चेन्नई, तिरुचिरापल्ली, तंजावुर, इरोड और पुडुकोट्टई सहित कई स्थानों पर छापे मारे गये। एचयूटी मदुरै मॉड्यूल मामला मूल रूप से मदुरै के थिदीर नगर थाने में दर्ज किया गया था, जिसे 26 अप्रैल 2021 को एनआईए को सौंप दिया गया था।

जांच से पता चला कि एचयूटी के सदस्यों ने तिरुवरुर जिले के मन्नारगुडी के एस. बावा बहरुदीन (41) उर्फ मन्नई बावा, तंजावुर जिले के कुंभकोणम के जे. जियावुद्दीन बाकवी (40) और मोहम्मद इकबाल ने दूसरों के साथ मिलकर इस्लामिक स्टेट को फिर से स्थापित करने और भारत सहित वैश्विक स्तर पर शरिया लागू करने की साजिश रची थी। आरोपियों ने तमिलनाडु के मदुरै, इरोड, सलेम और तंजावुर जिलों में बंद कमरे में बयान (बैठकें) आयोजित की थीं और भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता को अस्वीकार करने तथा बाधित करने के उद्देश्य से पोस्ट अपलोड करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया साइट्स पर कई अकाउंट बनाये थे। वे देश की सरकार को उखाड़ फेंककर इस्लामिक स्टेट की स्थापना करने के लिए भोले-भाले युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उनकी संगठन में भर्ती करने में लगे हुए थे। उन्होंने एचयूटी की विचारधारा को फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से तमिलनाडु और केरल के विभिन्न जिलों में नये सेल स्थापित करने की भी साजिश रची थी।

# संथाल परगना में आदिवासियों की घटती आबादी की एसआईटी करे जांच : मरांडी

**दुमका, 30 जून (एजेंसियां)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संथाल परगना प्रमंडल में आदिवासियों की घटती आबादी पर चिंता जताते हुए राज्य सरकार से विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर इसकी अविलंब जांच कराने की मांग की है।

श्री मरांडी ने रविवार को दुमका में संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि प्रमंडल में संथाल आदिवासियों की आबादी लगातार घट रही है जबकि मुस्लिम समुदाय की बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन और उनकी पार्टी यदि आदिवासी समाज का सच्चा हितेषी हैं तो अविलंब विशेष जांच दल (एसआईटी ) गठित कर इसकी जांच करें और इसके कारणों का खुलासा करें।

प्रदेश अध्यक्ष ने हुल दिवस पर रविवार को उप राजधानी दुमका के बड़ा बांध चौक पर स्थित सिदो- कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री लुईस मराण्डी समेत काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता

भी मौजूद थे। बाद में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि संथाल हुल के महानायक अमर शहीद सिदो , कान्हू, चांद, भैरव, फूलो, झानो के नेतृत्व में 1855 में अंग्रेजी शासन के शोषण और अत्याचार के खिलाफ आंदोलन किया गया था। जिसमें हज़ारों लोग शहीद हुए थे।

उन्होंने कहा कि संथाल हुल के रणबांकुरों ने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। इसी आंदोलन के परिणामस्वरूप संथाल परगना क्षेत्र अस्तित्व में आया। इस क्षेत्र में रहने वाले सभी वर्ग के लोगों की जमीन और उनके हितों की रक्षा के मद्देनजर संथाल परगना टेनेंसी एक्ट (एसपीटी) एक्ट लागू किया गया।

भाजपा नेता ने आगे कहा कि संथाल हुल के 169 साल पर आज हम सभी संथाल हुल के महानायकों के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प ले रहे हैं। लेकिन विडम्बना यह है कि रक्षा कवच एसपीटी एक्ट सहित अन्य कानून रहने के बाद भी आजादी के बाद से संथाल परगना क्षेत्र से संताल आदिवासियों की आबादी लगातार घट रही है। उन्होंने कहा कि यह कोई उनकी पार्टी का आंकड़ा नहीं है बल्कि सरकार की जनगणना रिपोर्ट है। उन्होंने आंकड़े की प्रति को लहराते हुए कहा कि 1951 में संथाल परगना में आदिवासियों की आबादी का प्रतिशत कुल जनसंख्या का 44.67 प्रतिशत था। लेकिन 2011 की जनगणना में यह जनसंख्या में घटकर सिर्फ 28.11 फीसदी रह गयी। वहीं, यदि तुलनात्मक रूप मुस्लिम समुदाय की जनसंख्या पर गौर करें तो 1951 में यह संख्या सिर्फ नौ प्रतिशत थी जो 2011 में बढ़कर 22.73 प्रतिशत हो गई । आखिरकार ऐसा क्यों हुआ ।

श्री मरांडी ने आशंका जताते हुए कहा कि जिस तेजी से संथाल परगना में आदिवासियों की संख्या घट रही है। इससे जाहिर है कि अगर यही स्थिति रही तो आने वाले 25 वर्षों में जब देश अपनी आजादी का 100 वीं वर्षगांठ मनाएगा और संथाल हूल के 200 वर्ष पूरे होंगे। उस वक्त तक संथाल परगना क्षेत्र से आदिवासियों की संख्या विलुप्ति के कगार पर पहुंच जाएगी। आखिरकार ऐसा क्यों हो रहा है, यह काफी चिंता का विषय है। यह खतरे का संकेत है। उन्होंने झारखंड सरकार से एसआईटी गठित कर इसकी जांच की मांग जिससे वास्तविक कारणों का पता चल सके।

## आम जन तक पहुंचाएं नए स्वरूप में लागू किए गए कानून की जानकारियां : यादव

**भोपाल, 30 जून (एजेंसियां)।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल से देश में गुलामी की निशानियों को समाप्त करने के लिए विभिन्न कार्य हो रहे हैं। इस क्रम में एक जुलाई से देश में अनेक कानून नये स्वरूप में लागू होंगे।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार डॉ. यादव आज वीडियो कान्फ्रेंसिंग से प्रदेश के सभी कलेक्टर्स, कमिश्नर्स, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दंड के स्थान पर न्याय का महत्व बढ़ें एवं भारतीय नागरिकों को संविधान में प्रदत्त अधिकारों की रक्षा हो सके, इस चिंतन से तीन विधेयक निरस्त कर नए दंडनीय विधेयक लाए गए हैं। आम जन तक इनकी जानकारी पहुँचाने के सभी प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों के समय से चले आ रहे ऐसे विधेयक एवं अधिनियम में भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया संहिता (1898), 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 शामिल हैं। भारतीय दंड संहिता 1860 को भारतीय न्याय संहिता विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। दंड प्रक्रिया संहिता 1898 को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा। इसी तरह भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 को भारतीय साक्ष्य विधेयक 2023 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।

डॉ. यादव ने कहा कि आमजन को विभिन्न सेमीनार और वेबीनार के माध्यम से भी इन कानूनों की जानकारी प्रदान की जाए। अभियान संचालित कर नये कानूनों की जानकारियों को प्रचारित किया जाए। वीडियो कांफ्रेंस में पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना ने बताया कि प्रदेश के सभी 982 थानों में नए कानूनों की जानकारी देने के लिए विशेष कार्यक्रम भी एक जुलाई को हो रहे हैं। पुलिस कर्मियों को इनका विस्तृत विवरण प्रदान किया गया है।

# श्री जगन्नाथ मंदिर का खजाना जल्द खोला जाएगा : माझी

**भुवनेश्वर, 30 जून (एजेंसियां)।** ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को कहा कि श्री जगन्नाथ पुरी मंदिर का रत्न भंडार (खजाना) जल्द ही खोला जाएगा और जवाबदेही तथा चोरी की जांच के लिए आभूषणों की सूची बनाई जाएगी।

श्री माझी ने नवनिर्वाचित विधायकों, सांसदों और केंद्रीय मंत्रियों को सम्मानित करने के लिए यहां आयोजित एक समारोह में बोलते हुए कहा कि सूची तैयार करने की प्रक्रिया के दौरान अगर कोई चूक पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में 78 नवनिर्वाचित विधायक, 20 लोकसभा सांसद, जिनमें केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जुएल ओराम, अश्विनी वैष्णव, ओडिशा के सभी मंत्री, उपमुख्यमंत्री केवी सिंह देव और प्रवती परिदा शामिल थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपने घोषणापत्र में किए गए सभी

वादों को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का एक प्रमुख वादा सुभद्रा योजना 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उस दिन योजना का शुभारंभ करने के लिए ओडिशा में होंगे। इस योजना के तहत प्रत्येक महिला को 50,000 रुपये का नकद वाउचर दिया जाएगा, जिसे दो साल में भुनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में इस योजना को मंजूरी दी थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही 3100 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की दर से धान खरीदने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार विभिन्न विभागों से संबंधित जन शिकायतों पर सुनवाई करने की प्रथा को फिर से शुरू करेगी। ऐसा सत्र एक जुलाई से प्रत्येक सोमवार को आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर बोलते हुए रेल मंत्री अश्विन वैष्णव ने अगले पांच वर्षों में ओडिशा को एक लाख करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं प्रदान करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि 10 साल पहले राज्य को रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रति वर्ष केवल 800 करोड़ रुपये मिल रहे थे। लेकिन प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस राशि को कई गुना बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से राज्य को रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रति वर्ष 10,000 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2024-25 के लिए रिकॉर्ड 10,536 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान रिकॉर्ड 1826 किलोमीटर नई रेलवे लाइनें बिछाई गई हैं जो श्रीलंका में रेलवे लाइनों की लंबाई से भी अधिक है। श्री वैष्णव ने कहा कि ओडिशा में एक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्लस्टर स्थापित किया जाएगा और राज्य के युवाओं को सेमी-कंडक्टर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

### औरंगाबाद का नाम बदलने के आदेश को चुनौती देंगे उस्मानी

**छत्रपति संभाजीनगर, 30 जून (एजेंसियां)।** महाराष्ट्र में ऐतिहासिक औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर करने से संबंधित बॉम्बे उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए मुख्य याचिकाकर्ता मोहम्मद हिशाम उस्मानी ने रविवार को कहा कि वह इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करेंगे। श्री उस्मानी ने यह घोषणा शहर के विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों द्वारा इस संबंध अपना समर्थन दिए जाने के बाद की। गौरतलब है कि याचिकाकर्ता उस्मानी ने औरंगाबाद जिले, शहर, तालुका और गांव का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर करने के महाराष्ट्र सरकार के कदम के खिलाफ बॉम्बे उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। उच्च न्यायालय द्वारा उनकी याचिका खारिज किए जाने के बाद उन्होंने उच्चतम न्यायालय में जाने का फैसला किया।

# असम में दुष्कर्म के आरोपियों के घरों पर चला बुलडोजर

### सरकारी जमीन पर भी किया था अतिक्रमण

**दिसपुर, 30 जून (एजेंसियां)।** असम सरकार द्वारा बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। गोलपारा जिले में पांच लोगों के घरों को ढहाया गया है। इनमें तीन लोगों पर दुष्कर्म और हत्या का आरोप है। अधिकारियों का कहना है कि सभी ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से अतिक्रमण किया हुआ था। जिला प्रशासन के एक अधिकारी का कहना है कि आरोपियों ने तांगाबाड़ी गांव में सरकारी जमीन पर अपने घर बनाए थे। इस मामले में सभी को पहले भी नोटिस जारी किया गया था। अधिकारी ने आगे बताया कि नोटिस का पालन न करने पर सरकार द्वारा अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जिन पांच लोगों के घरों को ढहाया गया, उनमें से तीन लोगों पर दो नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म का आरोप है। इसी मामले में तीनों

पर मई में एक युवक की हत्या का भी आरोप है। अधिकारी ने दावा किया कि दुष्कर्म और हत्या के मामलों की वजह से उनके घरों को क्षतिग्रस्त नहीं किया गया। आपराधिक मामले की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि घरों को क्षतिग्रस्त करने की कार्रवाई इसलिए की गई क्योंकि उन्होंने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण किया हुआ था।

हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि अतिक्रमणकारियों को शनिवार को नोटिस थमाया गया था जबकि, अधिकारी दावा कर रहे हैं नोटिस 15 दिन पहले दिया गया था। कंक्रीट और टीन की छतों वाले घरों को ढहाने के लिए बुलडोजर तैनात किए गए। इस दौरान मौके पर भारी पुलिस बल भी मौजूद रहा।

बता दें कि इस वर्ष तीन मई को तीन लोगों ने दो नाबालिग बच्चियों से दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया था।

इसके बाद लड़कियों के गांव वालों आरोपियों के गांव वालों के बीच खूनी संघर्ष हुआ था। इस दौरान एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था और 17 मई को उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद राज्य के पर्यटन मंत्री जयंता मल्ला ने पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात की थी और कहा था कि ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# भारत मजबूत होगा तो सनातन धर्म भी मजबूत होगा : योगी

## राजस्थान के खैरथल में संत समागम में शामिल हुए योगी

**खैरथल, 30 जून (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को यहां कोटकासिम के लाडपुर में आयोजित संत समागम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रसिद्ध बाबा सोमनाथ मंदिर में आयोजित तृतीय आठमान के विशाल भंडारा में भी हिस्सा लिया। देशभर से यहां आए संतजनों का अभिवादन करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नाथ संप्रदाय भारत के सनातन धर्म का महत्वपूर्ण पंथ है। हमारे सभी कार्यक्रम सनातन धर्म के आराध्य देवों, ऋषि-मुनियों, सिद्धों और संतों के प्रति समर्पित होते हैं। हमारा सनातन धर्म ही भारत की आत्मा है। सनातन धर्म और भारत एक दूसरे के पूरक हैं। भारत मजबूत होगा तो सनातन धर्म भी मजबूत होगा।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मैं नाथ पंथ में दीक्षित महाराज भर्तृहरि की पावन साधना स्थली इस लाडपुर गांव में प्रतिष्ठित संत बाबा सोमनाथ जी की 24वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित भंडारा कार्यक्रम में शामिल हो रहा हूं। उन्होंने कहा कि हमारे पूज्य संतों की साधना, समर्पण और लोककल्याण के कार्यक्रम सनातन धर्म और भारत को मजबूती देने के लिए होते हैं।

सिद्धसंत योगी खेतानाथ महाराज और उनके शिष्य पूज्यसंत महंत सोमनाथ ने अपना पूरा जीवन लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए समर्पित किया था। उनकी साधना सनातन धर्म और अनुयायियों के लिए थी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजस्थान भक्ति और शक्ति की भूमि है। अरावली की पहाड़ियों में अनेकानेक संतों ने लोक कल्याण के लिए साधना की।

योगी आदित्यनाथ ने सम्मेलन में उपस्थित तिजारा के सभी भक्तजनों का इस बात के लिए भी अभिनंदन किया कि उन सभी ने विधानसभा चुनाव में यहां से महंत बालकनाथ को जीत दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने बाबा अभयनाथ और बाबा करतारपुरी की प्रतिमाओं का भी अनावरण किया। संत समागम में राजस्थान के पर्यावरण एवं वन मंत्री संजय शर्मा, तिजारा के विधायक बाबा बालकनाथ सहित षड्दर्शन संप्रदाय से जुड़े संतजन और भक्तजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

# अब्दुल हमीद के परमवीर चक्र पर घर में हो रहा विवाद

**गाजीपुर, 30 जून (एजेंसियां)।** शहीद अब्दुल हमीद की जयंती समारोह से पहले ही परमवीर चक्र के लिए विवाद हो गया है। शहीद के पोते का दावा है कि दादी ने वसीयतनामे में परमवीर चक्र उसे दिया है। वहीं, बेटे का कहना है कि मां रसूलन बीवी के सपनों को पूरा करने के लिए सर्वोच्च सम्मान मांग रहे हैं। शहीद पिता का सम्मान बढ़ाने का काम करने में लगे हैं।

वीर अब्दुल हमीद की जयंती एक जुलाई को मनाई जाएगी। इससे पहले ही परमवीर चक्र के रखरखाव और उसपर हक का विवाद गहरा गया। धामूपुर में जन्मे वीर अब्दुल हमीद ने 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में अदम्य साहस का परिचय दिया था। उन्होंने पाकिस्तान के पैटर्न टैंक को ध्वस्त करके युद्ध का पासा पलट दिया था। पाकिस्तान को अपने पैटर्न टैंक पर इतना घमंड था कि वह दिल्ली तक पहुंचने का दावा कर रहा था, लेकिन वीर सपूत वीर अब्दुल हमीद ने आईसीएल गन से 12 से ज्यादा पैटन टैंक को नष्ट कर दिया।

इस युद्ध के हीरो रहे अब्दुल हमीद को परमवीर चक्र से नवाजा गया था। हालांकि इसी युद्ध क्षेत्र में वे 10 सितंबर, 1965 को शहीद हो गए थे। मरणोपरांत उनकी पत्नी रसूलन बीवी को तत्कालीन राष्ट्रपति ने सर्वोच्च सैन्य सम्मान परमवीर चक्र से नवाजा था। इधर, अमर शहीद के बड़े बेटे जैनुल हसन आर्मी से सेवानिवृत्त होकर आए तो उनकी जयंती समारोह मनाने लगे। अब एक पुस्तक का लोकार्पण भी करा रहे हैं। किताब का नाम पापा परमवीर है। इसका लोकार्पण करने ही एक जुलाई को आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत आ रहे हैं। मां रसूलन बीवी की अंतिम इच्छा थी कि उनके निधन के बाद पिता को मिला सर्वोच्च सम्मान परमवीर चक्र सेना के म्यूजियम में रखा जाए। मैं, उनकी अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए भतीजे जमील आलम से सम्मान मांग रहा हूं। पहले आनाकानी की। अब सम्मान देने से इन्कार कर रहे हैं। मुझे डर है कि वे इस सम्मान का दुरुपयोग करेंगे। मां की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए ही यह सम्मान म्यूजियम में स्वयं रखवा दें, ताकि लोगों को पिता के शौर्य गाथा की जानकारी मिले और वे उससे प्रेरणा ले सकें। -जैनुल हसन, परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद के बड़े बेटे

अब्दुल हमीद के पोते जमील आलम ने कहा, वर्ष 2019 में दादी रसूलन बीवी का निधन हो गया था। इससे पहले दादी को जहां जाना होता था, मैं ही ले जाता था। बड़े पिता जी और अन्य लोगों की उनकी चिंता नहीं थी। निधन से पहले ही दादी ने मुझे और मेरे भाई को उत्तराधिकारी बनाया था। साथ ही वसीयतनामा में वावा को मिले सम्मान को लिखा-पढ़ी में मुझे सुपुर्द कर दिया। बड़े पिताजी ने मुख्यमंत्री पोर्टल तक पर शिकायत की थी। इस पर लिखित जवाब भी दिया था।

# 2033 तक अयोध्या को विश्व का सर्वोत्तम शहर बनाएगी योगी सरकार

## भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद की रिपोर्ट

**लखनऊ, 30 जून (एजेंसियां)।** योगी सरकार वर्ष 2033 तक अयोध्या को विश्व का सर्वोत्तम शहर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके लिए वहां संचालित विभिन्न परियोजनाओं में 85 हजार करोड़ रुपए के निवेश की उम्मीद है। यह बात उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा कराई गई एक स्टडी में सामने आई है। यह स्टडी भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआई), अहमदाबाद गुजरात ने की है।

ईडीआई ने अपनी स्टडी में बताया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या का विकास इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन और सौंदर्यीकरण से जुड़े हुए मुख्यतः 27 बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इनमें से बहुत सारे प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं। वहीं कुछ पर अभी काम संचालित है, जिनके जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है।

रोड और पार्किंग, रेल लाइन का दोहरीकरण, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, एयरपोर्ट, गुप्तारघाट, मंदिर संग्रहालय, वैक्स संग्रहालय, सांध्य सरोवर, अयोध्या बाजार, 37 धार्मिक स्थलों का पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण, 25 पौराणिक एवं 39 चौराहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, साउंड लाइट शो के साथ वाटर स्पोर्ट्स और सरयू में क्रूज का संचालन, सरयू के घाटों पर 500 प्रीफैब शौचालय की स्थापना, परिक्रमा मार्गों का विकास, विभिन्न मंदिरों का सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास, 140 भाषाओं में मौसम का पूर्वानुमान, सोलर बोट्स का संचालन, 28 भाषाओं में पथ प्रदर्शक बोर्ड, हेलीकॉप्टर की सुविधा, ई-कार्ट सुविधा, दिव्यांगों एवं वृद्धजनों के लिए व्हीलचेयर, रेल ओवरब्रिज, लक्ष्मण पथ का निर्माण, सॉलिड वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना, कैफेटेरिया एवं ओपन थियेटर की सुविधाएं, सफाई मित्रों की तैनाती और स्ट्रीट लाईट जैसे अन्य प्रोजेक्ट शामिल हैं।

ईडीआइआई स्टडी में इस बार की पुष्टि की गई है कि नव्य अयोध्या के विकास के लिए बनी परियोजनाएं विश्वस्तरीय हैं। इसके लिए अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट और इंटरनेशनल बस स्टेशन का विकास किया जा रहा है। इसमें पहले फेज का कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन को देशभर के प्रमुख शहरों के साथ निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक मानकों को ध्यान में रखकर उसका पुनर्विकास किया गया है।

ईडीआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि अयोध्या में दुनिया की सबसे लंबी सौर स्ट्रीट लाइट परियोजना संचालित है, जिसमें गुप्तारघाट से लक्ष्मण घाट तक 10 कि.मी. के क्षेत्र में 400 से अधिक स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की विकासात्मक पहल से अयोध्या एक विकसित धार्मिक स्थल के रूप में पहचान बनाने के साथ-साथ प्रगतिशील शहरों के मानचित्र पर भी स्थापित हो जायेगी। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि अयोध्या में स्थान आधारित पर्यटन केंद्र बनाने पर दिया जा रहा ध्यान विभिन्न प्रकार के आगंतुकों, पर्यटकों, वास्तुकारों को आकर्षित करेगा, जो आने वाले वर्षों में शहर प्रबंधन और नगर नियोजन पर अध्ययन करेंगे।

# शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह धर्मनिरपेक्ष शासक थे

## महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर पंजाबी अकादमी में हुई संगोष्ठी

**लखनऊ 30 जून (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी की ओर से शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह जी की पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार 30 जून को आलमबाग चंदर नगर गेट के पास स्थित गुरु तेग बहादुर भवन के लाइब्रेरी हॉल में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें वक्ताओं ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह धर्मनिरपेक्ष शासक थे। इस अवसर पर अकादमी के निदेशक के प्रतिनिधि के रूप में कार्यक्रम संयोजक अरविन्द नारायण मिश्र ने संगोष्ठी में उपस्थित विद्वानों को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित भी किया।

संगोष्ठी में आमंत्रित विद्वान देवेन्द्र पाल सिंह बग्गा ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह ने अपने पिता के साथ पहली लड़ाई तब लड़ी थी जब उनकी आयु केवल दस साल की थी। वह एक धर्मनिरपेक्ष शासक थे। उनकी सेना में हिंदू, मुस्लिम और यूरोपीय

योद्धा और जनरल शामिल थे। उनकी सेना में जहां हरि सिंह नलवा, प्राण सुख यादव, गुरमुख सिंह लांबा, दीवान मोखम चंद और वीर सिंह ढिल्लो जैसे भारतीय जनरल थे वहीं फ्रांस के जीन फ्रैंकोइस अलार्ड और क्लाउड ऑगस्ट कोर्ट, इटली के जीन बाप्तिस्ते वेंचुरा और पाओलो डी एविटेबाइल, अमेरिका के जोसिया हरलान और स्कॉट-आयरिश मूल के अलेक्जेंडर गार्डनर जैसे सैन्य अफसर भी शामिल थे।

इस क्रम में नरेन्द्र सिंह मोंगा ने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह ने मात्र 18 साल की उम्र में शुकरचकिया मिसल की सरदारी प्राप्त करते हुए अपनी अद्भुत संगठनात्मक शक्ति का परिचय देना शुरू कर दिया था। दो साल में ही बारह सिख मिसलों में विभक्त सिखों को एक सूत्र में पिरो कर, पंजाब के पूर्व अफगान शासक शाह जमान की झेलम नदी में फंस गई तोपें काबुल भिजवा कर और बहुसंख्यक मुस्लिम प्रजा से द्वेषपूर्ण व्यवहार न करके मुस्लिम प्रजा की सद्भावना प्राप्त कर ली थी। 20 साल की आयु में लाहौर की राजगद्दी पर 12 अप्रैल 1801 को गुरु नानक के वंशज बाबा साहेब सिंह बेदी से राज तिलक लगवा कर पंजाब के एकमात्र शासक बन गए थे।

त्रिलोक सिंह बहल के अनुसार सिख धर्म में भगवान के सामने हर किसी को बराबर माना जाता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए जब महाराजा रणजीत सिंह गद्दी पर बैठे तो कभी भी ताज नहीं पहना।

एक बार एक अफगान शासक शाह शुजा की पत्नी ने महाराजा से वादा किया कि अगर महाराजा, शाह शुजा को लाहौर सुरक्षित ले आएंगे तो वह उनको कोहिनूर हीरा देगी। इस पार महाराजा ने शाह शुजा को सुरक्षित लाने का वादा पूरा किया। जिसके बाद 01 जून, 1813 को महाराजा को कोहिनूर हीरा भेंट किया गया, जो उनके खजाने की शान बना।

अजीत सिंह ने कहा कि जब भी देश के इतिहास में महान राजाओं के बारे में बात होगी तो शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह का नाम इसमें जरूर आएगा। पंजाब पर शासन करने वाले महाराजा रणजीत सिंह ने 10 साल की उम्र में पहला युद्ध लड़ा था और 12 साल की उम्र में गद्दी संभाल ली थी वहीं 18 साल की उम्र में लाहौर को जीत लिया था। यही नहीं 40 वर्षों तक के अपने शासन में उन्होंने अंग्रेजों को अपने साम्राज्य के आसपास भी नहीं फटकने दिया। दशकों तक शासन के बाद रणजीत सिंह का दिनांक 27 जून 1839 को निधन हो गया, लेकिन उनकी वीर गाथाएं आज भी लोगों को प्रेरित करती हैं।

संगोष्ठी कार्यक्रम में मुख्य रूप से हरपाल सिंह गुलाटी, कमलजीत सिंह टोनी, रविन्दर कौर गांधी, चरनजीत सिंह, मनमोहन सिंह मोणी, शरनजीत सिंह, राजू सदाना, विनय मनचंदा, कुलवंत कौर, शरणजीत कौर, रणदीप कौर, मनमीत सहित अन्य विद्वतगण उपस्थित थे।

## यूपी में पुरानी पेंशन व्यवस्था

# 31 अक्टूबर तक पेंशन विकल्प चुन सकते हैं कर्मचारी

**लखनऊ, 30 जून (एजेंसियां)।** प्रदेश सरकार ने राज्य कर्मचारियों को पुरानी पेंशन चुनने का विकल्प 31 अक्टूबर 2024 तक दिया है। मंगलवार को कैबिनेट ने 28 मार्च 2005 से पहले प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर सरकारी नौकरी पाने वालों को पुरानी पेंशन स्कीम का विकल्प चुनने के अवसर के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया था। इससे करीब 50 हजार कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

यूपी सरकार ने 28 मार्च 2005 को यह प्रावधान किया था कि एक अप्रैल 2005 या उसके बाद कार्यभार ग्रहण करने वाले कर्मचारी राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के दायरे में होंगे। यह प्रावधान राज्य सरकार के कार्मिक, शासन के नियंत्रण वाली स्वायत्तशासी संस्थाओं और

शासन से सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के कर्मियों व शिक्षकों पर लागू किया गया।

तमाम ऐसे शिक्षक और कार्मिक हैं, जिनकी नियुक्ति एक अप्रैल 2005 को या उसके बाद हुई लेकिन उस नौकरी का विज्ञापन 28 मार्च 2005 से पहले निकला था। ये कर्मी लंबे समय से पुरानी पेंशन स्कीम (ओपीएस) का लाभ देने की मांग कर रहे थे। केंद्र सरकार इस तरह के कर्मियों को पहले ही यह सुविधा दे चुकी है। कैबिनेट से अनुमोदित प्रस्ताव के अनुसार ऐसे कार्मिक जिनकी नियुक्ति एक अप्रैल 2005 को या उसके बाद हुई है लेकिन नियुक्ति के लिए पद का विज्ञापन एनपीएस लागू किए जाने संबंधी अधिसूचना जारी होने की तिथि 28 मार्च 2005 से पूर्व प्रकाशित हो चुका था, उन्हें पुरानी पेंशन योजना का एक बार विकल्प उपलब्ध कराए जाने का निर्णय लिया गया है। शनिवार को अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने शासनादेश जारी कर दिया।

शासनादेश के मुताबिक यदि कर्मचारी उत्तर प्रदेश रिटायरमेंट बेनीफिट्स रूल्स 1961 के अधीन कवर किए जाने की शर्तों को पूरा करता है तो प्रशासकीय विभाग के अनुमोदन के बाद इस संबंध में एक आदेश नियुक्ति अधिकारी जारी करेंगे। आदेश जारी होने के अगले महीने के वेतन से अभिदाता अंशदान और नियोक्ता अंशदान की कटौती बंद हो जाएगी। जो कर्मचारी ओपीएस का विकल्प चुनेंगे, उनके राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) खाते 30 जून 2025 से बंद कर दिए जाएंगे। इन खातों में जमा कर्मचारियों का अंशदान उनके सामान्य भविष्य निधि खाते में जमा किया जाएगा। इन खातों में जमा सरकारी अंशदान राजकोष में जमा किया जाएगा। 31 अक्टूबर तक विकल्प का प्रयोग न करने वाले कर्मचारी एनपीएस के दायरे में आ जाएंगे।

अटेवा के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने संसद सत्र में पुरानी पेंशन बहाली के मुद्दे को उठाए जाने के लिए शुक्रवार को संसद भवन परिसर में सत्ता पक्ष व विपक्ष के नेताओं से मुलाकात की। विजय बंधु ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, चिराग पासवान, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, सांसद जगदंबिका पाल, कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सांसद प्रमोद तिवारी, उज्ज्वल रमण सिंह, राकेश राठौर, आप सांसद संजय सिंह आदि से मुलाकात की। इसके माध्यम से उन्होंने पुरानी पेंशन बहाल करने व निजीकरण समाप्त करने का मुद्दा संसद में उठाने की मांग की।

# आज से होगा वन महोत्सव का आयोजन

## प्रतियोगिताओं के जरिए युवाओं को पौधरोपण के प्रति किया जाएगा जागरूक

**लखनऊ, 30 जून (एजेंसियां)।** योगी सरकार पहली जुलाई से वन महोत्सव का आयोजन कराएगी। यह महोत्सव सात जुलाई तक चलेगा। इस दौरान एक तरफ विरासत वृक्षों के संरक्षण पर सरकार का जोर रहेगा तो वहीं दूसरी तरफ पौधरोपण से संबंधित जन जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। प्रभातफेरी, नुक्कड़ नाटक समेत अनेक प्रतियोगिताओं के माध्यम से स्कूली बच्चों को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाएगा। बीते दिनों पड़ी बेतहाशा गर्मी को देखते हुए योगी सरकार का पर्यावरण संरक्षण, वर्षा जल संचयन पर भी पुनः विशेष जोर है। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से अपील की कि एक या दो फलदार पौधे अवश्य लगाकर उनका संरक्षण करें।

प्रदेश में जुलाई के प्रथम सप्ताह में होने वाले वन महोत्सव के अंतर्गत जन जागरूकता के कार्यक्रम होंगे। इसके तहत प्रभातफेरी, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, निबंध, वाद-विवाद प्रतियोगिता व संगोष्ठी आदि का भी आयोजन स्कूली स्तर पर होंगे। साथ ही अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण, वृक्षावरण व पौधरोपण के महत्व, वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण, स्वच्छता-प्लास्टिक के उपयोग को खत्म करने आदि पर जोर रहेगा।

वन महोत्सव के दौरान विरासत वृक्ष वाटिका के लिए प्रचार-प्रसार पर भी विभाग का जोर रहेगा। इसके साथ ही वेटलैंड्स के कैचमेंट में पौधरोपण, नदियों के संरक्षण व पुनरुद्धार के लिये नदी किनारे पौधरोपण, शहरी क्षेत्रों में भी पौधरोपण किया जाएगा। पहली से सात जुलाई तक प्रत्येक जनपदों में भी जनजागरूकता समेत वृहद स्तर पर अनेक कार्यक्रम होंगे। साथ ही केंद्र सरकार के निर्देशानुसार एक पेड़ मां के नाम भी लगाए जाएंगे।

वन महोत्सव के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपील की है कि इस वर्षाकाल में अपने घर-आंगन में कम से कम एक या दो फलदार पौधों का रोपण अवश्य करें। साथ ही प्रदेश में अधिक से अधिक पौध रोपित कर इनका सिंचन व सतत देखभाल भी करें। वन महोत्सव के अलावा योगी सरकार यूपी को हरा-भरा रखने के लिए इस वर्ष भी 35 करोड़ पौधरोपण करेगी। इसके लिए विभागों और मंडलों के लक्ष्य पहले ही निर्धारित किए जा चुके हैं। वन-पर्यावरण विभाग 14 करोड़ तो ग्राम्य विकास विभाग सूबे में लगाएगा 12.59 करोड़ पौधे लगाएगा।

संपादकीय

# राष्ट्रपति का आर्थिक फोकस

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। उसे सरकार लिखती है और राष्ट्रपति उसे पढ़ते हैं, क्योंकि सरकार राष्ट्रपति के नाम से ही संचालित की जाती है। यह गणतंत्र की एक खूबसूरत परंपरा है कि राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करते हैं। अभिभाषण के मायने स्पष्ट हैं कि केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का यह सारांश खुलासा होता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उसी गरिमामय परंपरा को निभाया है। उन्होंने मोदी सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश अक्सर सुनता रहा है, लेकिन विपक्ष पूरी तरह सहमत नहीं है। वह उन्हें लीपापोती मानता है अथवा झूठे आंकड़े करार देता है। मसलन- गरीबी से बाहर निकालने वाले लोगों का डाटा सवालिया है। देश की जनता उन परियोजनाओं से इसलिए भी वाकिफ है, क्योंकि वह ही लाभार्थी है, लेकिन इस बार राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस आर्थिक समृद्धि और सुधारों की निरंतरता पर अधिक रहा है। देश की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी के करीब है और भारत का औसत विकास विश्व में सर्वाधिक और सबसे ज्यादा गतिमान है। भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था होगा, सरकार का यह संकल्प है। यानी जापान और जर्मनी भी भारत से पीछे होंगे। राष्ट्रपति का उल्लेख कोई नया नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अक्सर ऐसे दावे करता रहा है। आम चुनाव के दौरान ऐसे डाटा की भरमार रही, लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के जरिए यह खुलासा कराया है, लिहाजा उसे विश्वसनीय मानना चाहिए।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उसी गरिमामय परंपरा को निभाया है। उन्होंने मोदी सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश अक्सर सुनता रहा है, लेकिन विपक्ष पूरी तरह सहमत नहीं है। वह उन्हें लीपापोती मानता है अथवा झूठे आंकड़े करार देता है। मसलन- गरीबी से बाहर निकालने वाले लोगों का डाटा सवालिया है। देश की जनता उन परियोजनाओं से इसलिए भी वाकिफ है, क्योंकि वह ही लाभार्थी है, लेकिन इस बार राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस आर्थिक समृद्धि और सुधारों की निरंतरता पर अधिक रहा है। देश की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी के करीब है और भारत का औसत विकास विश्व में सर्वाधिक और सबसे ज्यादा गतिमान है। भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था होगा, सरकार का यह संकल्प है। यानी जापान और जर्मनी भी भारत से पीछे होंगे। राष्ट्रपति का उल्लेख कोई नया नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अक्सर ऐसे दावे करता रहा है। आम चुनाव के दौरान ऐसे डाटा की भरमार रही, लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के जरिए यह खुलासा कराया है, लिहाजा उसे विश्वसनीय मानना चाहिए।

तस्वीर सामने आती है। इस विकास में प्रतिस्पद्र्धा भी होनी चाहिए और सहकारिता का भाव भी रहना चाहिए, यही भारत का सच्चा संघीयवाद है। राष्ट्रपति ने कुछ ऐसे क्षेत्रों का उल्लेख किया, जो 'सूर्योदय' की तरह माने जाते हैं। मसलन- विद्युत वाहन, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाईड्रोजन, बैटरी आदि। इन क्षेत्रों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। ये भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रगति के प्रतीक हैं। राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन का भी जिक्र किया, जो बराबर की चुनौती है और सरकार उस संदर्भ में लगातार सक्रिय है। यह भी वैश्विक चुनौती है, जो किसी महामारी से कम नहीं है। राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस महिला सशक्तिकरण पर रहा और उन्होंने देश के संपूर्ण बुनियादी ढांचे की सराहना की। जो सडक़ें, पुल, राजमार्ग, एक्सप्रेस-वे आदि बनाए जा रहे हैं, रेल और हवाई यात्रा का विस्तार किया गया है, कमोबेश उन्हें मोदी सरकार का 'हालमार्क' माना जाता है। गौरतलब तथ्य यह भी है कि बेशक भारत विश्व की तीसरी महाशक्ति होगा, अमरीका और चीन के बाद भारत की अर्थव्यवस्था होगी, लेकिन विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे गरीब देश भी होगा। यह लड़ाई अभी बहुत लंबी है। भारत में आर्थिक असमानताएं काफी व्यापक हैं। दरअसल मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे। इसमें कृषि, विनिर्माण और सेवा-क्षेत्र शामिल हैं। सभी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर रोजगार और नौकरियां पैदा करे, ताकि करोड़ों बेरोजगारों को माकूल काम दिया जा सके। उससे भी आर्थिक विकास बढ़ता है।

कुछ अलग

# घोषित-अघोषित संपत्ति...

यह चुनाव आयोग भी ना अजब तमाशा करता है। आप चुनाव लड़ते हैं तो नॉमिनेशन करते हुए अपनी संपत्ति घोषित करनी पड़ती है। अब कौनसी संपत्ति घोषित की जाए, एक नंबर की संपत्ति या फिर दो नंबर की संपत्ति, इस बारे अधिकृत पत्र में कोई अलग-अलग कालम नहीं बने होते। इसलिए कंफ्यूजन खड़ी हो जाती है। बंदे ने एक नंबर में अलग से संपत्ति बनाई होती है और अलग से इनकम दर्शाई होती है। लेकिन दो नंबर की इनकम अलग से होती है। आजकल दो नंबर की इनकम वाले ही इलेक्शन लडने का साहस कर पाते हैं। एक नंबर की इनकम वालों को तो घर का बिजली बिल देते हुए भी पसीने छूटने लगते हैं। अब इलेक्शन लडना है तो पूरी संपत्ति बताना पड़ती है। इसलिए जो शातिर राजनीतिज्ञ होते हैं, वे कागजों में अपनी संपत्ति कम दर्शाते हैं, अपनी पत्नी की संपत्ति ज्यादा दर्शा देते हैं। लेकिन विरोधियों के लिए यह भी मसाला हो जाता है। विरोधी पूछते हैं कि पत्नी ने तो आज तक कोई चुनाव लड़ा नहीं। वह कभी कोई नेत्री रही नहीं। किसी लाभ के पद पर रही नहीं। उसे पूर्व विधायक या पूर्व सांसद होने की कोई पेंशन आती नहीं। वह तो घर का चौका-चूल्हा संभालती रही है। पति की दो नंबर की इनकम के दम पर बड़े होटलों में किटी पार्टी करती रही है और उस पार्टी का बिल ठेकेदार अदा करते रहे हैं, क्योंकि ठेकेदार की रकम विभाग के पास फंसी होती है। पति का फोन विभाग के अफसर को आता है। ठेकेदार को पेमेंट रिलीज हो जाती है। पत्नी की किटी पार्टी कामयाब हो जाती है। लेकिन इलेक्शन में विरोधी पूछते हैं कि पति के पास कम इनकम है और पत्नी की इनकम पति से ज्यादा है, यह करिश्मा कैसे हो गया...! पत्नी पर कुबेर जी कैसे मेहरबान हो गए...! सभी की पत्नियों पर क्यों नहीं हुए...! साधारण परिवार की पत्नियों को तो आज भी घर के बजट का ध्यान रखना होता है। बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखना होता है। वह अपनी इच्छाएं दबा लेती है, लेकिन बच्चों और परिवार के लिए पाई-पाई बचा कर रखती है, क्योंकि उसका खुद का कोई इनकम का सोर्स नहीं होता। पति जो उसकी हथेली पर रख देता है, उसी से वह घर चलाती है। अब पति कहता है कि वह आम आदमी के परिवार से है और उसने गरीबी देखी है। फिर पत्नी के पास अलादीन का चिराग कहां से हाथ लग गया...! यह सवाल खड़ा हो जाता है। पत्नी ने तो पति की अमीरी देखी है। चुनाव आयोग ने कागजों पर दर्ज की गई संपत्ति देखी है। पब्लिक ने सारी सच्चाई देखी है। इसलिए नया लफड़ा खड़ा हो जाता है। पब्लिक में चर्चा शुरू हो जाती है कि जो लोग पति को रिश्वत देना चाहते हैं, वे डायरेक्ट तौर पर पत्नी के खाते में पैसे ट्रांसफर कर देते हैं या महंगे गिफ्ट दे देते हैं। इसलिए पत्नी पति से ज्यादा अमीर हो जाती है। ऐसा हर दल में होता है। हर नेता ऐसा करता है। क्योंकि नेता की पत्नी इलेक्शन नहीं लड़ रही होती, इसलिए वह दो नंबर की संपत्ति पत्नी के खाते में डाल देता है। लेकिन असली समस्या तब खड़ी हो जाती है जब पत्नी भी इलेक्शन में खड़ी हो जाती है। फिर पत्नी को भी अपनी संपत्ति जाहिर करनी पड़ती है। पति और पत्नी दोनों को मिलकर अपनी इनकम दर्शानी होती है। इसमें पत्नी, पति पर भारी पड़ जाती है। कुछ भोले-भाले लोगों को लगता है कि पति बेचारा अपनी पत्नी से मांग-मांग कर अपनी जरूरतें पूरी करता होगा। पति सहानुभूति का पात्र बनने लगता है। पत्नी की अमीरी की चर्चा होने लगती है। लोग यह कहते सुने जाते हैं कि जो पहले से ही ठन ठन गोपाल है, उसके पास जाकर क्या लेना...! क्यों न सीधा नेताजी की पत्नी के पास जाया जाए। पत्नी के पास खजाने की चाबी है।

## चार महीने बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की मन की बात

# मां की स्मृति में उनके नाम का पेड़ लगाएं

**मेरे** प्यारे देशवासियो, नमस्कार। आज वो दिन आ ही गया जिसका हम सभी फरवरी से इंतजार कर रहे थे। मैं मन की बात के माध्यम से एक बार फिर आपके बीच, अपने परिव-ारजनों के बीच आया हूँ। एक बड़ी प्यारी सी उक्ति है - इति विदा पुनर्मिलनाय - इसका अर्थ भी उतना ही प्यारा है, मैं विदा लेता हूं, फिर मिलने के लिए। इसी भाव से मैंने फरवरी में आपसे कहा था कि चुनाव नतीजों के बाद फिर मिलूंगा, और आज, मन की बात के साथ, मैं, आपके बीच फिर हाजिर हूं। उम्मीद है आप सब अच्छे होंगे, घर में सबका स्वास्थ्य अच्छा होगा और अब तो मानसून भी आ गया है, और जब मानसून आता है, तो मन भी आनंदित हो जाता है। आज से फिर, एक बार, हम, मन की बात में ऐसे देशवासियों की चर्चा करेंगे जो अपने कामों से समाज में, देश में, बदलाव ला रहे हैं। हम चर्चा करेंगे, हमारी, समृद्ध संस्कृति की, गौरवशाली इतिहास की, और, विकसित भारत के प्रयास की।

साथियो, फरवरी से लेकर अब तक, जब भी, महीने का आखिरी रविवार आने को होता था, तब मुझे आपसे इस संवाद की बहुत कमी महसूस होती थी। लेकिन मुझे ये देखकर बहुत अच्छा भी लगा कि इन महीनों में आप लोगों ने मुझे लाखों संदेश भेजे। मन की बात रेडियो प्रोग्राम भले ही कुछ महीने बंद रहा हो, लेकिन, मन की बात का जो डळिीळीं है देश में, समाज में, हर दिन अच्छे काम, निस्वार्थ भावना से किए गए काम, समाज पर सकारात्मक असर डालने वाले काम निरंतर चलते रहे। चुनाव की खबरों के बीच निश्चित रूप से मन को छू जाने वाली ऐसी खबरों पर आपका ध्यान गया होगा।

साथियो, मैं आज देशवासियों को धन्यवाद भी करता हूं कि उन्होंने हमारे संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं पर अपना अटूट विश्वास दोहराया है। 24 का चुनाव, दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव था। दुनिया के किसी भी देश में इतना बड़ा चुनाव कभी नहीं हुआ, जिसमें, 65 करोड़ लोगों ने वोट डाले हैं। मैं चुनाव आयोग और मतदान की प्रक्रिया से जुड़े हर व्यक्ति को इसके लिए बधाई देता हूं।

मेरे प्यारे देशवासियो, आज 30 जून का ये दिन बहुत ही महत्वपूर्ण है। इस दिन को हमारे आदिवासी भाई-बहन हूल दिवस के रूप में मनाते हैं। यह दिन वीर सिद्धो-कान्हू के अदम्य साहस से जुड़ा है, जिन्होंने विदेशी शासकों के अत्याचार का पुरजोर विरोध किया था। वीर सिद्धो-कान्हू ने हजारों संथाली साथियों को एकजुट करके अंग्रेजों का जी-जान से मुकाबला किया, और जानते हैं ये कब हुआ था? यह हुआ था 1855 में, यानी ये 1857 में भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से भी दो साल पहले हुआ था, तब, झारखंड के संथाल परगना में हमारे आदिवासी भाई-बहनों ने विदेशी शासकों के खिलाफ हथियार उठा लिया था। हमारे संथाली भाई-बहनों पर अंग्रेजों ने बहुत सारे अत्याचार किए थे, उन पर कई तरह के प्रतिबंध भी लगा दिए थे। इस संघर्ष में अद्भुत वीरता दिखाते हुए वीर सिद्धो और कान्हू शहीद हो गए। झारखंड की भूमि के इन अमर सपूतों का बलिदान आज भी देशवासियों को प्रेरित करता है।

मेरे प्यारे साथियो, अगर मैं आपसे पूछूं कि दुनिया का सबसे अनमोल रिश्ता कौन सा होता है तो आप जरूर कहेंगे - मां -। हम सबके जीवन में मां का दर्जा सबसे ऊंचा होता है। मां, हर दुख सहकर भी अपने बच्चे का पालन-पोषण करती है। हर मां, अपने बच्चे पर हर स्नेह लुटाती है। जन्मदात्री मां का ये प्यार हम सब पर एक कर्ज की तरह होता है, जिसे कोई चुका नहीं सकता। मैं सोच रहा था, हम मां को कुछ दे तो सकते नहीं, लेकिन, और कुछ कर सकते हैं क्या? इसी सोच में से इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर एक विशेष अभियान शुरू किया गया है, इस अभियान का नाम है - एक पेड़ मां के नाम। मैंने भी एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाया है। मैंने सभी देशवासियों से, दुनिया के सभी देशों के लोगों से ये अपील की है कि अपनी मां के साथ मिलकर, या उनके नाम पर, एक पेड़ जरूर लगाएं। और मुझे ये देखकर बहुत खुशी है कि मां की स्मृति में या उनके सम्मान में पेड़ लगाने का अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। लोग अपनी मां के साथ या फिर उनकी फोटो के साथ पेड़ लगाने की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। हर कोई अपनी मां के लिए पेड़ लगा रहा है - चाहे वो अमीर हो या गरीब, चाहे वो कामकाजी महिला हो या गृहिणी। इस अभियान ने सबको मां के प्रति अपना स्नेह जताने का समान अवसर दिया है। वो अपनी तस्वीरों को साझा करके दूसरों को प्रेरित कर रहे हैं।

साथियो, इस अभियान का एक और लाभ होगा। धरती भी मां के समान हमारा ख्याल रखती है। धरती मां ही हम सबके जीवन का आधार है, इसलिए हमारा भी कर्तव्य है कि हम धरती मां का भी ख्याल रखें। मां के नाम पेड़ लगाने के अभियान से अपनी मां का सम्मान तो होगा ही होगा, धरती मां की भी रक्षा होगी। पिछले एक दशक में भारत में सबके प्रयास से वन क्षेत्र का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। अमृत महोत्सव के दौरान, देशभर में 60 हजार से ज्यादा अमृत सरोवर भी बनाए गए हैं। अब हमें ऐसे ही मां के नाम पर पेड़ लगाने के अभियान को गति देनी है।

मेरे प्यारे देशवासियो, देश के अलग-अलग हिस्सों में मानसून तेजी से अपना रंग बिखेर रहा है। और बारिश के इस मौसम में सबके घर में जिस चीज की खोज शुरू हो गई है, वो है छाता। मन की बात में आज मैं आपको एक खास तरह के छातों के बारे में बताना चाहता हूँ। ये छाते

तैयार होते हैं हमारे केरला में। वैसे तो केरला की संस्कृति में छातों का विशेष महत्व है। छाते, वहां कई परंपराओं और विधि-विधान का अहम हिस्सा होते हैं। लेकिन मैं जिस छाते की बात कर रहा हूँ, वो हैं कार्थुम्बी छाते और इन्हें तैयार किया जाता है केरला के अट्टापडी में। ये रंग-बिरंगे छाते बहुत शानदार होते हैं। और खासियत ये इन छातों को केरला की हमारी आदिवासी बहनें तैयार करती हैं। आज देशभर में इन छातों की मांग बढ़ रही हैं। इनकी ऑनलाइन बिक्री भी हो रही है।

इन छातों को वट्टालक्की सहकारी कृषि सोसाइटी की देखरेख में बनाया जाता है। इस सोसाइटी का नेतृत्व हमारी नारी शक्ति के पास है। महिलाओं के नेतृत्व में अट्टापडी के आदिवासी समुदाय ने उद्यमिता की अद्भुत मिसाल पेश की है। इस समुदाय ने एक बैंबू-हैंडीक्राफ्ट यूनिट की भी स्थापना की है। अब ये लोग एक रिटेल आउटलेट और एक पारंपरिक कैफे खोलने की तैयारी में भी हैं। इनका मकसद सिर्फ अपने छाते और अन्य उत्पाद बेचना ही नहीं, बल्कि ये अपनी परंपरा, अपनी संस्कृति से भी दुनिया को परिचित करा रहे हैं। आज कार्थुम्बी छाते केरला के एक छोटे से गांव से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों तक का सफर पूरा कर रहे हैं। लोकल के लिए वोकल होने का इससे बेहतरीन उदाहरण और क्या होगा ?

मेरे प्यारे देशवासियो, अगले महीने इस समय तक पेरिस ओलंपिक शुरू हो चुके होंगे। मुझे विश्वास है कि आप सब भी ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने का इंतजार कर रहे होंगे। मैं भारतीय दल को ओलंपिक खेलों के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। हम सबके मन में टोक्यो ओलंपिक की यादें अब भी ताजा हैं। टोक्यो में हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने हर भारतीय का दिल जीत लिया था। टोक्यो ओलंपिक के बाद से ही हमारे अथलीट पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जी-जान से जुटे हुए थे। सभी खिलाड़ियों को मिला दें, तो इन सबने करीब नौ सौ अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया है। ये काफी बड़ी संख्या है।

साथियो, पेरिस ओलंपिक में आपको कुछ चीजें पहली बार देखने को मिलेंगी। शूटिंग में हमारे खिलाड़ियों की प्रतिभा निखरकर सामने आ रही है। टेबल टेनिस में पुरुष और महिलाएं दोनों टीमें क्वालिफाई कर चुकी हैं। भारतीय शॉटगन टीम में हमारी शूटर बेटियां भी शामिल हैं। इस बार कुश्ती और घुड़सवारी में हमारे दल के खिलाड़ी उन कैटेगरी में भी कंपीट करेंगे, जिनमें पहले वे कभी शामिल नहीं रहे। इससे आप अनुमान लगा सकते हैं कि इस बार हमें खेलों में अलग स्तर का रोमांच नजर आएगा। आपको ध्यान होगा, कुछ महीने पहले वर्ल्ड पैरा अथलीट चैंपियनशिप में हमारा बेहतरीन प्रदर्शन रहा। वहीं शतरंज और बैडिंटन में भी हमारे खिलाड़ियों ने परचम लहराया है। अब पूरा देश ये उम्मीद कर रहा है कि हमारे खिलाड़ी ओलंपिक में भी बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। इन खेलों में मेडल भी जीतेंगे, और देशवासियों का दिल भी जीतेंगे। आने वाले दिनों में, मुझे भारतीय दल से मुलाकात का अवसर भी मिलने वाला है। मैं आपकी तरफ से उनका उत्साहवर्धन करूंगा। और हां, इस बार हमारा हैशटैग चीयर-भारत है। इसके जरिए हमें अपने खिलाड़ियों को उत्साहित करना है। उनका उत्साह बढ़ाते रहना है। तो इस धुन को बनाए रखिए, आपका ये धुन, भारत का जादू दुनिया को दिखाने में मदद करेगा।

मेरे प्यारे देशवासियो, मैं आप सभी को छोटा सा ऑडियो क्लिप सुना रहा हूं। इस रेडियो कार्यक्रम को सुनकर आप भी हैरत में पड़ गए होंगे! तो आइए, आपको इसके पीछे की पूरी बात बताते हैं।

दरअसल ये कुवैत रेडियो के एक प्रसारण की क्लिप है। अब आप सोचेंगे कि बात हो रही है कुवैत की, तो वहां, हिंदी कहां से आ गई? दरअसल, कुवैत सरकार ने अपने नेशनल रेडियो पर एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया है। और वह भी हिंदी में। कुवैत रेडियो पर हर रविवार को इसका प्रसारण आधे घंटे के लिए किया जाता है। इसमें भारतीय संस्कृति के अलग-अलग रंग शामिल होते हैं। हमारी फिल्में और कला जगत से जुड़ी चर्चाएं वहां भारतीय समुदाय के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। मुझे तो यहाँ तक बताया गया है कि कुवैत के स्थानीय लोग भी इसमें खूब दिलचस्पी ले रहे हैं। मैं कुवैत की सरकार और वहाँ के लोगों का हृदय से धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने ये शानदार पहल की है।

साथियो, आज दुनियाभर में हमारी संस्कृति का जिस तरह गौरवगान हो रहा है, उससे किस भारतीय को खुशी नहीं होगी! अब जैसे, तुर्कमेनिस्तान में इस साल मई में वहां के राष्ट्रीय कवि की 300वीं जन्म-जयंती मनाई गई। इस अवसर पर तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति ने दुनिया के 24 प्रसिद्ध कवियों की प्रतिमाओं का अनावरण किया। इनमें से एक प्रतिमा गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर जी की भी है। ये गुरुदेव का सम्मान है, भारत का सम्मान है।

इसी तरह जून के महीने में कैरेबियाई देश सूरीनाम, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस ने अपनी भारतीय विरासत को पूरे जोश और उत्साह के साथ प्रदर्शित किया। सूरीनाम में हिन्दुस्तानी समुदाय हर साल 5 जून को भारतीय आगमन दिवस और प्रवासी दिन के रूप में मनाता है। यहां तो हिंदी के साथ ही भोजपुरी भी खूब बोली जाती है। सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में रहने वाले हमारे भारतीय मूल के भाई-बहनों की संख्या भी करीब छह हजार है। उन सबको अपनी विरासत पर बहुत गर्व है। एक जून को इन सबने भारतीय आगमन दिवस को जिस धूमधाम से मनाया, उससे उनकी ये भावना साफ झलकती है। दुनियाभर में भारतीय विरासत और संस्कृति का जब ऐसा विस्तार दिखता है तो हर भारतीय को गर्व होता है।

साथियो, इस महीने पूरी दुनिया ने 10वें योग दिवस को भरपूर उत्साह और उमंग के साथ मनाया है। मैं भी जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आयोजित योग कार्यक्रम में शामिल हुआ था। कश्मीर में युवाओं के साथ-साथ बहनों-बेटियों ने भी योग दिवस में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। जैसे-जैसे योग दिवस का आयोजन आगे बढ़ रहा है, नए-नए रिकॉर्ड बन रहे हैं। दुनिया-भर में योग दिवस ने कई शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं। सऊदी अरब में पहली बार एक महिला अल हनौफ साद जी ने कॉमन योग प्रोटोकॉल का नेतृत्व किया। ये पहली बार है जब किसी सऊदी महिला ने योग के मुख्य सत्र को निर्देशित किया हो। इजिप्ट में इस बार योग दिवस पर एक फोटो प्रतियोगिता आयोजित की गई। नील नदी के किनारे रेड सी के किनारे और पिरामिडों के सामने - योग करते, लाखों लोगों की तस्वीरें बहुत लोकप्रिय हुईं। संगमरमर की बुद्ध प्रतिमा के लिए प्रसिद्ध म्यांमार का माराविजया पैगोडा कॉम्प्लेक्स दुनिया में मशहूर है। यहां भी 21 जून को शानदार योग सत्र का आयोजन हुआ। बहरीन में दिव्यांग बच्चों के लिए एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। श्रीलंका में युनेस्को हेरिटेज साइट के लिए मशहूर गॉल फोर्ट में भी एक यादगार योग सत्र का आयोजन हुआ। अमेरिका के न्यूयॉर्क में ऑब्जर्वेशन डेस्क पर भी लोगों ने योग किया। मार्शल आइलैंड पर भी पहली बार बड़े स्तर पर हुए योग दिवस के कार्यक्रम में यहां के राष्ट्रपति जी ने भी हिस्सा लिया। भूटान के थिंपू में भी एक बड़ा योग दिवस का कार्यक्रम हुआ, जिसमें मेरे मित्र प्रधानमंत्री टोबगे भी शामिल हुए। यानी दुनिया के कोने-कोने में योग करते लोगों के विहंगम दृश्य हम सबने देखे। मैं योग दिवस में हिस्सा लेने वाले सभी साथियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मेरा आपसे एक पुराना आग्रह भी रहा है। हमें योग को केवल एक दिन का अभ्यास नहीं बनाना है। आप नियमित रूप से योग करें। इससे आप अपने जीवन में सकारात्मक बदलावों को जरूर महसूस करेंगे।

साथियो, भारत के कितने ही उत्पाद हैं जिनकी दुनिया-भर में बहुत मांग है और जब हम भारत के किसी स्थानीय उत्पाद को वैश्विक होते देखते हैं, तो गर्व से भर जाना स्वाभाविक है। ऐसा ही एक उत्पाद है अराकू कॉफी। आंध्र प्रदेश के अल्लुरी सीता राम राजू जिले में बड़ी मात्रा में यह कॉफी पैदा होती है। ये अपने प्रगाढ़ स्वाद और सुगंध के लिए जानी जाती है। अराकू कॉफी की खेती से करीब डेढ़ लाख आदिवासी परिवार जुड़े हुए हैं। अराकू कॉफी को नई ऊंचाई देने में गिरिजन कोऑपरेटिव की बहुत बड़ी भूमिका रही है। इसने यहाँ के किसान भाई बहनों को एक साथ लाने का काम किया और उन्हें अराकू कॉफी की खेती के लिए प्रोत्साहन दिया। इससे इन किसानों की कमाई भी बहुत बढ़ गई है। इसका बहुत लाभ कोंडा डोरा आदिवासी समुदाय को भी मिला है। कमाई के साथ साथ उन्हें सम्मान का जीवन भी मिल रहा है। मुझे याद है एक बार विशाखापत्नम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू गारु के साथ मुझे इस कॉफी का स्वाद लेने का मौका मिला था। इसके स्वाद की तो पूछिए ही मत! कमाल की होती है ये कॉफी ! अराकू कॉफी को कई वैश्विक अवार्ड मिले हैं। दिल्ली में हुई जी-20 समिट में भी यह कॉफी छाई हुई थी। आपको जब भी अवसर मिले, आप भी अराकू कॉफी का आनंद जरूर लें।

साथियो, स्थानीय उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय बनाने में हमारे जम्मू- कश्मीर के लोग भी पीछे नहीं हैं। पिछले महीने जम्मू-कश्मीर ने जो कर दिखाया है, वह देशभर के लोगों के लिए भी एक मिसाल है। यहां के पुलवामा से स्नो मटर की पहली खेप लंदन भेजी गई। कुछ लोगों को यह सूझा कि कश्मीर में उगने वाली विभिन्न सब्जियों को क्यों न दुनिया के नक्शे पर लाया जाए। बस फिर क्या था, चकूरा गांव के अब्दुल राशीद मीर जी इसके लिए सबसे पहले आगे आए। उन्होंने गांव के अन्य किसानों की जमीन को एक साथ मिलाकर स्नो मटर उगाने का काम शुरू किया और देखते ही देखते स्नो मटर कश्मीर से लंदन तक पहुंचने लगा। इस सफलता ने जम्मू-कश्मीर के लोगों की समृद्धि के लिए नए द्वार खोले हैं। हमारे देश में ऐसे दुर्लभ उत्पादों की कमी नहीं है। आप ऐसे उत्पादों को जरूर हिरीश करें। मैं इस विषय पर आने वाले मन की बात में भी चर्चा करूंगा।

मम प्रिया: देशवासिन: अद्य अहं किञ्चित् चर्चा संस्कृत भाषायां आरभे। आप सोच रहे होंगे कि मन की बात में अचानक संस्कृत में क्यों बोल रहा हूं? इसकी वजह है, आज संस्कृत से जुड़ा एक खास अवसर है। आज 30 जून को आकाशवाणी का संस्कृत बुलेटिन अपने प्रसारण के 50 साल पूरे कर रहा है। 50 वर्षों से लगातार इस बुलेटिन ने कितने ही लोगों को संस्कृत से जोड़े रखा है। मैं आकाशवाणी परिवार को बधाई देता हूं।

साथियो, संस्कृत की प्राचीन भारतीय ज्ञान और विज्ञान की प्रगति में बड़ी भूमिका रही है। आज के समय की मांग है कि हम संस्कृत को सम्मान भी दें, और उसे अपने दैनिक जीवन से भी जोड़ें। आजकल ऐसा ही एक प्रयास बेंगलुरू में कई और लोग कर रहे हैं। बेंगलुरु में एक पार्क है- कब्बन पार्क! इस पार्क में यहां के लोगों ने एक नई परंपरा शुरू की है। यहां हफ्ते में एक दिन, हर रविवार बच्चे, युवा और बुजुर्ग आपस में संस्कृत में बात करते हैं। इतना ही नहीं, यहां वाद-विवाद के कई सत्र भी संस्कृत में ही आयोजित किए जाते हैं। इनकी इस पहल का नाम है - संस्कृत सप्ताहांत! इसकी शुरुआत एक वेबसाइट के जरिए समष्टि गुब्बी जी ने की है। कुछ दिनों पहले ही शुरू हुआ ये प्रयास बेंगलुरूवासियों के बीच देखते ही देखते काफी लोकप्रिय हो गया है। अगर हम सब इस तरह के प्रयास से जुड़ें तो हमें विश्व की इतनी प्राचीन और वैज्ञानिक भाषा से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।मेरे प्यारे देशवासियो, मन की बात के इस एपिसोड में आपसे जुड़ना बहुत अच्छा रहा। अब ये सिलसिला फिर पहले की तरह चलता रहेगा। अब से एक सप्ताह बाद पवित्र रथ यात्रा की शुरुआत होने जा रही है। मेरी कामना है कि महाप्रभु जगन्नाथ की कृपा सभी देशवासियों पर सदैव बनी रहे। अमरनाथ यात्रा भी शुरू हो चुकी है, और अगले कुछ दिनों में पंढरपुर वारी भी शुरू होने वाली है।

मैं इन यात्राओं में शामिल होने वाले सभी श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देता हूं। आगे कच्छी नववर्ष - आषाढी बीज का त्यौहार भी है। इन सभी पर्व-त्यौहारों के लिए भी आप सभी को ढेर सारी शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि सकारात्मकता से जुड़े जनभागीदारी के ऐसे प्रयासों को आप मेरे साथ अवश्य साझा करते रहें। मैं अगले महीने आपके साथ फिर से जुडने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। तब तक आप अपना भी अपने परिवार का ध्यान रखिए। बहुत-बहुत धन्यवाद। नमस्कार।

# ब्रिटिश पीएम सुनक का भारत से खास नाता, हिंदू धर्म में रखते है आस्था

**लंदन, 30 जून (एजेंसियां) ।**

साल 2022 में सुनक पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री बने। हालांकि, इन चुनावों में अब उनके सामने कड़ी चुनौती बनी हुई है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव के लिए मतदान होगा। सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार में जुटी हैं। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को कीर स्टर्मर की लेबर पार्टी से एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनावों के बीच पिछले चुनाव की याद आ जाती है, जब यूनाइटेड किंगडम में एक अलग ही इतिहास रचा गया था। साल 2022 में 25 अक्तूबर को सुनक पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री बने। वह पहले ऐसे भारतवंशी हैं, जो ब्रिटेन में इतने बड़े पद पर पहुंचे हैं। इससे भारत और ब्रिटेन के रिश्ते में और अधिक सुधार हुआ। हालांकि, इन चुनावों में अब पीएम सुनक के सामने कड़ी चुनौती बनी हुई है। आइए चुनावों से पहले ऋषि सुनक का भारत के साथ क्या संबंध हैं, उस पर एक नजर डालते हैं- ऋषि सुनक का जन्म 12 मई 1980 को ब्रिटेन के साउथम्पैटन में हुआ था। उनके पिता यशवीर सुनक डॉक्टर और मां उषा सुनक एक क्लीनिक चलाती थीं। उनके माता-पिता 1960 के दशक के दौरान पूर्वी अफ्रीका से ब्रिटेन चले गए थे। ऋषि के दादा-दादी का जन्म पंजाब प्रांत (ब्रिटिश इंडिया) में हुआ था। इस लिहाज से ऋषि की जड़ें भारत से जुड़ी हुई हैं। ऋषि तीन बहन-भाई में सबसे बड़े हैं। ऋषि के पिता केन्या और मां तंजानिया से हैं। ऋषि ने राजनीतिक विज्ञान की पढ़ाई ब्रिटेन के विंचेस्टर कॉलेज से की है। इसके बाद वह आगे की पढ़ाई के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी चले गए थे। ऋषि ने फिलोसॉफी, इकॉनोमिक्स और एमबीए की पढ़ाई की है। सुनक ने इंफोसिस प्रमुख नारायण मूर्ति और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति की बेटी अक्षता मूर्ति से शादी की। इन दोनों की मुलाकात स्टैनफोर्ड में एमबीए कोर्स के दौरान हुई थी। ऋषि और अक्षता की दो बेटियां कृष्णा और अनुष्का हैं। साल 2015 में वह पहली बार यूके की संसद में पहुंचे थे। उन्होंने रिचमंड (यॉर्क) से संसद सदस्य के रूप में काम किया। उन्हें यूके के सबसे अमीर सांसदों में से एक माना जाता है। वह ब्रेग्जिट का समर्थन करते थे, इस वजह से राजनीति में वह तेजी से आगे बढ़ने लगे। वह साल 2019 में बोरिस सरकार में ब्रिटेन के वित्त मंत्री भी रह चुके हैं।

ऋषि सुनक हिंदू धर्म को मानते हैं और कृष्ण भक्त हैं। सांसद बनने के दौरान उन्होंने ब्रिटिश संसद यानी ऑफ कामंस में भगवत गीता से ही शपथ ली थी। एक हिंदू होने के नाते, वह अक्सर अपनी विरासत के बारे में मुखर रहे हैं। वह अक्सर यह बताते नजर आते हैं कि कैसे उनके परिवार ने उन्हें अपने मूल्यों और संस्कृति के बारे में सिखाया है।

## न्यूज ब्रीफ

### फलस्तीनी इलाके में घुसा इजराइली नागरिक, गुस्साए लोगों ने कार में लगा दी आग, सामने आया खौफनाक वीडियो

**तेल अवीव ।** घटना का वीडियो भी सामने आया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में फलस्तीनियों की भीड़ को इजरायली वाहन का पीछा करते हुए और उस पर पत्थर फेंकते हुए देखा जा सकता है। इजराइल और हमास युद्ध के बाद से इजराइली और फलस्तीनियों के बीच एक दूसरे के प्रति नाराजगी किस कदर बढ़ गई है, इसकी बानगी हाल ही में देखने को मिली। दरअसल एक इजराइली नागरिक गलती से वेस्ट बैंक में यरुशलम और रामल्लाह के बीच स्थित फलस्तीनी शहर कलंदिया में घुस गया, उसे स्थानीय लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा और लोगों ने इजराइली नागरिक की कार में आग लगा दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में फलस्तीनियों की भीड़ को इजरायली वाहन का पीछा करते हुए और उस पर पत्थर फेंकते हुए देखा जा सकता है। इजराइली मीडिया की रिपोर्ट में बताया गया कि कार के चालक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन अंततः उसने कार से अपना नियंत्रण खो दिया और एक सैन्य चौकी के पास कंक्रीट के डिवाइडर से टकरा गया। कथित तौर पर उस व्यक्ति को चोटें आईं। कार चालक को बचा लिया गया है और फिलहाल उसका यरुशलम के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। वेस्ट बैंक में बढ़ रहीं हिंसक घटनाएं इजराइल-हमास युद्ध के बाद से फलस्तीन में इजराइल के खिलाफ गुस्सा बढ़ा है। फलस्तीनी अधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में इजराइली सेना और इजराइली नागरिकों के हमले में 553 फलस्तीनियों की मौत हुई है। वहीं फलस्तीनियों के हमले में 15 इजराइली नागरिकों समेत सैनिक भी मारे गए हैं। वेस्ट बैंक पर 1967 से इजराइल का कब्जा है। पिछले हफ्ते ही वेस्ट बैंक के जेनिन इलाके में एक हमले में एक इजराइली सैनिक की मौत की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। इजराइली सेना भी अक्सर जेनिन इलाके में छापेमारी करती रहती है।

### सर्बिया में इजराइली दूतावास पर हमला ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मी को बनाया निशाना, हमलावर ढेर

**बेलग्रेड ।** इजराइली दूतावास के सामने क्रॉसबो से पुलिस अधिकारी की गर्दन पर हमलावर ने गोली चलाई। जिसे सर्बिया पुलिस ने गोली मार दी, इससे उसकी मौत हो गई। सर्बिया के एक पुलिस अधिकारी ने एक व्यक्ति को मार गिराया। व्यक्ति ने बेलग्रेड में इजरायली दूतावास के सामने क्रॉसबो से उसकी गर्दन पर गोली चलाई थी। वहीं सर्बिया की प्रधानमंत्री ने इसे आतंकवादी हरकत बताया है। सर्बिया की राजधानी में सुबह लगभग 11 बजे एक हमलावार ने इजरायली दूतावास के बाहर ड्यूटी पर तैनात अधिकारी को गोली मार दी। इसके बाद पुलिसकर्मी ने भी हमलावर पर गोली चलाई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आंतरिक मंत्री इंविका डेसिक ने कहा कि पुलिसकर्मी ने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी। 34 वर्षीय अधिकारी हमले के समय अपने गार्ड बूथ में थे। उनकी अस्पताल में सर्जरी हुई। पुलिस पर हमला करने वाला व्यक्ति बेलग्रेड से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित म्लादेनोवैक शहर का है। उसने इस्लाम धर्म में खुद को परिवर्तित किया है। अधिकारियों के अनुसार हमलावर नोवी पजार में रहने के लिए चला गया था, जो सर्बिया में बोस्नियाक मुस्लिम अल्पसंख्यक का ऐतिहासिक और राजनीतिक केंद्र है। यह देश में इस्लाम का केंद्र है।

### सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में दुनिया पीछे छूटी, यूएन ने कहा - केवल 17 फीसदी ही काम पूरे होंगे

**न्यूयॉर्क ।** संयुक्त राष्ट्र संघ ने कहा सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दौड़ में दुनिया पीछे छूट गई है। 2030 तक 169 लक्ष्यों में से केवल 17 फीसदी ही पूरे होने की संभावना हैं। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने कहा कि दुनिया के सात अरब से ज्यादा लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए तय किए गए सतत विकास लक्ष्यों की दौड़ में दुनिया काफी पीछे छूट चुकी है। 169 लक्ष्यों में से अब 2030 तक दुनिया केवल 17 फीसदी लक्ष्य ही हासिल कर पाएगी। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने वार्षिक रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि करीब आधे लक्ष्यों को लेकर ही कुछ प्रगति दिखाई देती है और केवल 17 प्रतिशत लक्ष्य ही तय समय सीमा में हासिल होने की संभावना है। रिपोर्ट में कोरोना महामारी के प्रभावों का हवाला देते हुए कहा गया है कि 2019 की तुलना में 2022 में 2.3 करोड़ लोग गरीबी और 10 करोड़ से अधिक लोग भुखमरी की चपेट में आए।

# इजराइल-हिजबुल्लाह के बीच हमले बढ़े, अमेरिका ने दी चेतावनी, युद्धविराम पर हमास का बड़ा दावा

**वॉशिंगटन, 30 जून (एजेंसियां) ।**

दुनिया पहले ही दो युद्धों से जूझ रही है, अब एक और संघर्ष की आहट ने चिंता बढ़ा दी है। दरअसल इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। दोनों तरफ से हमले बढ़े हैं और ऐसी आशंका है कि दोनों पक्ष पूर्ण युद्ध का एलान कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो मध्य पूर्व में संघर्ष बढ़ने का खतरा पैदा हो जाएगा। इसे लेकर पूरी दुनिया में चिंता है। हालात को देखते हुए अमेरिका ने भी इजराइल के समर्थन में अपना युद्धपोत भूमध्य सागर भेज दिया है।

### हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच हमले बढ़े

गौरतलब है कि ईरान समर्थित हिजबुल्लाह, इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से ही इजराइल पर लगातार हमले कर रहा है। इजराइल ने भी इन हमलों का जवाब दिया है। हालांकि बीते कुछ दिनों से दोनों तरफ से हमले बढ़े हैं। दरअसल इजराइल के हमले में हिजबुल्लाह के एक शीर्ष कमांडर की मौत के बाद हिजबुल्लाह ने भी जवाबी कार्रवाई में इजराइल पर बड़ी संख्या में रॉकेट और मिसाइलें दागीं। इजराइल ने संकेत दिए हैं कि हमास के खिलाफ अभियान समाप्त होने के बाद वह लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

### इजराइल हमास शांति वार्ता अटकी

इजराइल और हमास के बीच शांति वार्ता भी अटकी हुई है। शांति वार्ता से उम्मीद थी कि इससे इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच भी शांति हो सकती है, लेकिन वार्ता के अटकने से तनाव लगातार बढ़ रहा है। हमास बंधकों को छोड़ने के एवज में स्थायी युद्धविराम की मांग कर रहा है, जबकि इजराइल ने स्थायी युद्धविराम से इनकार कर दिया है। अमेरिका और यूरोपीय देश हिजबुल्लाह को चेतावनी दे रहे हैं कि अगर उसने इजराइल के खिलाफ युद्ध छेड़ा तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। हिजबुल्लाह को हमास की तुलना में ज्यादा मजबूत माना जाता है, लेकिन अमेरिका ने हिजबुल्लाह को चेताया है कि उसे अतिआत्मविश्वास का शिकार नहीं होना चाहिए और इजराइल पर हमले से बचना चाहिए। एक अमेरिकी राजनयिक ने कहा है कि हिजबुल्लाह को ये संदेश भेज दिया गया है।

### बढ़ते तनाव पर संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ते संघर्ष से संयुक्त राष्ट्र भी चिंतित है और संयुक्त राष्ट्र में मानवीय मदद के प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ ने कहा कि अगर इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच युद्ध होता है तो वह सर्वविनाशकारी साबित हो सकता है। यह युद्ध लेबनान के लिए त्रासदी साबित होगी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने हाल ही में इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट से पेंटागन में मुलाकात की।

इस मुलाकात में ऑस्टिन ने कहा कि इजराइल हिजबुल्लाह के बीच की लड़ाई आसानी से पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में फैल सकती है। कई जानकारों का मानना है कि अगर हिजबुल्लाह, इजराइल पर हमला करता है कि क्षेत्र के अन्य विद्रोही संगठन भी उसके साथ आ सकते हैं। यूरोप को डर है कि अगर ऐसा हुआ तो इससे शरणार्थी समस्या बढ़ेगी और बड़ी संख्या में लोग शरण के लिए यूरोपीय देशों का रुख कर सकते हैं। ऐसे में यूरोपीय देश और अमेरिका हालात को सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं।

### इजराइली विदेश मंत्री ने ईरान को दी धमकी

इजराइल के विदेश मंत्री इजरायल कैट्ज ने कहा कि ईरान के विनाशकारी युद्ध के संदेश ने उसे विनाश के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। कैट्ज ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा, जो शासन विनाश की धमकी देता है, उसे नष्ट कर दिया जाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान समर्थित हिजबुल्लाह लेबनान से इजराइल पर गोलीबारी बंद नहीं करता है, तो इजराइल उसके खिलाफ पूरी ताकत से कार्रवाई करेगा। बता दें कि ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि अगर इजरायल लेबनान में पूरी तरह से सैन्य आक्रमण करता है, तो विनाशकारी युद्ध शुरू हो जाएगा।

# दक्षिणपंथियों की बढ़ती ताकत के बीच फ्रांस में चुनाव, सत्ता में बदलाव के संकेत, मैक्रों की साख दांव पर

**पेरिसे, 30 जून । (एजेंसियां) ।**

फ्रांस में संसदीय चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान शुरू हो गया है। इस चुनाव को बहुमत की आस लगाए बैठे राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के लिए एक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। मैक्रों के गठबंधन को वामपंथी गठबंधन से मजबूत चुनौती मिल रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद देश में पहली दक्षिणपंथी सरकार बन सकती है, जो यूरोपीय संघ में एक बड़ा बदलाव हो सकता है। छह जून को हुआ था यूरोपीय संसद के लिए चुनाव इस महीने की शुरुआत में छह जून को यूरोपीय संसद के लिए चुनाव हुए थे। इस दौरान फ्रांस में सबसे चौंकाने वाली राजनीतिक परिस्थितियां थीं। यहां फ्रांस की धुर दक्षिणपंथी नेता मरीन ला पेन की नेशनल रैली ने मैक्रों की पार्टी को जबरदस्त झटका दिया था। इसके बाद ही राष्ट्रपति ने अंतिम नतीजे आने से पहले ही अचानक राष्ट्रीय चुनावों की घोषणा कर सबको हैरान कर दिया था। उन्होंने कहा था, मैंने फैसला किया है कि आप वोट के जरिए अपना संसदीय भविष्य चुने। इसलिए मैं नेशनल असेंबली भंग कर रहा हूं। धुर दक्षिणपंथी पार्टियां हर तरफ आगे बढ़ रही हैं। यह ऐसे हालात हैं, जिन्हे मैं स्वीकार नहीं कर सकता। सात जुलाई को चुनाव मरीन ले पेन की नेशनल रैली लंबे समय से राजनीतिक गलियारों से बाहर थी, लेकिन अब वह पहले से कहीं ज्यादा सत्ता के करीब है। ऐसे में 30 जून और सात जुलाई को फ्रांस में राष्ट्रीय चुनाव हो रहे हैं। मध्य जुलाई तक यह साफ हो जाएगा कि राजनीतिक समीकरणों में मैक्रों की स्थिति क्या रहती है और क्या उन्हें एक धुर दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री के साथ मिलकर सत्ता चलाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। हालांकि, केवल दो साल पहले राष्ट्रपति पद की दूसरी पारी संभालने वाले मैक्रों के अपने पद के लिए इन चुनावों से कोई अंतर पैदा नहीं होगा क्योंकि राष्ट्रपति चुनावों में अभी वक्त है और वह अपना तीन साल का बचा हुआ कार्यकाल पूरा करेंगे। 577 सीटों के लिए मतदान फ्रांस में भारतीय समयानुसार मतदान होगा। एग्जिट पोल देर रात सामने आ सकता है। वहीं, एक हफ्ते बाद दूसरे चरण के लिए वोटिंग होगी। हालांकि, 577 सीटों वाली नेशनल असेंबली में सीटों के सटीक बंटवारे का अनुमान लगाना कठिन हो सकता है।

# हिंदू मतदाताओं को लुभाने में जुटी लेबर पार्टी भारत-विरोधी भावनाएं खत्म करने की खाई कसम

**लंदन,30 जून (एजेंसियां) ।**

लेबर पार्टी ने एलान किया है कि अगर वे सत्ता में आए तो वे देश से भारत-विरोधी भावना को खत्म करने की कोशिश करेंगे। साथ ही उन्होंने भारत के साथ मजबूत आर्थिक और रणनीतिक संबंध बनाने की भी पैरवी की।

ब्रिटेन में 4 जुलाई को आम चुनाव के लिए मतदान होगा। सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार में जुटी हैं। ब्रिटेन में भारतीय मूल के और हिंदू मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या को देखते हुए लेबर पार्टी इस वर्ग को लुभाने में जुटी है। यही वजह है कि लेबर पार्टी ने एलान किया है कि अगर वे सत्ता में आए तो वे देश से भारत-विरोधी भावना को खत्म करने की कोशिश करेंगे। साथ ही उन्होंने भारत के साथ मजबूत आर्थिक और रणनीतिक संबंध बनाने की भी पैरवी की। 2019 के चुनाव में कश्मीर मुद्दे से लेबर पार्टी को हुआ था नुकसान लेबर पार्टी ने पूर्व में जेरेमी कोर्बिन के नेतृत्व में एक प्रस्ताव पास किया था, जिसमें कश्मीर मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप का समर्थन किया गया था। पार्टी को लगता है कि इससे भारतीय मूल के मतदाता लेबर पार्टी से दूर हो गए और 2019 के

आम चुनाव में पार्टी को इसका नुकसान उठाना पड़ा। लेबर पार्टी के कुछ सांसदों द्वारा खालिस्तान समर्थक विचारों का समर्थन करने का भी पार्टी को भारी पड़ा। लेबर पार्टी की नेता एनीलीस डोड्स ने कहा कि उनकी पार्टी किसी भी वर्ग के वोटों को हल्के में नहीं ले रही है और हर वोट पाने के लिए मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर देश में भारत विरोधी आंदोलन का कोई सबूत मिला तो यकीनन वे इसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। कंजर्वेटिव पार्टी भी भारतीय मूल के लोगों को लुभाने में जुटी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टर्मर ने हाल ही में ब्रिटेन में एक हिंदू मंदिर का भी दौरा किया और भारतीय मूल के लोगों की चिंताओं को दूर करने का वादा भी किया।

# पहली राष्ट्रपति बहस में ट्रंप से बाइडन की हार पर डेमोक्रेट बेचैन, भारतवंशी कमला हैरिस को मिल सकता है मौका

**वॉशिंगटन,30 जून (एजेंसियां) ।**

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की पहली प्रेसिडेंशियल बहस में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन को बुरी तरह से हरा दिया। बहस के दौरान बाइडन के निराशाजनक प्रदर्शन से डेमोक्रेट का खेमा बेचैन है। अमेरिका के ज्यादातर मीडिया हाउस के राजनीतिक विश्लेषक और डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों का कहना है कि अगर नवंबर में होने वाले चुनाव तक दौड़ में ट्रंप के सामने टिके रहना है, तो बाइडन को अपना सम्मान बचाने के लिए खुद ही पीछे हट जाना चाहिए और भारतवंशी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए। एडिटोरियल बोर्ड लिखता है कि देश की सच्ची सेवा की खातिर बाइडन को अब इस दौड़ से बाहर हो जाना चाहिए, इसी में बाइडन व देश दोनों की भलाई है। कल यह साबित हो गया कि ट्रंप उन्हें आने वाली बहसों में बुरी तरह रौंद कर रख देंगे। कमला से बेहतर विकल्प नहीं डेमोक्रेटिक पार्टी चुनाव के पांच पहीने पहले इस स्थिति में नहीं है कि कोई बड़े प्रयोग

करे, लेकिन, ट्रंप से मुकाबले के लिए यह भी जरूरी है कि बाइडन की जगह कोई दूसरा उम्मीदवार लाया जाए। इस स्थिति में पार्टी के पास कमला हैरिस से बेहतर दूसरा विकल्प नहीं हो सकता है, क्योंकि हैरिस बाइडन की रनिंगमेट हैं। अगर बाइडन अपना नाम वापस लेते हैं, तो इस बात की पुख्ता संभावना है कि वे कमला को ही नामित करेंगे। कमला के बाद गैविन पर हो सकता है विचार अगर डेमोक्रेटिक पार्टी कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नहीं बनाती है, तो इस दौड़ में दूसरा नाम गैविन न्यूसम हैं। 56 साल गैविन फिलहाल कैलिफोर्निया के गवर्नर हैं। उनके अलावा इलिनॉय के गवर्नर जेबी प्रित्जकर भी दावेदारी कर सकते हैं, जिन्होंने अपने राज्य में गर्भपात का हक देने वाला कानून लाकर खासी लोकप्रियता हासिल की है। हालांकि, इन सबके बजाय हैरिस की उम्मीदवारी ज्यादा पुख्ता है, क्योंकि अगर बाइडन उन्हें नामित करते हैं, तो बाइडन समर्थक सभी डेलिगेट्स हैरिस का समर्थन करेंगे। हैरिस की उम्मीदवारी के पक्ष में हैं ज्यादातर डेमोक्रेट ज्यादातर डेमोक्रेट बाइडेन की रनिंगमेट हैं, यानी उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद के लिए आगे बढ़ाने के पक्ष में नजर आ रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने आधिकारिक तौर पर बाइडन को अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है, ऐसे में तकनीकी तौर पर उम्मीदवार बदलने में कोई दिक्कत नहीं हैं। हालांकि, इसके लिए पार्टी को अपने संविधान में बदलाव करना होगा, क्योंकि इसके मुताबिक डेमोक्रेटिक पार्टी उसी व्यक्ति को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए नामित कर सकती है, जिसने पार्टी के प्राइमरी और डेलीगेट्स चुनाव जीते हों। उम्मीदवारी के लिए 3,937 में से 1,968 मत जरूरी प्रक्रिया के तहत डेमोक्रेटिक पार्टी के 3,937 डेलिगेट्स में जिस भी उम्मीदवार को 1,968 या इससे ज्यादा मत मिलते हैं ।

# अफगान महिलाओं का अधिकार हमारा आंतरिक मुद्दा संयुक्त राष्ट्र की चिंता पर भड़की तालिबान सरकार

**काबुल, 30 जून (एजेंसियां) ।**

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि तालिबान प्रशासन महिलाओं के मुद्दों को स्वीकार करते हैं। मगर यह मुद्दे अफगानिस्तान के हैं। संयुक्त राष्ट्र की बैठक से पहले ही तालिबान प्रशासन भड़क गया है। दरअसल, महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव के उन्मूलन पर संयुक्त राष्ट्र समिति (सीईडीएडब्ल्यू) ने हाल ही में अफगानिस्तान के भविष्य पर आयोजित हो रही बैठक में महिलाओं व लड़कियों को शामिल ना किए जाने पर गहरी चिंता जताई थी। अब इस पर तालिबान प्रशासन की प्रतिक्रिया आई है। उसका कहना है कि अफगानिस्तान की महिलाओं के अधिकारों की मांग एक आंतरिक मुद्दा है। कतर में होगी बातचीत बता दें, अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान की वापसी के बाद देश में महिलाओं व लड़कियों के मानवाधिकारों

पर गहरा संकट उपजा है। इसे संयुक्त राष्ट्र ने जेंडर रंगभेद के रूप में दर्शाया है। वहीं, कतर में शुरू होने वाली तीसरे दौर की बातचीत में तालिबान सरकार अपना पहला प्रतिनिधिमंडल भेजेगा। इन मुद्दों की निंदा आधिकारिक वार्ता के बाद, महिला अधिकार समूहों सहित नागरिक समाज के प्रतिनिधि अंतरराष्ट्रीय राजनयिकों और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ बैठकों में भाग लेंगे। अधिकार समूहों ने मुख्य बैठकों से अफगान महिलाओं के नहीं होने और एजेंडे में मानवाधिकारों के मुद्दों की कमी की निंदा की है। तालिबान प्रशासन ने कही ये बात वहीं, सरकार के प्रवक्ता और प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले जबीहुल्ला मुजाहिद ने काबुल में पत्रकारों से कहा कि तालिबान प्रशासन महिलाओं के मुद्दों को स्वीकार करते हैं। मगर यह मुद्दे अफगानिस्तान के हैं। हम अफगानिस्तान के भीतर महिलाओं से जुड़े मामले का समाधान करने के लिए एक सही रास्ता ढूंढ रहे हैं, ताकि हमारे देश को फिर से संघर्ष और हिंसा न देखना पड़े। उन्होंने कहा कि तालिबान सरकार बैठकों में पूरे अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व करेगी। उन्होंने आगे कहा, अगर अफगान कई चैनलों के माध्यम से भाग लेते हैं, तो इसका मतलब है कि हम अभी भी बिखरे हुए हैं, हमारा राष्ट्र अभी भी एकजुट नहीं है। बैठक में शामिल होने के लिए इस शर्त पर माने गौरतलब है, तालिबान अधिकारियों को पिछले साल दोहा में पहली वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया था। दूसरे सम्मेलन में भाग लेने से खुद तालिबान ने इनकार कर दिया था।

### उ. कोरिया में लोगों को हर माह जमा करना होगा 10 किलो मल, आदेश न मानने पर देना होगा 5,000 वॉन

**प्योंगयांग ।** उत्तर कोरिया में किम जोंग उन की तानाशाही का एक बेहद ही अजीब मामला सामने आया है। हाल ही में जारी एक आदेश में उत्तर कोरिया के लोगों को कहा गया है कि वे हर महीने कम से कम 10 किलो सूखा मानव मल जमा करेंगे और इसे सरकार को देंगे। इस आदेश को नहीं मानने वालों पर 5,000 वॉन (500 रुपये) का जुर्माना लगाया जाएगा। यह आदेश उस घटना के करीब एक महीने बाद आया है, जब किम जोंग ने सीमा पार दक्षिण कोरिया में मल से भरे गुब्बारे भेजे थे। माना जा रहा है कि तानाशाह का यह नया आदेश ऐसी ही शरारत की घटनाओं को फिर से अंजाम देने के लिए है। कृषि के लिए खाद के तौर पर होगा मल का इस्तेमाल इस बीच उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक उत्तर कोरिया के लोगों को आदेश दिया गया है कि प्रत्येक घर से 10 किलोग्राम (22 पाउंड) मानव मल एकत्र किया जाएगा, ताकि इसका इस्तेमाल खाद के तौर पर किया जा सके। आदेश के मुताबिक लोगों को यह मल सुखाकर जमा करना होगा। इसके बाद इसे नजदीकी उर्वरक केंद्र पर जमा कराना होगा, जहां से उन्हें उनके योगदान के लिए एक प्रमाणपत्र दिया जाएगा। बाद में घर-घर जाकर प्रमाण पत्र की जांच की जाएगी। उत्तर कोरियाई लोगों के लिए यह नई बात नहीं उत्तर कोरियाई लोग कृषि में खाद के तौर पर मानव मल का पहले से इस्तेमाल करते आए है। लेकिन, आमतौर पर यह काम सर्दियों में किया जाता है, जब फसल रोपण का समय होता है।

# पेरिस ओलंपिक से पहले पीएम मोदी की देशवासियों से अपील, खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने का किया आग्रह

**नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां) ।**

बारबाडोस में खेले गए टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने 17 साल बाद दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस शानदार जीत के लिए टीम इंडिया को बधाई दी। इस ऐतिहासिक पल के एक दिन बाद उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में पेरिस ओलंपिक के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने देशवासियों से 26 जुलाई से होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत के एथलीटों का उत्साह बढ़ाने का आग्रह किया। बता दें कि पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक जारी रहेगा। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत सात मेडल जीतने में कामयाब रहा था, जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल था।

**पीएम मोदी का देशवासियों से अनुरोध** – रेडियो कार्यक्रम मन की आवाज में पीएम मोदी ने कहा, मेरे प्रिय देशवासियों अगले महीने से पेरिस ओलंपिक शुरू होने वाला है। मुझे यकीन है कि आप भी भारत का उत्साह बढ़ाने के लिए इस पल का इंतजार कर रहे हैं। मैं ओलंपिक गेम्स के लिए भारतीय टीम को शुभकामनाएं देता हूं। टोक्यो ओलंपिक की यादें आज भी हमारे दिमाग में ताजा है। उन्होंने आगे कहा कि टोक्यो ओलंपिक के प्रदर्शन ने देश का दिल जीत लिया और कई खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद विभिन्न खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए कड़ी तैयारी करके और दुनिया भर में कुल मिलाकर नौ सौ विभिन्न आयोजनों में भाग लेकर अपने मिशन पेरिस 2024 की शुरुआत की। पीएम मोदी ने कहा, टोक्यो में हमारे खिलाड़ियों का प्रदर्शन सभी भारतीयों के दिल को जीत लिया। टोक्यो ओलंपिक के तुरंत बाद ही हमारे खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक की तैयारी में जुट गए। अगर सभी खिलाड़ियों को एक साथ ले आए तो इन सभी में लगभग नौ सौ अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले चुके हैं। यह बहुत बड़ी संख्या है।

**इस बार होगा कुछ नया** – प्रधानमंत्री ने बताया कि इस बार पेरिस ओलंपिक में कुछ चीजें पहली बार होगी। उन्होंने कहा, दोस्तों इस बार पेरिस ओलंपिक में आपको कुछ ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो पहली बार हो रहा होगा। शूटिंग में हमारे खिलाड़ियों की प्रतिभा निखर कर सामने आ रही है। टेबल टेनिस में महिला और पुरुष दोनों ही क्वालीफाई कर चुके हैं। हमारी शूटर बेटियां भी गनशॉट टीम का हिस्सा हैं। इस बार हमारे खिलाड़ी कुश्ती और घुड़सवारी में भी हिस्सा ले रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इस बार खेलों में एक अलग ही स्तर का उत्साह देखने को मिलेगा। आपको याद होगा, हाल ही में हमने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियंशिप में शानदार प्रदर्शन दिखाया था। हमारे खिलाड़ियों ने शतरंज और बैडमिंटन में परचम लहराया है। अब पूरे देश को उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी ओलंपिक में भी शानदार प्रदर्शन करेंगे। इन खेलों में मेडल जीतेंगे। आने वाले दिनों में मुझे भी भारतीय टीम से मिलने का मौका मिलेगा। मैं आपकी ओर से उन्हें प्रोत्साहित करूंगा।

## न्यूज ब्रीफ

### कुछ महीनों में चीजें ठीक नहीं रही, मुझे यकीन था एक दिन मैं फिर चमकूंगा, मैदान में टीम इंडिया की जीत के बाद फूट-फूटकर रोए हार्दिक पांड्या

**नई दिल्ली।** टीम इंडिया टी 20 क्रिकेट विश्व कप विजेता बन गई है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर यह खिताब अपने नाम किया। मैच में एक मोड़ ऐसा भी आया जब जीत भारत से दूर जाती दिखी। दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 30 गेंदों पर 30 रन चाहिए थे और 6 विकेट बाकी थे, लेकिन तब टीम इंडिया के गेंदबाजों का जादू चला। जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या ने विकेट की झड़ी लगा दी। आखिरी ओवर में हार्दिक पांड्या गेंदबाजी करने आए थे जब साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 16 रन बनाने थे लेकिन पांड्या ने इस प्रेशर को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और सटीक गेंदबाजी की। आखिरी गेंद डालते ही हार्दिक और टीम जीत के जश्न में डूब गई। मैच खत्म होते ही पांड्या फूट फूट कर रोने लगे। पिछले कुछ महीनों के संघर्ष के बाद वह मैदान पर अपने आंसू रोक नहीं पाए। 2023 वर्ल्ड कप में चोट की वजह से बाहर होने के बाद से चीजें खराब होती गई। आईपीएल में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी मिली तो फैंस ने जमकर ट्रोल किया। इसका असर परफॉर्मेंस पर पड़ा। ना बल्ले से रन बन रहे थे और ना ही गेंदबाजी में कुछ कर पा रहे थे। 14 मैचों में हार्दिक ने सिर्फ 216 रन बनाए और 11 विकेट लिए। मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी खराब रहा और टीम टूर्नामेंट में निचले पायदान पर रही। इन सबका मानसिक दबाव पहले से झेल रहे हार्दिक पांड्या के निजी जिंदगी में भी काफी कुछ ठीक नहीं चल रहा था। मीडिया में उनकी पत्नी से तलाक की खबरें आई। सोशल मीडिया पर उनकी पत्नी नताशा ने शादी की सभी तस्वीरों को हटा दिया जिसके बाद यह खबर फैल गई कि दोनों के बीच अनबन है। यह भी खबर आई कि हार्दिक को अपनी 70 फीसदी प्रॉपर्टी पत्नी नताशा के नाम करनी होगी। साथ ही बेटे की कस्टडी भी छिन जाएगी। इन सब को पीछे छोड़ते हुए हार्दिक पांड्या ने टी20 विश्व कप में कमाल का प्रदर्शन किया। मैच के बाद उन्होंने कहा कि यह बेहद भावुक पल है। खासकर मेरे लिए छह महीने से मैंने एक शब्द भी नहीं बोला है, चीजें ठीक नहीं रही हैं, लेकिन मुझे पता था कि एक समय आएगा जब मैं चमकूंगा।

### अनिल धूपर विम्बलंडन टेनिस चैम्पियनशिप के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त

**इन्दौर ।** अखिल भारतीय टेनिस संघ ने अनिल धूपर, महासचिव अखिल भारतीय टेनिस संघ एवं सचिव मध्य प्रदेश टेनिस संघ को विम्बलंडन टेनिस चैम्पियनशिप 2024 के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। लंदन में 1 जुलाई से 14 जुलाई 2024 तक होने वाली इस ग्रैंड स्लैम टेनिस प्रतियोगिता में खेली जा रही विभिन्न प्रारूपों एवं प्रतियोगिता आयोजन कराने की कार्यशैली के अध्ययन का विशलेषण कर धूपर अखिल भारतीय टेनिस संघ को एक विशेष रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे, जिससे कि भारतीय टेनिस संघ भविष्य में इसे भारतीय टेनिस की उन्नति के लिए उपयोग मे ले सकें। धूपर को विम्बलंडन टेनिस चैम्पियनशिप में भारतीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त होने पर मध्य प्रदेश टेनिस संघ के अध्यक्ष अनिल महाजन एवं समस्त पदाधिकारियों ने हार्दिक बधाईयां दी।

### केशव-हेमंत, प्रतीक-सोहेल की जोड़ी सेमीफाइनल में, आई.टी.सी. इन्दौर ओपन टेनिस कोचेस डबल्स टेनिस टूर्नामेन्ट

**इन्दौर ।** इन्दौर टेनिस क्लब के तत्वाधान में आयोजित की जा रही आई.टी.सी. इन्दौर ओपन टेनिस कोचेस डबल्स टेनिस टूर्नामेन्ट में केशव पाटीदार-हेमंत जगधने, प्रतीक परिहार-सोहेल अली की जोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। साजिद लोदी-अजहर खान, तथा आकाश शर्मा-पिंटू आर्य की जोड़ी ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है। स्पर्धा के पुरुष युगल क्वार्टर फायनल में केशव पाटीदार-हेमंत जगधने की जोड़ी ने अरशद खान-मयंक जाधव को 6-2 से, प्रतीक परिहार-सोहेल अली ने जावेद हनीफ-दिव्यलक्ष्य चौहान को 6-3 से, साजिद लोदी-अजहर खान ने आदिल खान-टीकम ब्रहमने की जोड़ी को 6-3 से तथा पिंटू आर्य-आकाश शर्मा की जोड़ी ने दानिश खान-आदिल खान को 6-1 से शकिस्त दी।

# भारत का टीम परफॉर्मेंस : 8 मुकाबलों में 7 अलग-अलग प्लेयर ऑफ द मैच, वर्ल्ड कप जिताने वाले 10 किरदार

**नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां) ।**

टीम इंडिया ने पहले ऑस्ट्रेलिया और फिर इंग्लैंड और उसके बाद साउथ अफ्रीका को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। भारत ने ऑस्ट्रेलिया से 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल और इंग्लैंड से 2022 टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की हार का बदला लिया और दोनों को हराकर टूर्नामेंट से ही बाहर कर दिया। भारत की लगातार 8 जीत में 1 या 2 नहीं, बल्कि पूरे 9 प्लेयर्स का अहम योगदान रहा। टीम की प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे बाकी 3 खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस भले ही उतनी अच्छी न रही हों, लेकिन इन प्लेयर्स ने टीम के लिए कुछ मौकों पर अहम योगदान जरूर दिया।

**8 मैच जीते, 7 खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच**

भारत इस टी-20 वर्ल्ड कप में अजेय है, टीम ने ग्रुप और सुपर-8 स्टेज में 3-3 मैच जीते। कनाडा के खिलाफ ग्रुप मैच बेनतीजा रहा, वहीं सेमीफाइनल में टीम ने इंग्लैंड को मात दी। जबकि फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराया। इन 8 मुकाबलों में 7 अलग-अलग खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। भारत ने टूर्नामेंट में ज्यादा एक्सपेरिमेंट भी नहीं किए और 8 मैच में 12 ही प्लेयर्स को मौके दिए। शुरुआती 3 मैच खेलने वाले मोहम्मद सिराज की जगह कुलदीप यादव को लाए। कुलदीप ने बाद के 5 मैच खेले। भारत के अलावा साउथ अफ्रीका ने ही टूर्नामेंट में सबसे कम 12 प्लेयर्स ट्राई किए। दोनों ही टीमें फाइनल खेलीं, बाकी सभी टीमों ने 13, 14 या 15 प्लेयर्स तक को मौके दे दिए।

**टूर्नामेंट में परफॉर्मेंस...**

**1. टॉप-4 बैटर्स**

**रोहित शर्मा:** आयरलैंड के खिलाफ न्यूयॉर्क की मुश्किल पिच पर कप्तान रोहित ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने अगले 4

मैच तक अपना अटैकिंग रोल जारी रखा, लेकिन असफल रहे। रोहित ने फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 41 बॉल पर 92 रन बनाए। उन्होंने सेमीफाइनल में भी अहम फिफ्टी लगाई और सूर्या के साथ मैच विनिंग 75 रन की साझेदारी की। कप्तान टीम के टॉप रन स्कोरर भी हैं।

**सूर्यकुमार यादव:** आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ सूर्यकुमार कुछ खास नहीं कर सके, लेकिन अमेरिका के खिलाफ शुरुआती 3 विकेट गिर जाने के बाद टीम को संभाला। सूर्या ने फिफ्टी लगाई और टीम को जीत दिलाई। वह अफगानिस्तान के खिलाफ अर्धशतक लगाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। ऑस्ट्रेलिया के सामने सूर्या ने 16 बॉल पर 31, इंग्लैंड के खिलाफ 36 बॉल पर 47 रन बनाए और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। वह टूर्नामेंट में 200 रन बनाने के करीब हैं।

**ऋषभ पंत:** ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ विकेटकीपर पंत कुछ खास नहीं कर सके, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ 42 और आयरलैंड-बांग्लादेश के खिलाफ मुश्किल पिच पर 36-36 रन की पारी खेलकर जीत में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के खिलाफ तो उन्होंने 3 अहम कैच भी पकड़े थे। पंत टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 11 कैच पकड़ चुके हैं, उन्होंने एक स्टंपिंग भी की है।

**विराट कोहली:** टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में एक्सपेरिमेंट किया और नंबर-3 पर उतरने वाले कोहली को ओपनिंग भेज दिया। इस पोजिशन पर वह बुरी तरह फेल रहे और शुरुआती 3 पारियों में 1, 4 और 0 के स्कोर ही बना सके। सुपर-8 में फिर उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 24 और बांग्लादेश के खिलाफ 37 रन बनाए। ऐसा लगा जैसे विराट फॉर्म में आ गए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खाता खोले बगैर आउट हो गए। इंग्लैंड के खिलाफ भी वह 9 ही रन बना सके। वहीं उन्होंने फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की पारी खेली।

**2. टॉप-3 ऑलराउंडर्स**

**हार्दिक पंड्या:** उप कप्तान हार्दिक ने बैटिंग, बॉलिंग के साथ फील्डिंग में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। आयरलैंड के खिलाफ 3, वहीं पाकिस्तान-अमेरिका के खिलाफ 2-2 विकेट लिए। ग्रुप स्टेज में अच्छी बॉलिंग के बाद हार्दिक ने अफगानिस्तान के सामने 32, ऑस्ट्रेलिया के सामने 27 और इंग्लैंड के सामने 23 रन की अहम पारी खेली। बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने महज 27 बॉल पर फिफ्टी लगाई और एक विकेट लिया, इस प्रदर्शन के लिए वह प्लेयर ऑफ द मैच बने। वहीं फाइनल में पंड्या ने 2 गेंद पर 5 रन बनाए, तो वहीं 3 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए।

**अक्षर पटेल:** सेमीफाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच अक्षर टूर्नामेंट में भारत के सेकेंड बेस्ट ऑलराउंडर और सेकेंड बेस्ट स्पिनर साबित हुए। इंग्लैंड के खिलाफ 3 विकेट लेने से पहले उन्होंने बांग्लादेश को छोड़कर हर मैच में 1-1 विकेट लिया था। वह टूर्नामेंट में 8.00 की इकोनॉमी से 8 विकेट ले चुके हैं। इसके अलावा लोअर ऑर्डर में वह 139.39 के स्ट्राइक रेट से 93 रन भी बना चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने डीप स्क्वेयर लेग पोजिशन पर हवा में जम्प कर एक हाथ से मिचेल मार्श का बेहतरीन कैच पकड़ा, जो टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। जबकि फाइनल में उन्होंने 31 गेंदों पर 47 रन बनाए।

**शिवम दुबे:** अमेरिका के खिलाफ दुबे को एक ओवर गेंदबाजी का मौका मिला, इसमें उन्होंने 11 रन दिए। इसके अलावा उन्होंने टूर्नामेंट में कोई ओवर नहीं फेंका। हालांकि, बांग्लादेश (34), अमेरिका (31*) और ऑस्ट्रेलिया (28) और साउथ अफ्रीका के खिलाफ (27) उन्होंने छोटी लेकिन उपयोगी पारियां खेलीं।

**3. टॉप-3 बॉलर्स**

**अर्शदीप सिंह:** सेमीफाइनल में कोई विकेट नहीं ले सके अर्शदीप ने इससे पहले हर मुकाबले में कम से कम एक विकेट तो जरूर लिया। पाकिस्तान के खिलाफ एक, लेकिन आयरलैंड-बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने 2-2 विकेट लिए। अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वह थोड़े महंगे साबित हुए, लेकिन 3-3 विकेट भी झटक लिए। अमेरिका के खिलाफ अर्शदीप ने महज 9 रन देकर 4 विकेट झटके और प्लेयर ऑफ द मैच रहे। यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में किसी भी भारतीय की बेस्ट बॉलिंग भी रही। वहीं फाइनल में उन्होंने 2 विकेट लिए।

**जसप्रीत बुमराह:** वनडे वर्ल्ड कप में इंजरी के बाद वापसी करने वाले बुमराह टीम इंडिया के सबसे जरूरी और अहम खिलाड़ी हैं। आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच रहे बुमराह कुल 15 विकेट लेकर टीम के दूसरे टॉप विकेट टेकर हैं।

# टी20 विश्व कप जीत के साथ द्रविड़ बोले, कोच के तौर पर यात्रा अच्छी रही

**ब्रिजटाउन, 30 जून (एजेंसियां) ।**

**भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 विश्व कप जीतने से उत्साहित मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि उनकी ये यात्रा काफी अच्छी रही। इसी के साथ ही द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल भी समाप्त हो गया। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी मुझे सबसे ज्यादा याद आयेगी।**

द्रविड़ ने विश्व कप 2024 जीतने के लिए टीम के प्रति आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना एक अच्छा एहसास है। द्रविड़ ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर मैं ट्रॉफी जीतने के लिए भाग्यशाली नहीं रहा पर जब भी मैंने खेला, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया। मैं भाग्यशाली

**रोहित की सबसे ज्यादा याद आयेगी**

रहा कि मुझे ऐसी टीम का कोच बनने का अवसर मिला जिसने मुझे ट्रॉफी जीत कर दी। यह एक शानदार अहसास है हालांकि इसके लिए मैंने कोई सुधार नहीं किये। ये केवल वह काम था जो मैं कर रहा था। मुझे रोहित और उनकी टीम के साथ काम करना पसंद रहा है, यह एक शानदार यात्रा थी और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया।

द्रविड़ ने कप्तान रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास पर कहा कि कप्तान जिस तरह के व्यक्ति हैं, उससे मैं प्रभावित हूं। साथ ही कहा कि रोहित की प्रतिबद्धता मुझे पसंद है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें एक व्यक्ति के रूप में मिस करूंगा। जो चीज मुझे प्रभावित करती है, वह है कि वह उन्होंने मुझे जो सम्मान दिया है, टीम के लिए उनकी किस तरह की देखभाल और प्रतिबद्धता थी, उन्होंने किस तरह की ऊर्जा खर्च की और उन्होंने कभी पीछे कदम नहीं किये। मेरे लिए, रोहित वह व्यक्ति होगा जिसकी मुझे सबसे ज्यादा याद आएगी।

# पूर्व भारतीय फुटबॉलर भूपिंदर सिंह रावत का 85 साल की उम्र में निधन

**सूरत, 30 जून (एजेंसियां) ।**

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने भारत के पूर्व विंगर भूपिंदर सिंह रावत के निधन की पुष्टि की है, जिनका संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे।

रावत के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। 1960 और 1970 के दशक के तेज तर्रार खिलाड़ी, रावत 1969 में मलेशिया में मर्डेका टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सदस्य थे। घरेलू फुटबॉल में, उन्होंने दिल्ली गैरीसन, गोरखा ब्रिगेड और मफतलाल जैसी शीर्ष टीमों के लिए खेला। उन्होंने संतोष ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में सर्विसेज और महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया।

अपनी छोटी कद-काठी के बावजूद प्रतिद्वंद्वी डिफेंस को भेदने की अपनी गति और क्षमता के कारण भीड़ के चहेते रावत को स्टैंड में उनके प्रशंसकों द्वारा स्कूटर उपनाम दिया गया था। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने एआईएफएफ मीडिया टीम से कहा, भूपिंदर सिंह रावत एक उत्कृष्ट विंगर और एक शानदार स्कोरर थे, जिन्होंने खेल को उत्कृष्टता के साथ सेवा प्रदान की।

दुख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव एम सत्यनारायण ने कहा, भूपिंदर सिंह रावत अपने समय के एक कुशल फुटबॉलर थे और दर्शक उन्हें खेलते देखना पसंद करते थे। भारतीय फुटबॉल बिरादरी की ओर से, मैं उनके निधन पर शोक व्यक्त करता हूं।

# खेल मंत्री मंडाविया ने एनआईएस पटियाला का दौरा किया

**पटियाला, 30 जून (एजेंसियां) ।**

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने एनआईएस पटियाला का दौरा किया और ओलम्पिक जाने वाले खिलाड़ियों भारोत्तोलक मीराबाई चानू, भाला फेंक एथलीट अन्नू रानी और शॉट पुटर आभा खाटुआ से मिले तथा नए आधारभूत ढांचे की प्रगति का निरीक्षण किया। मंडाविया ने कहा, मीराबाई, अन्नू रानी और आभा के साथ मेरी बातचीत से मुझे विश्वास हुआ कि हमारे एथलीटों को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों की तैयारी में सर्वोत्तम संभव समर्थन मिला है। मीराबाई चानू ने युवा मामले और खेल मंत्रालय के अपार समर्थन पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के सेंट लुइस से विश्व प्रसिद्ध खेल वैज्ञानिक डॉ. आरोन हॉर्शिंग की सेवाओं को सुरक्षित करने में सक्षम होने के बारे में, जबकि अन्नू रानी ने यूरोपीय ठिकानों पर लंबे समय तक प्रशिक्षण लेने में सक्षम होने के बारे में उत्साहपूर्वक बात की। मंडाविया ने यहां राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में नामांकित अन्य एथलीटों और कुछ प्रमुख प्रशिक्षकों से भी बातचीत की। उन्होंने उनसे प्रतिस्पर्धी खेलों से ड्रॉप-आउट दर को कम करने के बारे में सुझाव मांगे।उन्होंने पूछा आपको आवश्यक समर्थन मिल रहा है। हालांकि, उनमें से कई लोग, जिन्होंने आपके साथ शुरुआत की, लेकिन पदक नहीं जीते, पीछे रह गए। हम उनके लिए क्या कर सकते हैं उन्होंने यह भी साझा किया कि खेलों के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी की इच्छा को ध्यान में रखते हुए, सरकार जमीनी स्तर की प्रतिभा की पहचान और पोषण को प्रोत्साहित करेगी। खेल मंत्री ने एनएसएनआईएस की भी समीक्षा की और खेल के विभिन्न क्षेत्रों, खेल विज्ञान सुविधाओं और नए बुनियादी ढांचा परियोजना स्थलों का दौरा किया। वह खेल विज्ञान के लिए उच्च-प्रदर्शन केंद्र और रसोई और भोजन कक्ष की प्रगति से भी प्रसन्न थे। मुझे भारतीय खेल के पारंपरिक घर, एनआईएस में आकर खुशी हो रही है। यह न केवल गुणवत्तापूर्ण कोच तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है जो जमीनी स्तर पर बदलाव ला सकता है बल्कि इसमें बेहतरीन प्रशिक्षण सुविधा भी है। मंडाविया ने कहा, हमारे कुछ एथलीट जिन्होंने दुनिया भर के अन्य केंद्रों में प्रशिक्षण लिया है, उनका मानना है कि एनआईएस की तुलना सर्वश्रेष्ठ से की जा सकती है।

# अफगान टीम के कप्तान राशिद खान की जर्नी प्रेरणादायक, राशिद का बचपन बेहद कठिनाई में रिफ्यूजी कैंप में बीता

**नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां) ।**

**टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में हार के साथ अफगानिस्तान का सफर भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन उन्होंने पहली बार किसी विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। टीम के लिए यह एक बडी उपलब्धि है। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीम को भी मात दी।**

अफगानिस्तान को यहां तक पहुंचाने में टीम के कप्तान राशिद खान ने अहम योगदान दिया। राशिद की जर्नी काफी प्रेरणादायक रही है जिन्होंने रिफ्यूजी कैंप से अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बनने तक का सफर तय किया है। राशिद का बचपन बेहद कठिनाई में बीता। 2001 में अफगानिस्तान में अमेरिका और तालिबान के बीच छिड़े युद्ध ने उनके परिवार को घर छोड़ना पड़ा और

पाकिस्तान बॉर्डर के पास रिफ्यूजी कैंप में रहने लगे। पेशावर की गलियों में खेलते हुए राशिद का जीवन आगे बढ़ा। मैट्रिक की पढ़ाई के बाद उन्होंने 6 महीने तक अंग्रेजी की स्पेशल ट्यूशन ली और फिर इंग्लिश ट्यूशन पढ़ाने लगे। इंग्लिंश के अलावा राशिद पश्तो, दारी, उर्दू, और हिंदी भी बोल लेते हैं।

राशिद पढ़ाई में बेहद होशियार थे। उनकी मां का सपना था कि राशिद बड़े होकर डॉक्टर बनें, लेकिन अफगानिस्तान में तालिबान और अमेरिका के बीच बार-बार होने वाले युद्ध के कारण उन्हें कभी अफगानिस्तान तो कभी पाकिस्तान में हना पड़ा। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हुई। जब राशिद बड़े हो रहे थे तो उस समय पाकिस्तानी ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का अलग ही क्रैज था। उनको देखकर राशिद ने भी वैसी ही बैटिंग और स्पिन सीखी। क्रिकेट के अभ्यास के लिए वे भाइयों के साथ घंटों खेलते और इस तरह उनका क्रिकेटर बनने का सफर शुरू हुआ। इस दौरान उन्होंने यूट्यूब से भी सीखा। वह पसंदीदा स्पिनर्स की तकनीक वीडियो देखकर सीखते थे। कई पाकिस्तानी और अफगान प्रशंसक उन्हें अफगान अफरीदी भी कहते हैं। 2015 में मात्र 17 साल की उम्र में राशिद खान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे और टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया। इसके बाद 2018 में उन्होंने भारत के खिलाफ पहला टेस्ट खेला। 2019 में मात्र 21 साल की उम्र में उन्हें टीम के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20) का कप्तान बना दिया गया। हालांकि इसी साल उन्हें हटाकर असगर अफगान को कप्तानी दे दी गई।

2024 के टी20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें एक बार फिर से टीम का कप्तान बनाया गया था। करियर की बात करें तो 21 साल की उम्र में बने अफगानिस्तान टीम के कप्तान। कुल 201 मैचों (टेस्ट, वनडे और टी20) में 269 विकेट लिए हैं। मात्र 53 मैचों में 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का रिकॉर्ड।आईपीएल और बीबीएल सहित दुनियाभर की लगभग सभी बड़ी क्रिकेट लीग में हिस्सा लेना। राशिद पाकिस्तान की घरेलू टीम की ओर से भी खेल चुके हैं। 2020 में आईसीसी ने राशिद खान को दशक का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 क्रिकेटर के रूप में सम्मानित किया था। राशिद ने बताया था कि अगर वे क्रिकेटर नहीं होते तो फुटबॉल में करियर बनाते। उन्हें बॉलीवुड फिल्मों का बेहद शौक है। सलमान उनके फेवरेट एक्टर हैं।

# वॉरेन बफे ने एक बार फिर बदली वसीयत, गेट्स फाउंडेशन से पीछे खींचे हाथ, अब इसे मिलेगी संपत्ति

**वॉशिंगटन,30 जून (एजेंसियां) ।**

इससे पहले बफे ने कहा था कि उनकी दौलत को 99 फीसदी से अधिक हिस्सा उनके परिवार से जुड़े चार ट्रस्टों और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को जाएगा। हालांकि अब उन्होंने अपना मन बदल लिया है।

दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। 93 साल के हो चुके बफे ने अपनी वसीयत में बदलाव करके सुर्खियां बंटोर ली हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उनके मरने के बाद उनकी संपत्ति का हकदार कौन होगा। उनका कहना है कि उनकी बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को दान जारी रखने की कोई योजना नहीं है। इसके बजाय वह एक नया चैरिटेबल ट्रस्ट बनाएंगे, जिसे उनके तीन बच्चे चलाएंगे।

### मरने के बाद किसे मिलेगी संपत्ति

बफे का कहना है कि गेट्स फाउंडेशन को उनके मरने के बाद कोई पैसा नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि वह कई बार अपनी वसीयत को बदल चुके हैं और इसमें एक बार फिर बदलाव किया गया है। अब उनकी दौलत एक नए ट्रस्ट को मिलेगी, जिसे उनके तीन बच्चे चलाएंगे। बफे के सभी बच्चों की अपनी-अपनी चैरिटेबल संस्था है। उन्होंने कहा, मुझे अपने बच्चों पर गर्व है। साथ ही पूरा भरोसा है कि वे मेरी विरासत को सही ढंग से आगे बढ़ाएंगे।

### दुनिया के 10वें सबसे अमीर व्यक्ति

गौरतलब है, इससे पहले बफे ने कहा था कि उनकी दौलत को 99 फीसदी से अधिक हिस्सा उनके परिवार से जुड़े चार ट्रस्टों और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को जाएगा। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक, उनकी नेटवर्थ 129 अरब डॉलर यानी करीब 1,07,54,00,11,50,000 रुपये है और वह दुनिया के 10वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

### कितने शेयर हैं बफे के पास

बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने कहा कि बफे करीब 9000 क्लास ए शेयरों को 1.3 करोड़ से अधिक क्लास बी शेयरों में बदल रहे हैं। इसमें से 93 लाख शेयर बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को जाएंगे। बाकी शेयर बफे के परिवार से जुड़े ट्रस्टों को बांटे जाएंगे।

बफे ने पिछले 18 साल में बिल एंड मेलिंडा फाउंडेशन को करीब 43 अरब डॉलर का दान दिया है। मेलिंडा ने पिछले महीने इस फाउंडेशन से अलग होने की घोषणा की थी। बफे ने पिछले साल अपने फैमिली ट्रस्ट्स को 87.0 मिलियन करोड़ डॉलर डोनेट किए थे। बफे के पास बर्कशायर हैथवे के 207,963 क्लास ए और 2,586 क्लास बी शेयर रह गए हैं। इन शेयरों की वैल्यू करीब 128 अरब डॉलर है।

## न्यूज ब्रीफ

### पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने वित्त विधेयक 2024 को दी मंजूरी, विपक्ष ने किया था भारी विरोध

**इस्लामाबाद ।** पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रविवार को सरकार के वित्त विधेयक 2024 को अपनी मंजूरी दी। विपक्षी ने इसका विरोध करते हुए इसे आईएमएफ द्वारा संचालित दस्तावेज करार दिया था। विपक्ष ने कहा कि यह जनता के लिए नुकसानदेह है। वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने 12 जून को नेशनल असेंबली में बजट पेश किया था। जिसका विपक्षी दलों खासकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने विरोध किया था। साथ ही सत्तारूढ़ गठबंधन सहयोगी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने भी इसकी आलोचना की थी। संसद ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 18,877 अरब रुपये का बजट पारित किया। इसमें सरकार के व्यय और आय का विवरण था। विपक्षी दलों ने बजट को यह कहते हुए खारिज किया था कि इससे बहुत ज्यादा महंगाई होगी। नेशनल असेंबली के सत्र के दौरान विपक्षी सांसदों ने बजट की आलोचना करते हुए कहा था कि इसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा तय किया गया है। विपक्ष के नेता उमर अयूब खान ने बजट की निंदा करते हुए इसे लोगों के खिलाफ आर्थिक आतंकवाद करार दिया था। इस हफ्ते की शुरुआत में पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व वाली पीपीपी ने फैसला किया कि वह कुछ आपत्तियों के बावजूद वित्त विधेयक के लिए मतदान करेगी। पीपीपी ने शुरुआत में बजट का विरोध किया था।नेशनल असेंबली में कुछ संशोधन के साथ बजट पारित किया गया। विपक्ष ने इसके खिलाफ आक्रामक भाषण दिए और बजट को अवास्तविक, जनविरोधी, उद्योग विरोधी और कृषि विरोध बताया।

### पोर्ट ब्लेयर एयरपोर्ट पर पहली नाइट लैंडिंग, एयर इंडिया का विमान रात में सुरक्षित उतारा गया

**नई दिल्ली ।** एयर इंडिया का एयरबस ए321 आईएनएस उत्क्रोश पर उतरा। इस विमाान में 68 यात्री सवार थे। दरअसल, आईएनएस उत्क्रोश अंडमान और निकोबार कमांड के अधीन है। यह पोर्ट ब्लेयर में वीर सावरकर अंतर्राष्टीय हवाई अड्डे के परिसर में ही स्थित है। इस हवाई अड्डे पर रात के पहली बार लैंडिंग कराई गई है। एयर इंडिया का विमान पहली बार यहां सफलतापूर्वक उतरा है। एयर इंडिया का विमान शाम 5 : 40 बजे कोलकाता से रवाना किया गया। जो कि शाम 7 : 34 पर पोर्ट ब्लेयर पर उतरा। अंडमान और निकोबार कमांड ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान यात्रियों को उतारने के लिए वीर सावरकर अंतर्राष्टीय टर्मिनल की ओर बढ़ाया गया। अंडमान निकोबार कमांड के अधिकारियों के अनुसार रात में यह सफल लैंडिंग अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लिए हवाई संपर्क बढ़ाने, द्वीपवासियों को लाभ पहुंचाने और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ऐतिहासिक घटना पिछले कुछ वर्षों में भारतीय नौसेना, अंडमान और निकोबार कमांड (एएनसी) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के लगातार प्रयासों से संभव हो पाई है।

### मुंबई और दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे प्राइम प्रॉपर्टी के दाम : रिपोर्ट

**नई दिल्ली।** भारत की अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले काफी अच्छा है। इसका असर दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों की प्रॉपर्टी के दामों पर भी देखने को मिला है। इस वर्ष की पहली तिमाही में दिल्ली और मुंबई की प्राइम प्रॉपर्टी की कीमत में तेज वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नाइट फ्रैंक की प्राइम ग्लोबल सिटीज इंडेक्स क्यू1 2024 रिपोर्ट में बताया गया कि जनवरी से मार्च के बीच सालाना आधार पर मुंबई में प्रॉपर्टी की कीमत में 11.5 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला है। वहीं, दिल्ली की घरों की कीमतों में सालाना आधार पर 10.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। दुनिया के शीर्ष 44 शहरों की प्रॉपर्टी कीमतों के आधार पर तैयार की गई इस रिपोर्ट में बताया गया कि 26.2 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ मनीला टॉप पर था। इसके बाद टोक्यो का नाम आता है।

# ईडी ने धनशोधन मामले में माकपा की भूमि बैंक में पड़े 73 लाख जब्त किए, पार्टी ने आरोपों को किया खारिज

**नई दिल्ली,30 जून (एजेंसियां) ।**

**प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक घोटाले से जुड़ी धन शोधन की जांच के तहत केरल में एक भूखंड और माकपा के 73 लाख रुपये के बैंक जमा को कुर्क किया है। हालांकि, सीपीआई (एम) ने गलत काम और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से इनकार किया है। सूत्रों ने बताया कि इन संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों में केरल के त्रिशूर जिले में 10 लाख रुपये मूल्य का एक भूखंड और राजनीतिक दल के पांच अघोषित बैंक खातों में जमा 63 लाख रुपये शामिल हैं। माकपा ने ईडी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि एजेंसी द्वारा करोड़ों रुपये के कथित करुवन्नूर बैंक घोटाले से जुड़े मामले में एजेंसी को आरोपी बनाए जाने के किसी भी प्रयास के खिलाफ वह कानूनी एवं राजनीतिक लड़ाई लड़ेगी।**

पार्टी के प्रदेश सचिव एमवी गोविंदन ने आरोप लगाया कि ईडी राजनीतिक कारणों से विभिन्न मामलों में विपक्षी दलों और उनके नेताओं को आरोपी बनाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने केंद्रीय एजेंसी पर झूठे आरोप लगाने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया क्योंकि वह पार्टी के खिलाफ कोई सबूत इकट्ठा करने में विफल रही है। ईडी का मानना है कि उसके द्वारा कुर्क की गई भूमि माकपा पार्टी कार्यालय के लिए थी और इसे करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक द्वारा स्वीकृत ऋण के लाभार्थियों या कर्जदारों से कथित रिश्वत का उपयोग करके खरीदा गया था। एजेंसी ने इस मामले में कम से कम दो आरोपियों के इकबालिया बयानों पर भरोसा किया है, जिन्होंने न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज अपने बयानों में दावा किया है कि बैंक में कथित अनियमितताएं माकपा (माकपा) त्रिशूर जिला समिति के नेताओं के इशारे पर रची गई थीं। गोविंदन ने कहा कि पार्टी इकाइयों के कार्यालय और अन्य संपत्तियों का पंजीकरण संबंधित जिला समितियों के नाम पर करने की दशकों पुरानी परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी की स्थानीय समितियों में से एक की ओर से बनाए गए कार्यालय में आखिर पार्टी की क्या भूमिका हो सकती है। उन्होंने दावा किया कि लेकिन ईडी अब पार्टी की एक इकाई की संपत्ति के नाम पर माकपा की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, हम कानूनी और राजनीतिक रूप से लड़ेंगे। हमें इस संबंध में अब तक कोई नोटिस नहीं मिला है। ईडी ने इस मामले में 55 आरोपियों के खिलाफ पिछले साल नवंबर में आरोपपत्र दायर किया था। एजेंसी ने अपनी अभियोजन शिकायत (ईडी के आरोपपत्र के बराबर) में अदालत को यह भी बताया था कि उसने इस मामले में करीब 100 करोड़ रुपये की 120 से अधिक संपत्तियां कुर्क की हैं। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला केरल पुलिस (क्राइम ब्रांच) द्वारा त्रिशूर में दर्ज 16 एफआईआर से उपजा है। त्रिशूर स्थित माकपा नियंत्रित बैंक में 2010 में शुरू हुए इस कथित धोखाधड़ी के मामले ने राज्य में राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था और पार्टी ने कहा था कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया है। ईडी ने कहा है कि मामले में उसकी जांच में पाया गया कि बैंक प्रबंधक द्वारा बैंक को संचालित करने वाले कुछ व्यक्तियों, जो एक निश्चित राजनीतिक दल के जिला स्तर के नेता और समिति के सदस्य थे, के निर्देश पर बैंक प्रबंधक द्वारा गैर-सदस्य बेनामी लोगों को नकद में ऋण वितरित किए गए और गरीब सदस्यों की संपत्तियों को उनकी जानकारी के बिना गिरवी रख दिया गया और आरोपियों के लाभ के लिए इसे वैध बनाया गया। बैंक की ओर से सोसायटी के सदस्यों की जानकारी के बिना एक ही संपत्ति के खिलाफ कई बार फर्जी ऋण मंजूर किए गए थे। एजेंसी ने पहले एक बयान में कहा था कि जांच से यह भी पता चला है कि अन्य सदस्यों के नाम पर संपत्ति के मूल्यांकन के बदले गैर-सदस्यों को बेनामी ऋण मंजूर किए गए थे और इस तरह के ऋण कोष को आरोपी लाभार्थियों द्वारा गबन और धनशोधन किया गया। ईडी इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

# भारतीय स्टार्टअप्स पर बरस रहा पैसा, एक हफ्ते में हुई 17 डील, जुटाए करोड़ों डॉलर

**नई दिल्ली,30 जून (एजेंसियां) ।**

इस सप्ताह 17 भारतीय स्टार्टअप्स ने 17 सौदों के जरिये 19.64 करोड़ डॉलर की फंडिंग जुटाई है। यह राशि इससे पिछले सप्ताह के मुकाबले 75 प्रतिशत कम है। इंक42 की एक रिपोर्ट के अनुसार, इससे पिछले सप्ताह भारतीय स्टार्टअप्स ने 21 सौदों के जरिये 80 करोड़ डॉलर से ज्यादा की राशि जुटाई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एबीएफसी) नार्दर्न एआरसी ने सबसे ज्यादा 7.5 करोड़ डॉलर की राशि जुटाई है। यह राशि गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर्स (एनसीडी) के जरिये जुटाई गई है। इस सप्ताह फिनटेक सेक्टर ने सबसे ज्यादा निवेशकों को आकर्षित किया है और इस सेक्टर के स्टार्टअप्स ने तीन सौदों के जरिये 7.74 करोड़ डालर की राशि जुटाई है। ई-कामर्स सेक्टर के स्टार्टअप्स ने पांच सौदों के जरिये 4.83 करोड़ डॉलर और एंटरप्राइजेज टेक स्टार्टअप्स ने तीन सौदों से 2.58 करोड़ डॉलर की राशि जुटाई है। रियल एस्टेट टेक स्टार्टअप ने दो करोड़ डॉलर जुटाए हैं।

### फिनटेक स्टार्टअप का भविष्य उज्ज्वल

भारत के फिनेटक सेक्टर में 30 स्टार्टअप आगे चलकर यूनिकॉर्न बन सकती हैं यानी उनका वैल्यूएशन 1 अरब डॉलर के पार पहुंच सकता है। फिनटेक सेक्टर में कंज्यूमर लेंडिंग सबसे प्रमुख सब-कैटेगरी बनकर उभरी है। हुरून इंडिया की एक रिपोर्ट बताती है कि आने वाले समय में आधे से अधिक फिनटेक यूनिकॉर्न इसी सब-कैटेगरी की होंगी। यूनिकॉर्न की संभावना वाला दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर (सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस) है। इसमें 20 स्टार्टअप के यूनिकॉर्न बनने के आसार हैं। स्टार्टअप्स ने कुल मिलाकर 2.1 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई है। इससे जाहिर होता है कि निवेशकों को इस सेक्टर से भी काफी उम्मीदें हैं। ई-कॉमर्स सेक्टर में आगे चलकर 15 यूनिकॉर्न बन सकते हैं। इनकी कुल वैल्यू फिलहाल 6 अरब डॉलर है। ई-कॉमर्स स्टार्टअप्स ने कुल 2.4 अरब डॉलर जुटाए हैं।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### मुस्लिमों को ...

एससी कैटेगरी का लाभ दिया गया। ऐसे 341 मुस्लिम लाभार्थियों की जानकारी सामने आ रही है, जिसकी छानबीन की जा रही है। 2016 में सहसपुर ग्राम के निवर्तमान प्रधान अनीस अहमद की पत्नी इशरत जहां उस समय ग्राम प्रधान थी। अनीस अहमद द्वारा जो दस्तावेज पिछले चुनाव के दौरान लगाए गए थे वह भी फर्जी पाए गए, क्योंकि वह खुद मूल रूप से उत्तराखंड के नहीं बल्कि यूपी के सहारनपुर के निवासी थे। इसकी भी जांच पड़ताल चल रही है। 2016 से पहले से ही पर्वतीय प्रदेश में बाहर से आए मुसलमानों को अवैध रूप से बसाने का षड्यंत्र चलता चला आ रहा है। ग्राम सभाओं की जमीनों का फर्जीवाड़ा चल रहा है। जिसकी जांच भी की जा रही है।उत्तराखंड शासन के अधिकारी ने कहा कि प्राथमिक तौर पर अभी केवल देहरादून के सहसपुर ग्राम का मामला पकड़ में आया है। हमें यह जानकारियां मिल रही हैं कि पूरे उत्तराखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में मुस्लिमों को बसाने और आरक्षण के तहत उन्हें केंद्र और राज्य पोषित योजनाओं का लाभ दिए जाने की गतिविधियां हुई हैं। ऐसे कई मामले प्रकाश में आ रहे हैं जहां ग्राम प्रधानों ने मुस्लिम आबादी को बाहर से लाकर यहां कब्जा कराने और उनके फर्जी दस्तावेज बना कर उन्हें कानूनी आधार देने का षड्यंत्र रचा गया और उनकी कैटेगरी में बदलाव किए गए। सहसपुर, के साथ-साथ जीवन गढ़, तिमली, हसनपुर कल्याणपुर, केदाखाला, सरबा, सभावाला, शंकरपुर आदि ग्राम जो राज्य बनने के वक्त हिंदू बहुल थे वो अब मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में बदल गए हैं।गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि उत्तराखंड की तरह पूरे देश में कांग्रेस ने ऐसी हरकतें की हैं और अब आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से अधिक करने की मांग कर रही है। कांग्रेस ने रविवार को कहा कि संसद को एक कानून पारित करना चाहिए, ताकि आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से अधिक हो सके। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्षी पार्टी कहती रही है कि एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण से जुड़े राज्य के सभी कानूनों को नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाना चाहिए। रमेश ने कहा, आरक्षण कानूनों को 50 फीसदी की सीमा से परे नौवीं अनुसूची में लाना भी कोई समाधान नहीं है, क्योंकि 2007 के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार ऐसे कानून न्यायिक समीक्षा के अधीन हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए संविधान संशोधन कानून की जरूरत है। कांग्रेस नेता ने कहा, ऐसी स्थिति में संसद के पास एकमात्र रास्ता यही है कि वह संविधान संशोधन विधेयक पारित करे, जिससे एससी, एसटी और ओबीसी के लिए आरक्षण 50 फीसदी से ज्यादा हो सके।

### लापरवाही का....

भाजपा के जनाधार को लेकर हुई समीक्षा बैठकों और तैयार हुई रिपोर्ट में कई महत्वपूर्ण बिंदु सामने आए हैं। इसमें तीन मुद्दे ऐसे हैं जिन पर आम सहमति यह बनी कि अगर इनको वक्त से पहले समझ लिया गया होता, तो प्रदेश में यह स्थिति नहीं होती। ठीक इसी तरह महाराष्ट्र में भी हुई हार की समीक्षा में कई महत्वपूर्ण और चौंकाने वाली जानकारियां सामने आई हैं।

जिन राज्यों में पार्टी को लोकसभा चुनाव में नुकसान हुआ है, उसमें उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र शामिल हैं। दोनों राज्यों में कम सीटों को लेकर अलग-अलग स्तर पर समीक्षाएं की जा रही हैं। उत्तर प्रदेश में आईं कम सीटों के लिए कई बिंदु सामने आए हैं। इसमें तीन महत्वपूर्ण बिंदु ऐसे हैं जिन पर समीक्षकों की राय यही है कि इनको वक्त रहते अगर समझा जाता, तो शायद स्थिति कुछ और होती। इसमें पहला और महत्वपूर्ण बिंदु यही है कि दोबारा मिले सांसदों के टिकट पर विधायकों की न तो राय मिल सकी और न उनकी ओर से उतनी मदद की गई। नतीजा यह हुआ कि लोकसभा के प्रत्याशी चुनाव तो लड़ते रहे, लेकिन उनके क्षेत्र में आने वाले कई विधायकों ने अंदरखाने मजबूती से विरोध किया। हारी हुई सभी लोकसभा सीटों पर इस बात का आकलन किया जा चुका है कि किस विधायक ने पार्टी के प्रत्याशी का विरोध किया।यह भी जानने की कोशिश की गई कि विरोध करने की वजह क्या रही। क्या तत्कालीन सांसद या प्रत्याशी का व्यवहार उस तरह का नहीं रहा, जिससे उसकी पार्टी के जन प्रतिनिधि मदद करते। ऐसी दशा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता के साथ-साथ उनका प्रत्याशी के प्रति मदद न करने का रवैया पार्टी के लिए बड़े स्तर पर नुकसानदायक रहा। इसके अलावा महत्वपूर्ण बात यह भी निकल कर सामने आई कि जिस तरीके से संविधान के मामले पर विपक्ष ने दलितों को एकजुट किया, उसमें पार्टी अपना पक्ष मजबूती से नहीं रख सके। जो समीक्षा रिपोर्ट तैयार हुई है, उसमें इस बात का जिक्र किया गया है कि दलित वोट बैंक संविधान के मामले पर भाजपा से छिटकता रहा। इस मामले में जो डैमेज कंट्रोल शुरू हुआ वह अंत तक संभाला नहीं जा सका। इसके साथ ही ओबीसी वोटर में भी मजबूत सेंधमारी हुई। इस सेंधमारी का नतीजा यह हुआ कि पार्टी से जुड़े कार्यकर्ता अन्य दलों की ओर चले गए। जो समीक्षा रिपोर्ट तैयार की गई है, उसमें इस बात का भी जिक्र है कि अफसरशाही के निरंकुश होने से पार्टी को अच्छा खासा नुकसान हुआ। इसे लेकर लगातार स्थानीय जन प्रतिनिधियों की ओर से अलग-अलग मौकों पर आवाज भी बुलंद की जाती रही थी। जानकारी के मुताबिक, दो दिन पहले भारतीय जनता पार्टी की कोर कमेटी की बैठक उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हुई थी। उसके बाद तैयार की गई समीक्षा रिपोर्ट को केंद्रीय नेतृत्व के साथ साझा भी किया गया है। उत्तर प्रदेश में हार की वजहों की समीक्षा के बाद अगली रणनीति तैयार की जा रही है।उत्तर प्रदेश के साथ-साथ महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के कमजोर प्रदर्शन की भी समीक्षा की जा चुकी है। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी के कमजोर प्रदर्शन की प्रमुख वजहों में सहयोगी दलों के संगठनात्मक स्तर के ढांचे का उतनी मजबूती से न होने की बात सामने आई है। शिवसेना और एनसीपी ने मजबूती से उनके साथ चुनाव तो लड़ा, लेकिन यह लोकसभा चुनाव होने तक दोनों दल पूरे प्रदेश में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की प्रक्रिया से गुजर रहे थे। कहा यही जा रहा है कि प्रत्याशियों के चयन से लेकर सहयोगियों की मदद तक में कमी हुई।

### नीट की...

द्वारा आयोजित की जाती है।आईआईटी और इंजीनियरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन या जेईई एडवांस्ड की तरह ही कंप्यूटर-बीआरडी टेस्ट को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। पता चला है कि पिछले एक सप्ताह में बुलाई गई कम से कम तीन उच्च-स्तरीय बैठकों में इस पर चर्चा की गई। 22 जून को केंद्र ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में सात सदस्यीय पैनल का गठन किया। इसके तहत इसरो अध्यक्ष के. राधाकृष्णन को परीक्षण प्रक्रियाओं और डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार की सिफारिश करने तथा एनटीए की संरचना और कार्यप्रणाली की समीक्षा करने के लिए एक समिति गठित की गई है।संयोग से 2018 में तत्कालीन शिक्षा मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने घोषणा की थी कि 2019 से नीट ऑनलाइन और साल में दो बार आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा औपचारिक परामर्श के बिना इसकी घोषणा पर आपत्ति जताए जाने के बाद शिक्षा मंत्रालय को यह निर्णय वापस लेना पड़ा। कंप्यूटर-बीआरडी टेस्ट से संबंधित स्वास्थ्य मंत्रालय की चिंता यह थी कि इससे गरीब और ग्रामीण छात्रों को नुकसान होगा। ऑनलाइन मोड पर स्विच करने का अंतिम फैसला राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को लेना है। एनएमसी ने भी माना कि ऑनलाइन परीक्षा एक गंभीर विकल्प है। इस बदलाव में चुनौतियां हैं क्योंकि कंप्यूटर-बीआरडी परीक्षण में सामान्यीकरण शामिल होता है, क्योंकि पेपर के कई संस्करण होंगे।

### बैंक से फ्रॉड....

पीपी, अरविंदाक्षन और जिल्स को मिला था, जिन्हें पीएमएलए एक्ट के तहत ईडी ने गिरफ्तार कर लिया है।

गौरतलब है कि मामले की जांच के दौरान जांच एजेंसी ईडी ने तीन सेंट समेत सीपीएम की स्थानीय कमेटियों के 8 अघोषित अकाउंट से 63.62 लाख रुपए जब्त कर लिए हैं। इसके अलावा जांच एजेंसी ने बिजॉय नाम के आरोपी के पास से 30.7 करोड़ रुपए की रकम को जब्त किया है। वहीं फर्जी कर्ज ले चुके लोगों से भी ईडी ने कुल 57.79 रुपए बरामद किए हैं। जब्त की गई कुल सम्पत्तियों का मूल्य 117.78 करोड़ यानि एक अरब से भी ज्यादा का आंका गया है।केंद्रीय एजेसी ने खुलासा किया है कि बैंक में धोखाधड़ी को लेकर अहम निष्कर्ष ये निकला है कि सचिव, शासी निकाय और तत्कालीन बैंक प्रबंधक ने सीपीएम की जिला समिति के साथ मिलकर बेनामी कर्ज निकाला था। एक से अधिक लोगों ने एक ही संपत्ति को बार-बार जमानत के तौर पर भी रखकर धोखाधड़ी की है।

### ओवैसी के...

कि वे संविधान के अनुच्छेद 102 और 103 के तहत कार्रवाई करते हुए ओवैसी की संसद सदस्यता रद्द कर दें। संविधान के अनुच्छेद 102 में वह स्थितियां बताई गई हैं, जिनके अंतर्गत किसी संसद सदस्य को अयोग्य घोषित किया जा सकता है। अनुच्छेद 102 के भाग-घ में वर्णित है कि ऐसे संसद सदस्य को अयोग्य घोषित किया जा सकता है जो भारत का नागरिक नहीं है या उसने किसी दूसरे राष्ट्र की नागरिकता ले ली है। इसके अलावा उसे इस आधार पर भी अयोग्य घोषित किया जा सकता है यदि वह दूसरे राष्ट्र के प्रति श्रद्धा रखता है। संविधान का अनुच्छेद 103 राष्ट्रपति को यह अधिकार देता है कि वह अनुच्छेद 102 के तहत किसी संसद सदस्य को अयोग्य ठहरा सकता है। इसमें कहा गया है कि यदि अनुच्छेद 102 के तहत अयोग्यता का मामला उठता है तो इस मामले को राष्ट्रपति के समक्ष भेजा जाना चाहिए और राष्ट्रपति का निर्णय ही अंतिम निर्णय होगा। इसी अनुच्छेद में कहा गया है कि अयोग्य घोषित करने के लिए राष्ट्रपति चुनाव आयोग की सलाह लेगा और यथानुरूप निर्णय लेगा।

### जनरल उपेंद्र....

राइफल्स में कमीशन मिला था। उन्हें करीब 40 साल का अनुभव है। अपनी लंबी और विशिष्ट सेवा के दौरान उन्होंने कई कमांड, स्टाफ और इंस्ट्रक्शनल में काम किया है। लेफ्टिनेंट उपेंद्र द्विवेदी की कमांड नियुक्तियों में रेजिमेंट 18 जम्मू और कश्मीर राइफल्स, ब्रिगेड 26 सेक्टर असम राइफल्स, आईजी, असम राइफल्स (पूर्व) और 9 कोर की कमान शामिल हैं।

लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सेना के उपप्रमुख के रूप में नियुक्त होने से पहले 2022-2024 तक महानिदेशक इन्फैंट्री और जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (मुख्यालय उत्तरी कमान) सहित कई अहम जिम्मेदारियां संभाली हैं। जनरल द्विवेदी ने 13 लाख कर्मियों वाली सेना का प्रभार ऐसे समय संभाला है, जब भारत चीन से लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) सहित विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहा है। सेना प्रमुख के रूप में उन्हें थिएटर कमांड शुरू करने की सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पर नौसेना और भारतीय वायु सेना के साथ समन्वय करना होगा।लेफ्टिनेंट द्विवेदी की पढ़ाई सैनिक स्कूल रीवा, नेशनल डिफेंस कॉलेज और यूएस आर्मी वॉर कॉलेज से हुई है। उन्होंने डीएसएससी वेलिंगटन और आर्मी वॉर कॉलेज (महू) से भी कोर्स किया है। इसके अलावा उन्हें यूएसएडब्ल्यूसी, कार्लिस्ले, अमेरिका में प्रतिष्ठित एनडीसी समकक्ष पाठ्यक्रम में विशिष्ट फेलो से सम्मानित किया गया। उनके पास रक्षा और प्रबंधन अध्ययन में एम फिल और सामरिक अध्ययन और सैन्य विज्ञान में दो मास्टर डिग्री हैं। लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम), अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम) और तीन जीओसी-इन-सी प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया है।

### थलसेना और ...

प्रदेश के सैनिक स्कूल रीवा से एक साथ पढ़ाई की। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता भारत भूषण बाबू ने भी कहा, दोनों विलक्षण प्रतिभाओं को शिक्षित करने का यह सम्मान सैनिक स्कूल रीवा को जाता है, जो 50 साल बाद अपनी-अपनी सेनाओं का नेतृत्व करेंगे। एडमिरल त्रिपाठी ने 1 मई को भारतीय नौसेना की कमान संभाली। जनरल द्विवेदी ने 30 जून को अपनी जिम्मेदारी संभाली।

### अब देश में ....

तहत राजद्रोह को एक नया शब्द देशद्रोह मिला है यानी ब्रिटिश काल के शब्द को हटा दिया गया है। भारतीय न्याय संहिता में अध्याय 7 में राज्य के विरुद्ध अपराधों कि श्रेणी में देशद्रोह को रखा गया है। आईपीसी की धारा 144 घातक हथियार से लैस होकर गैरकानूनी सभा में शामिल होना के बारे में थी। इस धारा को भारतीय न्याय संहिता के अध्याय 11 में सार्वजनिक शांति के विरुद्ध अपराध की श्रेणी में रखा गया है। अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 187 गैरकानूनी सभा के बारे में है।पहले किसी की हत्या करने वाला धारा 302 के तहत आरोपी बनाया जाता था। अब ऐसे हत्या के अपराधियों को धारा 101 के तहत सजा मिलेगी। नए कानून के अनुसार, हत्या की धारा को अध्याय 6 में मानव शरीर को प्रभावित करने वाले अपराध कहा जाएगा। नए कानून के अस्तित्व में आने से पहले हत्या करने के प्रयास में दोषी को आईपीसी की धारा 307 के तहत सजा मिलती थी। अब ऐसे दोषियों को भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत सजा सुनाई जाएगी। इस धारा को भी अध्याय 6 में रखा गया है।बलात्कार से जुड़े अपराध में सजा को पहले आईपीसी की धारा 376 में पारिभाषित किया गया था। भारतीय न्याय संहिता में इसे अध्याय 5 में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध की श्रेणी में जगह दी गई है। नए कानून में दुष्कर्म से जुड़े अपराध में सजा को धारा 63 में परिभाषित किया गया है। वहीं सामूहिक दुष्कर्म को आईपीसी की धारा 376 डी को नए कानून में धारा 70 में शामिल किया गया है।पहले मानहानि के मामले में आईपीसी की धारा 399 इस्तेमाल की जाती थी। नए कानून में अध्याय 19 के तहत आपराधिक धमकी, अपमान, मानहानि, आदि में इसे जगह दी गई है। मानहानि को भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 में रखा गया है। भारतीय न्याय संहिता में धोखाधड़ी या ठगी का अपराध 420 में नहीं, अब धारा 316 के तहत आएगा। इस धारा को भारतीय न्याय संहिता में अध्याय 17 में संपत्ति की चोरी के विरुद्ध अपराधों की श्रेणी में रखा गया है।दंड प्रक्रिया संहिता यानी सीआरपीसी की जगह अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ने ले ली है। सीआरपीसी की 484 धाराओं के बदले भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में 531 धाराएं हैं। नए कानून के तहत 177 प्रावधान बदले गए हैं जबकि नौ नई धाराएं और 39 उपधाराएं जोड़ी हैं। इसके अलावा 35 धाराओं में समय सीमा तय की गई है। नए भारतीय साक्ष्य अधिनियम में 170 प्रावधान हैं। इससे पहले वाले कानून में 167 प्रावधान थे। नए कानून में 24 प्रावधान बदले हैं।

# भगवान जगन्नाथ ने हनुमान जी को जंजीरों से बांध दिया था, यह था कारण

ओडिशा स्थित पुरी धाम में भगवान जगन्नाथ विराजमान है। भगवान जगन्नाथ के मंदिर से जुड़ी कई रहस्यमयी कथाएं प्रचलित हैं। लेकिन, इस मंदिर के आसपास कई रहस्यमयी मंदिर भी हैं, जिनमें से एक हनुमान जी का मंदिर भी है, जहां उनकी मूर्ति जंजीरों में कैद करके रखी गई है। इस मंदिर को बेड़ी हनुमान मंदिर के नाम से जाना जाता है। आज हम आपको बेड़ी हनुमान मंदिर पुरी से जुड़ी पौराणिक कथा बताने जा रहे हैं।

### बेड़ी हनुमान मंदिर पुरी से जुड़ी कथा

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, एक बार सभी देवता, मनुष्यों और गंधर्वों को भगवान जगन्नाथ के दर्शन की इच्छा हुई। सभी भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए पुरी धाम पहुंचे। सभी को दर्शन के लिए जाते देख समुद्र को भी दर्शन की इच्छा हुई और उसने कई बार मंदिर में प्रवेश करने का प्रयास किया, जिससे मंदिर और भक्तों को बहुत कष्ट हुआ।

जब समुद्र ने कई बार मंदिर और वहां आने वाले भक्तों को नुकसान पहुंचाया, तो सभी भक्तों ने भगवान जगन्नाथ से इस समस्या का समाधान करने का अनुरोध किया। समुद्र की भगवान के दर्शन की इच्छा के कारण भक्तों के लिए भगवान के दर्शन करना संभव नहीं था। तब भगवान जगन्नाथ ने समुद्र पर नियंत्रण करने के लिए हनुमान जी को कहा। हनुमान जी ने समुद्र को बांध दिया। इसी कारण पुरी का समुद्र शांत रहता है।

### समुद्र ने दी हनुमान जी को चुनौती

ऐसा माना जाता है कि हनुमान जी भगवान जगन्नाथ की आज्ञा का पालन करते हुए दिन-रात समुद्र की पहरेदारी करते थे। इससे समुद्र का मंदिर में प्रवेश करना कठिन हो गया। हनुमान जी की भक्ति का लाभ उठाने के लिए समुद्र ने बड़ी चतुराई से उन्हें चुनौती देते हुए पूछा कि आप कैसे भगवान के भक्त हैं, जो कभी दर्शन करने नहीं जाते। भगवान जगन्नाथ के अनूठे सौन्दर्य का गुणगान करने का आपका मन नहीं होता। तब हनुमान जी ने भी सोचा कि बहुत समय हो गया, क्यों न आज प्रभु के दर्शन कर लिए जाएं।

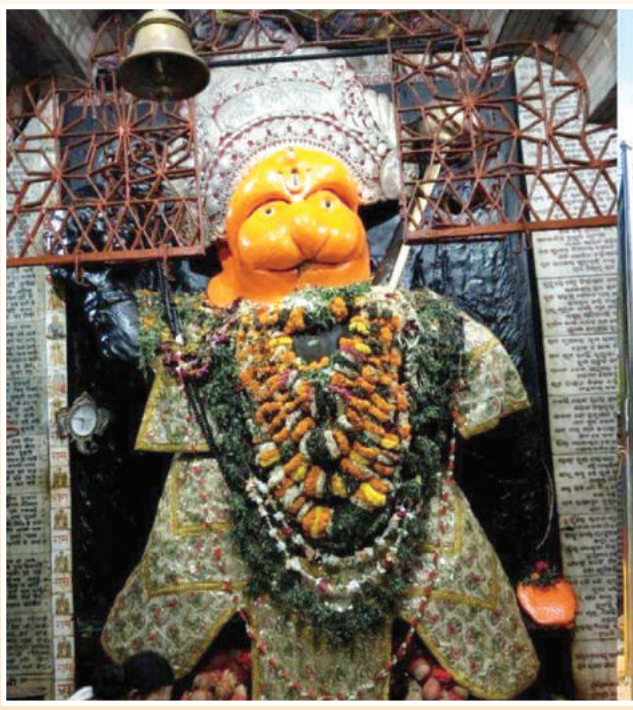

### भगवान जगन्नाथ हो गए थे नाराज

कथा के अनुसार, समुद्र के उकसाने पर हनुमान जी भी भगवान जगन्नाथ के दर्शन करने चले गए। तब समुद्र भी उनके पीछे चलने लगा। इस प्रकार पवनपुत्र जब-जब मंदिर में जाते, समुद्र भी उनके पीछे-पीछे चलने लगता। इस तरह मंदिर को फिर से क्षति होने लगी। तब हनुमान जी की इस आदत से क्रोधित होकर जगन्नाथ जी ने उन्हें सोने की बेड़ी से बांध दिया। कहा जाता है कि जगन्नाथ पुरी में समुद्र तट पर बेड़ी हनुमान जी का प्राचीन मंदिर वही स्थान है, जहां उन्हें भगवान ने बांधा था।

# व्यक्ति में ये 3 लक्षण बताते हैं कि भाग्य में बेइंतहा धन मिलेगा या नहीं

विदुर नीति, महाभारत के महान ऋषि विदुर द्वारा रचित नीतिशास्त्र का एक ग्रंथ है। यह नीतिशास्त्र राजनीति, जीवन दर्शन, नैतिकता, व्यवहार और सफलता के बारे में ज्ञान प्रदान करता है। विदुर नीति को महाभारत का पांचवां रत्न भी माना जाता है। यह 12 अध्यायों में विभाजित है, जिनमें अलग-आलग विषयों पर नीतियां और शिक्षाएं दी गई हैं। क्या आप जानते हैं कि आपके पास अपार धन दौलत होगी या नहीं ये आप आसनी से अपने अंदर इन 3 लक्षणों को देखकर जान सकते हैं। विदुर जी की नीतियों का अध्ययन प्रत्येक मनुष्य को करना चाहिए, क्योंकि ये नीतियां किसी भी व्यक्ति को बुद्धिमान और सफल बना सकती हैं। जानिए महात्मा विदुर के बताए तीन लक्षण कौन से हैं और बन जाइए धनवान।

महात्मा विदुर अपने श्लोक में कहते हैं- यस्य कृत्यं न जानन्ति मन्त्रं वा मन्त्रितं परे कृतमेवास्य जानन्ति स वै पण्डित उच्यते इस श्लोक में उन तीन लक्षणों के बारे में बताया है सबसे पहला लक्षण है कार्य को गुप्त रखना। महात्मा विदुर जी के अनुसार जो व्यक्ति अपना महत्वपूर्ण कार्य हमेशा ही गुप्त रखकर करता है उसे उस कार्य में निश्चित ही सफलता मिलती है। जो मनुष्य अपना काम हमेशा गुप्त रख कर करता है, दूसरों को उसके कार्य के बारे में भनक भी लगने नहीं देता तो उसका वह कार्य सिद्ध हो जाता है। उसका वह कार्य कभी निष्फल नहीं होता। उसे उस काम का फल जरूर मिलता है। अगर आप कोई नया काम शुरू करना चाहते हैं अथवा कोई व्यवसाय करने जा रहे हैं तो उस व्यवसाय को शुरू करने से पहले उसके बारे में कभी दूसरों को ना बताएं।

दूसरा लक्षण होता है अपने व्यवहार का पता चलने न देना। विदुर जी के अनुसार, जीस व्यक्ति को देखने पर भी उसके व्यवहार का पता दूसरों को नहीं चलता। वह व्यक्ति बहुत ही बुद्धिमान और चतुर होता है। वह निश्चित ही संसार में कीर्ति प्राप्त करता है। एक मनुष्य को ऐसे रहना चाहिए कि उसे देखकर कोई भी उसके बारे में अनुमान न लगा पाएं, जैसे आपको देखकर लोग आपकी परिस्थिति का, आपकी मानसिकता का अथवा आपके विचारों का पता न लगा पाए। तभी आप एक बहुत ही बुद्धिमान व्यक्ति हैं। जो लोग दूसरों को अपने व्यवहार का पता चलने देते हैं, वे लोग बहुत ही छोटी सोच वाले होते हैं जैसे महंगे और चमकीले कपड़े पहन कर सोने के गहने धारण करके खुद को अमीर दिखाने का प्रयास करते हैं।

तीसरा लक्षण है सलाह देना, विदुर जी कहते हैं, एक बुद्धिमान व्यक्ति में यह लक्षण होता है कि वह कभी दूसरों को बिना मांगे कोई सलाह नहीं देता है। एक मूर्ख व्यक्ति छोटी-छोटी बातों पर दूसरों को सलाह देने लगता है। वह दूसरों की हमेशा गलतियां निकालता रहता है और उन पर अपनी बातें थोपने लगता है। बुद्धिमान लोग कभी दूसरों की गलतियां नहीं निकालते और कभी दूसरों को खुद से सलाह देने नहीं जाते हैं। अगर कोई उनके पास सलाह मांगने आता है तो कम शब्दों में उचित सलाह देने का प्रयास करते हैं। सलाह भी उसी को देनी चाहिए जो उसके योग्य हो। किसी मूर्ख को सलाह देने पर वह आपको ही हानि पहुंचा सकता है।

# इस हफ्ते होगी जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत

## मासिक शिवरात्रि समेत मनाए जाएंगे ये व्रत-त्योहार

इस साल जुलाई का महीना व्रत और त्योहारों के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। जुलाई माह से ही भगवान विष्णु चार माह की निद्रा पर चले जाते हैं और इस दौरान सृष्टि की संपूर्ण सृष्टि का कार्यभार भगवान शिव के हाथों में आ जाता है। इसी महीने सावन की शुरुआत होती है।

जुलाई के पहले हफ्ते में जगन्नाथ रथ यात्रा की शुरुआत हो रही है। इस महीने की शुरुआत से ही व्रत-त्योहार शुरू हो जाएंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, आषाढ़ माह के सभी त्योहार बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। आइए, जानते हैं कि जुलाई 2024 के पहले हफ्ते में कौन-से व्रत-त्योहार आ रहे हैं।

**2 जुलाई 2024 (मंगलवार) – योगिनी एकादशी**

बता दें कि जुलाई महीने में 3 एकादशी मनाई जाने वाली हैं। इसमें आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की योगिनी एकादशी, आषाढ़ माह की देवशयनी एकादशी और सावन माह की कामिका एकादशी शामिल हैं। योगिनी एकादशी व्रत 2 जुलाई को रखा जाएगा। आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 01 जुलाई को सुबह 10 बजकर 26 मिनट पर शुरू होगी।

**3 जुलाई 2024 (बुधवार) – प्रदोष व्रत**

प्रदोष व्रत हर माह में दो बार पड़ता है। पहला कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर और दूसरा शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर। जुलाई में त्रयोदशी तिथि 3 जुलाई, बुधवार को सुबह 07.10 मिनट पर शुरू होगी, जो कि 4 जुलाई, गुरुवार को सुबह 05.54 मिनट पर समाप्त होगी। इस तरह प्रदोष व्रत 3 जुलाई को रखा जाएगा।

**4 जुलाई 2024 (गुरुवार) – मासिक शिवरात्रि**

आषाढ़ माह की मासिक शिवरात्रि बहुत महत्व रखती है। हर माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मासिक शिवरात्रि मनाई जाती है। आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 4 जुलाई, गुरुवार को प्रात: 5.54 से शुरू होगी और 5 जुलाई दिन को प्रात: 4.57 मिनट पर समाप्त होगी। इस तरह मासिक शिवरात्रि 4 जुलाई को मनाई जाएगी।

**5 जुलाई 2024 (शुक्रवार) – आषाढ़ अमावस्या**

आषाढ़ अमावस्या का दिन भी महत्वपूर्ण माना जाता है। आषाढ़ चौथा महीना होता है। इस महीने भगवान विष्णु की पूजा करने से शुभ परिणाम मिलते हैं। आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 5 जुलाई सुबह 4:57 मिनट पर शुरू होगी और 6 जुलाई को सुबह 4:26 मिनट पर समाप्त होगी। इस तरह आषाढ़ अमावस्या 5 जुलाई 2024 के दिन मनाई जाएगी।

**6 जुलाई 2024 (शनिवार) – आषाढ़ गुप्त नवरात्र**

पूरे वर्ष में चार नवरात्र पड़ते हैं। इनमें दो प्रत्यक्ष और दो गुप्त नवरात्र होते हैं। इस साल आषाढ़ गुप्त नवरात्र की शुरुआत शनिवार 06 जुलाई 2024 से हो रही है। वहीं, इसका समापन 15 जुलाई 2024 को होगा। इस दौरान चतुर्थी तिथि दो दिन पड़ने से आषाढ़ गुप्त नवरात्र 9 दिन न होकर 10 दिनों तक रहेंगे।

**7 जुलाई 2024 (रविवार) – जगन्नाथ रथ यात्रा**

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा का बड़ा धार्मिक उत्सव है। यह यात्रा हर साल आषाढ़ माह में शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को निकलती है। ओडिशा के पुरी में स्थित जगन्नाथ मंदिर से बड़े धूमधाम के साथ रथ यात्रा निकाली जाती है। इस साल जगन्नाथ यात्रा की शुरुआत 07 जुलाई 2024 से 16 जुलाई 2024 तक होगी।

# गुप्त नवरात्रि में शक्तिपीठ हरसिद्धि मंदिर में जलाई जाती है विशेष दीपमालिका, जानें क्या है महत्व

आषाढ़ शुक्ल प्रतिपदा पर 6 जुलाई से गुप्त नवरात्रि का आरंभ होगा। इस बार आषाढ़ मास की गुप्त नवरात्र दस दिन की रहेगी। गुप्त नवरात्र में साधक शक्तिपीठ हरसिद्धि, गढ़कालिका माता आदि प्राचीन देवी मंदिरों में गुप्त साधना करेंगे। हरसिद्धि मंदिर में प्रतिदिन शाम को संध्या आरती के समय भक्तों के सहयोग से दीपमालिका प्रज्वलित की जाएगी। इसके लिए भक्तों ने अग्रिम बुकिंग करा रखी है। वर्ष 2024 में 31 दिसंबर तक दीपमाला की बुकिंग फुल है।

शक्तिपीठ हरसिद्धि मंदिर में संध्या आरती के दौरान दीपमाला प्रज्वलित कराने का विशेष महत्व है। पहले सिर्फ शारदीय नवरात्र के दिनों में दीपमालिका प्रज्वलित की जाती थी। लेकिन बीते कुछ वर्षों से मंदिर में दीपमालिका प्रज्वलित कराने के लिए लगातार भक्तों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में नवरात्रि के अलावा शेष दिनों में भी दीपमाला प्रज्वलित कराई जा रही है।

**शारदीय नवरात्र में सामूहिक बुकिंग**

शारदीय नवरात्र में अधिक से अधिक भक्त दीपमाला प्रज्वलित कराना चाहते हैं। भक्त भावना को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने शारदीय नवरात्र के दिनों में सामूहिक दीपमालिका प्रज्वलित कराने का निर्णय लिया है। इन नौ दिनों में कोई भी भक्त 3100 रुपये में दीपमाला की बुकिंग करा सकते हैं।

**दीपमाला के संबंध में यह भी जानें**

मंदिर परिसर में मराठा कालीन दो दीपस्तंभ हैं, इन्हें दीपमाला कहा जाता है।

दीपमाला प्रज्वलित करने के लिए तेल के 4 डिब्बों का उपयोग किया जाता है।

एक बार दीपमाला प्रज्वलित कराने में करीब 15 हजार रुपये का खर्च आता है।

# आपको हैरान कर देगा उनाकोटी का यह रहस्यमयी तीर्थस्थल

घने जंगल और ऊंचे पहाड़ों के बीच बनी यह बेहद रहस्यमयी मूर्तियां चट्टानों को काटकर बनाई गई हैं। क्या आप जानते हैं कि इस जगह को उनाकोटी क्यों कहते हैं? दरअसल, उनाकोटी एक बंगाली शब्द है, जिसका मतलब होता है, एक करोड़ से एक कम । माना जाता है कि यहां के पत्थरों में देवी-देवताओं की 99,99,999 तराशी गई हैं।

वैसे तो इन मूर्तियों से जुड़ी कई कहानियां हैं, लेकिन सबसे दिलचस्प है त्रिपुरा के माणिक्य राजाओं द्वारा लोकप्रिय की गई कहानी। बता दें, इसका संबंध भगवान शिव से है। कहते हैं उनाकोटी के इन्हीं जंगलों से होते हुए शिव जी काशी जा रहे थे और एक रात यहीं रुक गए। उनके साथ 99,99,999 देवी-देवता मौजूद थे। शिवजी ने उन सभी को सूर्योदय से पहले उठने को कहा था। लेकिन अगली सुबह जब कोई भी समय पर नहीं जागा, तो उन्होंने सभी को श्राप देकर पत्थर में बदल दिया!

एक अन्य कहानी यह भी है कि कालू नाम के एक शिल्पकार जो इसी इलाके में रहते थे, वे भगवान शिव के परम भक्त थे। ऐसे में, अपनी भक्ति से वह भगवान शिव और माता पार्वती को खुश करके उनके साथ कैलाश पर्वत पर रहना चाहते थे, लेकिन पृथ्वी लोक

## मौजूद हैं देवी-देवताओं की 99,99,999 मूर्तियां

से किसी भी इंसान के लिए यह मुमकिन नहीं था। जाहिर है, भगवान शिव ने उन्हें इस बात के लिए मना कर दिया, लेकिन कालू अपनी जिद पर अड़े रहे। ऐसे में, भगवान शिव ने उनके सामने एक शर्त रखी।शर्त के मुताबिक, उन्हें एक रात में एक करोड़ (एक कोटी) मूर्तियों का निर्माण करना था। भगवान शिव और पार्वती के साथ कैलाश पर रहने के लिए रखी गई इस शर्त को पूरा करने के लिए कालू (शिल्पकार) तन-मन से अपने काम में जुट गए। रातभर में उन्होंने मूर्तियों का निर्माण किया, लेकिन सुबह गिनती के बाद मालूम चला कि वे 99 लाख 99 हजार 999 मूर्तियां ही बना पाए हैं। यानि एक करोड़ से एक कम। ऐसे में, शर्त पूरी न हो सकी और वह भगवान शिव और पार्वती के साथ कैलाश पर्वत नहीं जा सके।

विश्वास से हटकर देखें, तो पुरातत्व विभाग के मुताबिक ये जगह 8वीं से 13वीं शताब्दी के बीच बनाई गई है। टूरिस्ट्स इसकी तुलना अमेरिका के माउंट रशमोर से करते हैं, जिसपर यूएस प्रेसिडेंट्स की कार्विंग्स बनी हुई हैं। ऐसी ही एक और जगह है कंबोडिया के बेयोन के मंदिर । बता दें, कंबोडिया के मशहूर बेयोन मंदिर में भी ऐसे बड़े-बड़े चेहरे बने हुए हैं। यहां अलग-अलग पत्थरों को जोड़कर उसपर मंदिर बनाकर फिर पूरे मंदिर को चेहरे के रूप में तराशा गया है।

**कोई नहीं सुलझा पाया यह गुत्थी**

उनाकोटी में ऐसी कई मूर्तियां हैं, जो प्राचीन कास रिलीफ स्कल्पचर्स से मेल खाती हैं, जैसे-करीब 30 फीट ऊंची काल भैरव की भव्य मूर्ति। वहीं, कुछ और शानदार मूर्तियों में शामिल हैं नंदी, गणेश और दुर्गा की तराशी गई । उनाकोटी की ये रहस्यमयी मूर्तियां कब बनीं और इन्हें किसने और कैसे बनाया, यह गुत्थी को अभी तक कोई नहीं सुलझा पाया है, लेकिन एक बात तो पक्की है, कि एक ही चट्टान को काटकर बनाई गईं इतनी सारी भव्य मूर्तियां भारत में किसी अजूबे से कम नहीं हैं।

## विजय एंटनी की काव्यात्मक एक्शन फिल्म तूफ़ान का दूसरा सिंगल वेतिहका नेने ना रिलीज़ हुआ

हीरो विजय एंटनी की नवीनतम फिल्म तूफ़ान है। कमल बोरा, डी. ललिता, बी. प्रदीप और पंकज बोरा इस फिल्म को इन्फिनिटी फिल्म वेंचर्स के बैनर तले बना रहे हैं। इस कंपनी ने पहले राघवन और हथिया का निर्माण किया था, जिसमें विजय एंटनी भी मुख्य भूमिका में हैं। निर्देशक विजय मिल्टन तूफ़ान को एक काव्यात्मक एक्शन एंटरटेनर के रूप में बना रहे हैं। फिल्म तूफ़ान जल्द ही एक भव्य थिएटर रिलीज़ के लिए लाई जाएगी। आज, दूसरा सिंगल वेतिहका नेने ना रिलीज़ किया गया। भाष्यश्री ने वेतिहका नेने ना गीत के बोल लिखे हैं, जिसे माश्मी नेहा ने गाया है और हरि दफुसिया ने संगीतबद्ध किया है। इस गीत में विचारोत्तेजक बोल हैं जो सभी को जोड़ेंगे। यह गीत फिल्म तूफ़ान में एक विशेष आकर्षण होगा। विजय एंटनी, सरथ कुमार, सत्यराज, दाली धनुंजया, मेघा आकाश, मुरली शर्मा, पृथ्वी अंबर, शरण्या पोनवन्नन, थलाइवासल विजय, और अन्य।

## मानसून में फैशन के लिए नायलॉन और पॉलिएस्टर का इस्तेमाल करती हैं विदिशा श्रीवास्तव

टीवी के पॉपुलर शो भाबीजी घर पर हैं में गोरी मेम का रोल अदा करने वाली विदिशा श्रीवास्तव ने मानसून फैशन ट्रेंड्स पर बात की। उन्होंने कहा कि वह मानसून में नायलॉन और पॉलिएस्टर जैसी सिंथेटिक मटेरियल पहनना पसंद करती हैं, क्योंकि वे मॉइश्चर-रेजिस्टेंस है और जल्दी सूख जाते हैं।मानसून फैशन का मतलब है स्टाइलिश और कंफर्टेबल रहते हुए मौसम को एन्जॉय करना।विदिशा सिटकॉम भाबीजी घर पर हैं में अनीता भाभी का किरदार निभा रही हैं।उन्होंने कहा, बारिश के मौसम में, आपको स्टाइल से समझौता करने की जरूरत नहीं है। जब बारिश शुरू होती है, तो मैं नायलॉन और पॉलिएस्टर जैसे सिंथेटिक कपड़े पहनना पसंद करती हूं, जो मॉइश्चर को सोख लेते हैं और जल्दी सूख जाते हैं।

उन्होंने कहा, मैं बारिश में हैवी कॉटन और वूलन कपड़ों को पहनने से बचती हूं, क्योंकि इन्हें सूखने में ज्यादा समय लगता हैं। मुझे ज्यादा आकर्षक दिखने के लिए ब्राइट और बोल्ड प्रिंट वाले कपड़े पहनना पसंद है। प्लास्टिक जूलरी इस मौसम में फैशनेबल बने रहने के लिए एक बढिया ऑप्शन है।विदिशा ने कहा, मेरा पसंदीदा लुक एक स्टाइलिश वाटरप्रूफ जैकेट है, जिसे कलरफुल वाटरप्रूफ फुटवियर के साथ पेयर करना, और अपने आउटफिट में स्टाइल जोडने के लिए एक ट्रेंडी, कॉम्पैक्ट छाता ले जाना न भूलें।वर्कफ्रंट की बात करें तो, विदिशा ने 2007 में एसपी एंटरटेनमेंट की तेलुगु फिल्म मां इद्दारी मध्य से एक्टिंग की शुरुआत की थी। उन्होंने अला, प्रेम, अथिली सत्तीबाबू एलकेजी जैसे अन्य तेलुगु प्रोजेक्ट्स में भी काम किया।वह कन्नड़ फिल्म नलि नलियुथा का हिस्सा रहीं। तमिल फिल्मों में उन्होंने कथावरायण और मलयालम फिल्म लकी जोकर्स में भी काम किया है।छोटे पर्दे की बात करें तो उन्होंने टीवी शो ये है मोहब्बतें से शुरुआत की थी। इसके बाद, वह मेरी गुडिया, श्रीमद् भागवत महापुराण, दुर्गा-माता की छाया और काशीबाई बाजीराव बल्लाल जैसे टीवी शो में नजर आईं।विदिशा अपनी पर्सनल लाइफ को सीक्रेट रखती हैं। उन्होंने साल 2018 में सायक पॉल संग बनारस में सात फेरे लिए। शादी के पांच साल बाद, पिछले साल जुलाई में कपल ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया।भाबीजी घर पर हैं एंड टीवी पर प्रसारित होता है।

## शमा सिकंदर ने एनिमल प्रिंटेड मोनोकिनी पहन फैंस पर गिराई बिजलियाँ

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर सोशल मीडिया पर हमेशा ही अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरों से धमाल मचाती रहती हैं। आए दिन वह अपनी हॉट तस्वीरें और वीडियो शेयर कर फैंस को दीवाना बनाती रहती हैं। हाल ही में, शमा ने फिर से इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ ऐसी तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह स्विमिंग पूल में एनिमल प्रिंटेड मोनोकिनी पहने नजर आ रही हैं।इन तस्वीरों में शमा लाइट मेकअप और खुले बालों के साथ बेहद हॉट लग रही हैं। उन्होंने पोज देते हुए अपनी टोन्ड बॉडी को फ्लॉन्ट किया है। शमा की इन तस्वीरों को देखकर उनके फैंस कमेंट करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं।टीवी एक्ट्रेस से लेकर बॉलीवुड का सफर तय करने वाली शमा सिकंदर आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरों को लेकर खबरों में रहती हैं।उनका कातिलाना अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही इंटरनेट का पारा हाई कर देता है।एक्ट्रेस शमा सिकंदर आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस अदाओं के चलते लाइमलाइट में रहती हैं। उनका हर एक अंदाज इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही कहर बरपाता है।बता दें एक्ट्रेस शमा सिकंदर जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।

## सरफिरा का नया गाना खुदाया जारी, अक्षय कुमार और राधिका मदान की खूब जमी जोड़ी

बॉलीवुड के सुपरस्टार अक्षय कुमार की आगामी फिल्म सरफिरा के मेकर्स रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। इस बीच फिल्म का दूसरा गाना खुदाया रिलीज कर दिया गया है, जो की एक सूफी ट्रैक है। सॉन्ग अपने म्यूजिक और दिल छू लेने वाले लिरिक्स की वजह के फैंस के बीच तेजी से पॉपुलर हो रहा है।सरफिरा का हाल ही में ट्रेलर रिलीज किया गया था। जिसे सोशल मीडिया पर ठीक- ठाक रिस्पॉन्स मिला। इसके बाद पहला गाना मार उड़ी जारी किया गया और अब 27 जून को सेकेंड ट्रैक खुदाया रिलीज कर दिया गया है।खुदाया गाने को संगीतकार सुहित अभ्यंकर ने कंपोज किया है और इसे आवाज दी है सागर भाटिया, नीति मोहन और सुहित अभ्यंकर ने। गाने के बोल मनोज मुंतशिर शुक्ला ने लिखे हैं। इस गाने में प्यार और जज्बातों को बेहद खूबसूरती से उभारा गया है। खुदाया में मिडल क्लास कपल के रोल में शामिल अक्षय कुमार और राधिका मदान की खूबसूरत लव स्टोरी दिखाई गई है। गाने की शुरुआत दोनों के झगड़े से होती है, लेकिन अंक दोनों एक बार फिर एक- दूसरे के साथ आ जाते हैं।सरफिरा की कहानी अक्षय कुमार के किरदार के सफर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कर्ज में डूबे शुरुआती दौर से दूरदर्शी बिजनेसमैन तक का सफर तय करता है। इस सफर में वो कई मुश्किलों का सामना करता है और भ्रष्टाचार के खिलाफ भी जंग लडनी पड़ती है।सरफिरा, तमिल फिल्म सोरारई पोटरु की हिंदी रीमेक है। ओरिजिनल फिल्म में सुर्या ने लीड रोल निभाया था। सोरारई पोटरु ने अपनी कहानी के लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीता था। वहीं, अब इसका हिंदी एडेप्टेशन आ रहा है, जिसका डायरेक्शन सुधा कोंगारा ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार और राधिका मदान के साथ परेश रावल और सीमा बिस्वास ने भी अहम किरदार निभाए है। फिल्म इस साल 12 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज होगी।

## बैड न्यूज का ट्रेलर हुआ रिलीज

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से आईं ये खबरें चर्चा का विषय बन गईं। विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग फिल्म 'बैड न्यूज' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है तो वहीं एक्टर सलमान खान ने फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग शुरू कर दी है। बता दें कि सिकंदर में सलमान खान के साथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना लीड रोल निभाती नजर आएंगी। विक्की कौशल ने पहली बार एक्ट्रेस कटरीना कैफ के प्रेग्नेंसी रूमर्स पर रिएक्ट किया है। आइए जानते हैं कि किन खबरों ने सुर्खियों में जगह बनाई है। विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की अपकमिंग फिल्म बैड न्यूज का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में विक्की और तृप्ति के अलावा पंजाबी इंडस्ट्री के फेमस सिंगर एमी विर्क भी लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी एक लड़की की जिंदगी पर आधारित है, जिसे यह नहीं पता कि उसके बच्चे का बाप आखिर कौन है?

## नशे में धुत उर्फी जावेद ने रिवीलिंग आउटफिट में जमकर दिए पोज

फैशन क्वीन उर्फी जावेद अपने लुक्स और अतरंगी स्टाइल से लोगों के होश उड़ा देती हैं। उर्फी जितनी बोल्ड हैं, उतनी ही बिंदास और बेबाक भी हैं। बीती रात उर्फी जावेद पार्टी में शामिल हुईं, जहां से उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। इन फोटोज में उर्फी जावेद ब्लैक कलर के बैकलेस आउटफिट में बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों में उर्फी जावेद ब्लैक कलर के आउटफिट में बेहद ही कूल लग रही हैं। इस आउटफिट के साथ उर्फी जावेद ने ब्लैक कलर के बूट्स पहने हुए हैं इन तस्वीरों में उर्फी जावेद पैपराजी को अलग-अलग अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं।

**पैप्स के सामने बोलीं- 'मैंने बहुत पी रखी है'**

उर्फी के ये फोटोज सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। उर्फी जावेद नशे में धुत नजर आ रही हैं। पैपराजी के सामने उर्फी जावेद ने खुद बताया कि उन्हें बहुत ज्यादा शराब पी रखी है। उर्फी जावेद की इन तस्वीरों पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'बहुत सही है ये लड़की, इतना बोलने के लिए हिम्मत चाहिए।' तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'उर्फी को हम नेशनल क्रश घोषित कर देते हैं।' इस तस्वीर में उर्फी जावेद 'इश्क विश्क प्यार व्यार' एक्टर जिबरान खान संग पोज देती नजर आ रही हैं। इस फोटो में जिबरान संग उर्फी की जोड़ी बहुत प्यारी लग रही है। इस तस्वीर में उर्फी जावेद जिबरान खान के साथ मिलकर पैपराजी के सामने क्यूट पोज देती नजर आ रही हैं। उर्फी की ये तस्वीरें लोगों को खूब पसंद आ रही हैं।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आप को फिजूलखर्ची से बचना होगा सेविंग बढानी होगी स्वभाव मे शान्ति रखनी होगी आप कुछ चिड़चिड़ाहट महसूस करेंगे और आपका आत्मविश्वास स्तर गिर सकता है. आपके विरोधी आप के विरुद्ध काम कर सकते हैं और आपकी चिंताओं का कारण बन सकते हैं. नया कारोबार शुरू करने या किसी भी सौदे को अंतिम रूप देने के लिए एक अच्छा समय नहीं है. आप को मौसमी बिमारी से बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल करना पडेगा ।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज काम के बोझ के कारण शरीर मे थकान महसूस होगी . आप की कुछ लोगों से बहस हो सकती है. विचारों मे मतभेद होगा . काम को लेकर मन मे आत्मविश्वास रखें सफलता निश्चित होगी किसी तरह का डर मन में न रखें. किसीखास व्यक्ति के बारे में आपको नई बात पता चल सकती है. जरूरत के मुताबिक पैसों की व्यवस्था हो सकती है.दाम्पत्य जीवन मे तनाव होगा आपको परेशानी महसूस होगी ।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आज आप को दिनचर्या मे बदलाव करना पडेगा .जिससे आप को टेंशन पैदा होगा आप अपने साथियों को खुश रखने की कोशिश करेंगे. आप कोई जरूरी प्लानिंग भी कर सकते हैं. आपका दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. किसी नए काम पर सोच-विचार कर सकते हैं. नई जिम्मेदारियां आपको जल्दी मिल सकती है. आपको अपनी नौकरी मे बदलाव का योग बनेगा । कबूतर को दाना डालें थकावट दूर रहेगी आय के स्रोत खुलेंगे ।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आप का अपने कर्मचारियों पर गुस्सा करना हानिकारक साबित होगा इसलिए अपने गुस्से पर नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक है. यदि कोई समस्या है, तो उसे शान्ति से सुलझाने की जरुरत हैं. आप को प्यार मे धोखा मिलेगा शारीरिक और मानसिक रुप से आप तनाव मे रहेंगे आज उन वस्तुओं को खरीदने से आपको बचना चाहिए जिनकी अभी आपको बहुत ज्यादा आवश्यकता नहीं है. मित्रों के साथ घूमने का आनंद लेंगे।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आप पढाई के लिए विदेश मे उच्च शिक्षा के लिए जा सकते हैं . व्यवसायी लम्बे समय से चली आ रही जटिल समस्याओं का समाधान पाएंगे. आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा, लेकिन आपको अपने खर्चों पर संयम रखने की भी आवश्यकता है. बेकार की गतिविधियों पर समय और ऊर्जा खर्च न करें. अगर आप अविवाहित हैं, तो आपको शादी के अच्छे प्रस्ताव मिल सकते हैं. आप के निकट सम्बन्धी मे किसी को शारीरीक कष्ट हो सकता हैं

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आज ओवरटाइम करना पडेगा अतिरिक्त धन लाभ भी जरुर होगा अच्छे नतीजों के लिए जरूरत से ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है. नौकरी बदलने का मूड है तो संभलकर रहें. आज ऐसी कोशिश न करें. छोटी-मोटी बहस से मूड खराब होने के योग हैं. अपने मन की बात किसी से शेयर नकरें. आज आप जरूरी कामों पर ध्यान दें. वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा. प्रेम संबंधों में सफलता के योग हैं. सर्दी,खांसी, जुकाम जैसी तकलीफ से आप परेशान रहेंगे सेहत का ख्याल रखें।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

आज जरुरत का सामान खरीदना पड सकता हैं अच्छा खासा धन का खर्चा हो जाएगा आज आप शाम को बच्चों के साथ कहीं घूमने के लिए बाहर निकल सकते हैं. आप कामकाज में बहुत हद तक सफल हो सकते हैं. किसी नये काम की शुरूआत करने पर परिवार के सभी सदस्य आपसे खुश हो सकते हैं. स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा. मित्रों के साथ किसी बात को लेकर थोड़ी अनबन हो सकती है. रुद्र गायत्री का जप करें ।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आप रुद्राक्ष धारण करें शिवमंत्र का जप करें । क्रोध के आवेश से बचना होगा परिवार की समस्या परेशान कर सकती है. अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी. किसी भी कार्य मे देरी होतो आप को थोड़ा धैर्य रखना होगा लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी. नए-नए विचार मन में आएंगे. जल्दबाजी न करें. पैसों को लेकर कोई प्लानिंग भी हो सकती है.गौशाला मे सेवा करें गेहूँ का भूसा खिलाए।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आज का दिन बहतर हैं परिवार मे खुशी का माहौल रहेगा . आपके पास कई अच्छे अवसर होंगे. वरिष्ठों के सहयोग से वित्तीय स्थिति में भी काफी सुधार होगा. आपका पारिवारिक-जीवन खुशहाल और आनंदमय रहेगा.
सेहत अच्छी रहेगी. सामान्य रूप से लोगों के साथ आपके संबंध बेहतर होंगे और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी. यह समय निवेश के लिए अच्छा हैं प्रयासों को जारी रखें सफलता निकट होगी ।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए जूनियर का सहयोग लेना पड सकता हैं बुजुर्गों का अनुभव बहुत काम आएगा वह आपकी मदद भी करेंगे. टेंशन भी आज खत्म हो सकता है. समझदारी से काम लें. मकान की समस्या सुलझ जाएगी. बिजनेस में कोई फायदेमंद एग्रीमेंट होने के योग बन रहे हैं. पैसों की स्थिति में सुधार के लिए आप पूरीकोशिश करेंगे. कोई पार्टटाइम काम शुरू कर के अतिरिक्त बोझ मत डालें शाम के वक्त थोडा रिलैक्स करें ।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

आज शिव गायत्री का जप करें ब्राह्मण बटुक को दूध की मिठाई दान करें जिससे आपका सोचा हुआ काम अचानक से पूरा हो जाएगा. आर्थिक पक्ष काफी मजबूत रहेगा. कारोबार में सीनियर्स आपके काम को देखकर खुश होंगे. कहीं घूमने की प्लानिंग सफल रहेगी. आपको काम के नए अवसर जल्दी ही मिलेंगे. अपने कार्यक्षेत्र को बढ़ाने के लिए किसी मित्र से आर्थिक मदद मिलेगी. आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ रहेगा. साथ ही दूसरों से उम्मीदें नहीं रखनी चाहिए निराशा आत्मविश्वास को कमजोर करेगी ।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

आप को परिवार के किसी सदस्य का कोई उलझा हुआ मसला हल करना पड सकता हैं आप के कारोबार पर इस का असर देखने को मिलेगा कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती हैं. रहन-सहन कष्टमय रहेगा. शिक्षा क्षेत्र मे आपका परफॉर्मेंस भी अच्छा हो सकता है. कहीं घूमने जा सकते हैं. आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ सकती है. आप सभी परिस्थितियों से निपटने की क्षमता रखते हैं. इसलिए अपने कार्य पर ध्यान लगाएं. यात्रा पर निकलने से पहले दही और धनीया जरुर खाकर निकले ।

### सोमवार का पंचांग

दनांक : 01 जुलाई 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी प्रात: 10:28 तक
नक्षत्र : अश्विनी प्रात: 06:26 तक
योग : सुकर्मा दोपहर 01:40 तक
करण : विष्टि प्रात: 10:28 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:54 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 05:57, सूर्यास्त 06:49 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:43 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:38 , सूर्यास्त 06:44 ( विजयवाडा )
शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :- गण्डमूल प्रात: 06:26 तक
भद्रा प्रात: 10:27 तक , शुक्र तारा उदय

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# अफसरों की बयानबाजी पर भाजपा को घेरने की तैयारी में कांग्रेस

**जयपुर,30 जून (एजेंसियां)।** अफसरों की बेलगाम बयानबाजी क्या बीजेपी सरकार के लिए नई मुसीबत बनेगी? या फिर भाजपा किसी रणनीति के तहत अफसरों को विपक्ष के आगे कर रही है? बीते एक सप्ताह में इस तरह के कुछ बड़े उदाहरण सामने आए हैं, जहां ब्यूरोक्रेसी और कांग्रेस के आमने-सामने नजर आए हैं।

पिछली सरकार की भर्ती परीक्षाओं पर सवाल खड़े करने वाला मुख्य सचिव सुधांश पंत का बयान क्या बीजेपी पर बैक फायर करेगा? अशोक गहलोत के जवाब से यह तय है कि कांग्रेस इसे मुद्दा बना चुकी है। विधानसभा का बजट सत्र 3 जुलाई से शुरू होने जा रहा है। ऐसे में बीजेपी को अपने अफसरों के बयानों को लेकर भी इस सत्र में जवाब देना पड़ेगा।

गहलोत पहले भी पंत को लेकर बयान दे चुके हैं कि वे सुपर सीएम बनकर बैठे हैं और भजनलाल सिर्फ चेहरा हैं। सरकार पूरी तरह पंत ही चला रहे हैं। शनिवार को जब पंत ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पिछली सरकार की भर्ती परीक्षाओं की क्रेडिबिलिटी पर सवाल उठाया तो उनके इस बयान पर बीजेपी की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हालांकि सोशल मीडिया पर यह बयान दिन भर चलता रहा, जबकि इस कार्यक्रम के चीफ गेस्ट खुद सीएम भजनलाल शर्मा थे।

### 3 जुलाई से शुरू होगा बजट सत्र

ऐसा नहीं है कि मुख्य सचिव और राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी को लेकर सिर्फ कांग्रेस नेता ही मुखर हैं। भजनलाल सरकार के मंत्री से लेकर विधायक तक यह बयान दे रहे हैं कि राजस्थान में अफसरशाही हावी हो रही है। इसका ताजा उदाहरण ब्यावर से बीजेपी विधायक शंकर सिंह रावत हैं, जिन्होंने अफसरशाही हावी होने पर सवाल उठाए हैं। शंकर सिंह रावत ने बयान दिया कि कांग्रेस राज के समय से लगे हुए अफसर किसी की नहीं सुन रहे हैं। रावत कहा कि कुछ जगह अफसरशाही हावी है और सरकार ध्यान नहीं दे पा रही है। इससे पहले बीजेपी नेता देवीसिंह भाटी ने भी ऐसा ही बयान दिया था।

इनके अलावा भी ब्यूरोक्रेसी और भाजपा नेताओं के टकराव के कई मामले हो चुके हैं, जो भले ही मीडिया की सुर्खियां नहीं बन पाए हों लेकिन शिकायत ऊपर तक गई है। एसीबी जिन पर एफआईआर करना चाहती है, वे अफसर भी नहीं बदले। मामला सिर्फ एक अफसर तक ही सीमित नहीं है, राजस्थान की ब्यूरोक्रेसी पर तभी से सवाल उठने शुरू हो गए थे, जब पिछली सरकार के पावरफुल अफसर नई सरकार आने के बाद भी टस से मस नहीं हुए।

इनमें कार्मिक विभाग के प्रमुख सचिव हेमंत गेरा, वित्त विभाग के एसीएस अखिल अरोड़ा, गृह विभाग के एसीएस आनंद कुमार, पर्यटन विभाग की सचिव गायत्री राठौड़ जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इनमें से अखिल अरोड़ा के खिलाफ तो एसीबी ने भ्रष्टाचार का मुकदमा चलाने के लिए अभियोजन की स्वीकृति सरकार से मांग रखी है लेकिन उस फाइल को भी अफसरों ने दबा लिया।

**सीएम फैसले नहीं ले पा रहे- नेता प्रतिपक्ष**

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली का कहना है कि ब्यूरोक्रेसी के हालात तो आप देख ही रहे हैं। कोटा में हम लोगों पर मुकदमे दर्ज कर लिए गए। मुख्यमंत्री कोई फैसले ले ही नहीं पा रहे हैं। विधानसभा सत्र के दौरान हम नीट पेपर लीक, काननू व्यवस्था, एट्रोसिटी सहित इन मामलों को लेकर सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे।

## सीवरेज टैंक से ओवरफ्लो हो रहा गंदा पानी

### गंदगी के साथ बदबू से आमजन परेशान, जिम्मेदार बेखबर

**करौली,30 जून (एजेंसियां)।** शहर की आधा दर्जन से अधिक कॉलोनियों में सीवरेज टैंक से ओवरफ्लो हो रहा गंदा पानी घर-दुकान के आसपास और रास्तों में जमा होकर गंदगी के साथ बदबू तथा बीमारियों का कारण बन रहा है। शहर वासियों का आरोप है कि बार-बार शिकायत के बाद भी जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे, जिसके चलते लोगों में आक्रोश व्याप्त है। शहर के बग्गी खाना, मुरलीपुरा, रामदयाल की चक्की के पीछे सहित अन्य कॉलोनियों में सीवरेज के कारण क्षेत्र वासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर के भूपेंद्र भारद्वाज, शिवदयाल सैनी, विनोद जाटव, किंतो देवी, सुरेंद्र शर्मा आदि ने बताया कि अंबेडकर चौराहे से शिकारगंज रोड में आधा दर्जन से

अधिक स्थानों पर सीवरेज टैंक के ढक्कन टूटे हैं।

जिसके चलते आए दिन वाहन चालक और राहगीर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। तो शहर की बग्गी खाना कॉलोनी, मुरलीपुरा, रामदयाल की चक्की के पीछे सहित कई स्थानों पर सीवरेज टैंक का पानी ओवरफ्लो का सड़क पर बह रहा है। जिसके चलते राहगीरों और वाहन चालकों को न सिर्फ आवागमन में परेशानी होती है। साथ स्थानीय लोगों को गंदगी और बदबू का सामना करना पड़ता है। गंदगी और बदबू के कारण स्थानीय लोगों के बीमार होने का भी खतरा बना रहता है। कॉलोनी वासियों का आरोप है कि कई बार जिला कलेक्टर, नगर परिषद आयुक्त सहित अन्य को शिकायतें सौंपी है, लेकिन आज तक समाधान नहीं हुआ।

## बिजली निगम की गाड़ी से टकराकर पलटी क्रेटा

### एक की मौत, सिविल अस्पताल के सामने की घटना

**अंबाला,30 जून (एजेंसियां)।** अंबाला-जगाधरी हाईवे स्थित छावनी नागरिक अस्पताल के बाहर एक तेज रफ्तार क्रेटा कार हाईवे किनारे खड़ी बिजली निगम की गाड़ी से टकराकर अनियंत्रित होकर पलट गई। यह हादसा शनिवार देररात को करीब 12 बजे हुआ। हादसे में क्रेटा सवार छावनी के नन्हेड़ा निवासी 26 वर्षीय जसप्रीत की मौत हो गई।

बताया जाता है कि कार में सवार तीन अन्य को मामूली चोटें आई है लेकिन पुलिस ने उनकी पुष्टि नहीं की। रविवार को अंबाला कैंट थाना पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मृतक मोहली की एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बिजली निगम की गाड़ी अस्पताल के बाहर हाईवे किनारे खड़ी थी। जबकि कर्मचारी बाहर निकलकर चाय पी रहे थे। इतने में महेश नगर की तरफ से आई क्रेटा कार आकर पहले तो बिजली निगम की गाड़ी से टकराई और अनियंत्रित होकर पलट गई। टक्कर लगने के बाद बिजली निगम की गाड़ी डिवाइडर के दूसरी तरफ पहुंच गई।गनीमत यह रही कि उस समय कोई दूसरा वाहन नहीं गुजर रही थी। हादसे में एक बाइक भी कार की चपेट में आने पर क्षतिग्रस्त हो गई। पलटी क्रेटा गाड़ी को राहगीरों ने सीधा कर युवक को बाहर निकाला था। उपचार के लिए उसे अस्पताल में दाखिल करवाया था, जहां उसने दम तोड़ दिया। जबकि तीन अन्य को भी मामूली चोटें आई है।

## केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार जोधपुर पहुंचे शेखावत

**जोधपुर,30 जून (एजेंसियां)।** केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार जोधपुर पहुंचे केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का जोरदार स्वागत किया गया। शेखावत ने किसी को निराश नहीं किया और सभी से मिलते हुए आगे बढ़ते रहे। स्टेशन से बाहर निकलने में ही उन्हें काफी समय लग गया। जोधपुर सांसद शेखावत केन्द्र में संस्कृति और पर्यटन मंत्रालय पद संभालने के बाद पहली बार जोधपुर आए है। इससे पूर्व शेखावत एक बार राज्यमंत्री व केंद्र में जल शक्ति मंत्री के पद पर थे।

शेखावत के स्वागत को यादगार बनाने के लिए भाजपा संगठन ने जोरदार तैयारी कर रखी थी। यहीं कारण रहा कि शेखावत की रेल के प्लेटफॉर्म पर पहुंचने से काफी पहले वहां बड़ी संख्या

में कार्यकर्ता पहुंच गए। शेखावत के रेल से बाहर निकलते ही सभी उनकी तरफ उमड़ पड़े और उन्होंने जोरदार जयघोष से रेलवे स्टेशन को गुंजायमान कर दिया। पुलिस ने बड़ी मुश्किल से व्यवस्था को बनाए रखा। सभी में शेखावत को माला पहनाने की होड़ मच गई। तेज उमस में भारी भीड़ से घिरे शेखावत कतई परेशान नजर नहीं आए। हमेशा की तरह मुस्कराते हुए उन्होंने सभी के अभिवादन का जवाब दिया। रेलवे स्टेशन से एक खुले वाहन में शेखावत एक रोड शो के रूप में सर्किट हाउस स्थित अजीत कॉलोनी निवास स्थान पहुँचे। उनके साथ पोखरण के भाजपा विधायक महंत प्रताप पुरी, शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, सुरसागर विधायक देवेंद्र जोशी, रामेश्वर दाधीच सहित कई नेता साथ थे। निवास सघन पर आराम से बैठ शेखावत का सभी कार्यकर्ताओं से मुलाकात का सिलसिला शुरू हुआ। अभी भी बड़ी संख्या में लोग शेखावत से मिलने पहुंचे।

**तीन बार सांसद, तीन बार मंत्री**

2014 में गजेंद्र सिंह शेखावत पहली बार जोधपुर से सांसद चुने गए थे इसके बाद उन्हें केंद्र में कृषि राज्य मंत्री बनाया गया था। 2019 में दूसरी बार सांसद बनने पर उन्हें प्रमोशन देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट में जगह दी और जल शक्ति मंत्रालय जैसा बड़ा महकमा दिया। 2024 में जीत की हैट्रिक बनाई। इस बार भी उनको कैबिनेट मंत्री बनाया और पर्यटन और संस्कृति मंत्री विभाग का जिम्मा दिया गया है।

## हरियाणा के 16 जिलों में मानसून की दस्तक

### मौसम विभाग ने येलो और रेड अलर्ट जारी किया

**हिसार,30 जून (एजेंसियां)।** हरियाणा में मानसून की शुरुआत झमाझम बारिश से हुई है। शनिवार को प्रदेश के 16 जिलों में बारिश होने से जन-जीवन प्रभावित हो गया। अगले तीन दिनों तक प्रदेश में मानसून की बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश होगी। मौसम विभाग ने येलो तथा रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को रेवाड़ी, गुरुग्राम, नूंह, फरीदाबाद, पलवल, झज्जर, रोहतक, सोनीपत, पानीपत, महेंद्रगढ़, हिसार, भिवानी सिरसा, फतेहाबाद, अंबाला, कुरुक्षेत्र में हल्की से मध्यम बारिश हुई। कुछ स्थानों पर छिटपुट बूंदाबांदी भी देखने के लिए मिली। अभी तीन दिनों तक मानसून टर्फ रेखा हरियाणा पर बनीं रहेगी, जिसकी वजह से आने वाले दिनों में पूरे हरियाणा में मानसून की झमाझम बारिश होगी।बारिश के चलते तापमान में गिरावट आई है। प्रदेश में अधिकतम तापमान 31 से 41.0 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चंद्रमोहन ने बताया कि हरियाणा में इस बार मानसून समय पर आया है। प्रदेश के 16 जिलों में मानसून की बारिश आ चुकी है, जिसमें कुछ जिलों में कम तो कुछ में जोरदार बारिश है।

## राजधानी जयपुर में बेखौफ हुए अपराधी,अलग-अलग वारदातों से पुलिस की उड़ी नींद

**जयपुर,30 जून (एजेंसियां)।** जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन (आग) के तहत वैशाली नगर एवं हरमाड़ा थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से अवैध हथियार दो पिस्टल एवं परिवहन में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन बरामद किया गया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त (अपराध) दिगंत आनन्द ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत सीएसटी ने वैशाली नगर एवं हरमाड़ा थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए उदयन पाण्डे (28) निवासी खुल्दाबाद जिला प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) और देवाशीष भगत उर्फ पीयूष (28) निवासी कटवा जिला वर्धमान (पश्चिम बंगाल) हाल हरमाड़ा जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पुलिस ने अवैध हथियार दो पिस्टल एवं परिवहन में प्रयुक्त एक चौपहिया वाहन जब्त किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित उदयन पाण्डे यह अवैध हथियार प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) से लेकर आपसी रंजिश एवं लोगों में दहशत फैलाना स्वीकार किया है। वहीं आरोपित देवाशीष भगत उर्फ पीयूष 26 जून को दीपक सिंह शेखावत के साथ ट्रांसपोर्ट नगर में मारपीट करते समय पिस्टल उनके पास थी। इस पिस्टल को वह अपने पास छुपाकर रखता है। दीपक सिंह शेखावत की फतेह के साथ दुश्मनी थी और फतेह उसको साथ लेकर ट्रांसपोर्ट नगर में वारदात करने आये थे। जहां पर दीपक सिंह के साथ पाइप से मारपीट एवं पिस्टल से डरा धमकाकर भाग गये थे। पुलिस आरोपियों से अवैध हथियार की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ करने मे जुटी है।

**युवती को लेकर दो युवकों में झगड़ा**

जयपुर के शिप्रापथ थाना इलाके में एक युवती को लेकर दो युवकों में झगड़ा हो गया। झगड़े के बाद एक बॉयफ्रेंड ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर युवक को अगवा कर लिया और फिर उससे मारपीट कर नकदी व मोबाइल लूट लिया। आरोपी युवक को सड़क किनारे पटककर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। ।

**महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर चाकू से पति पर किया जानलेवा हमला**

एयरपोर्ट थाना इलाके में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। हमला करने के बाद आरोपी पति को घायल अवस्था में सड़क पर पड़ा छोड़कर भाग निकले। घायल पति ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल गिर्राज ने बताया कि जगतपुरा निवासी 35 वर्षीय युवक ने मामला दर्ज करवाया कि वह पत्नी और दो बच्चों के साथ रहता था। पत्नी ने मनमुटाव होने पर वह घर छोड़कर चली गई। बच्चों के साथ पत्नी जगतपुरा में किराए से अलग रहने लगी। उसके एक युवक से प्रेम प्रसंग के चलते अवैध संबंध हो गए। आरोप है कि पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर उसे रास्ते से हटाने के लिए मारने की प्लानिंग बनाई। बुधवार रात करीब 10 बजे जान से मारने का प्रयास किया। प्रेमी के साथ मिलकर पत्नी ने उसको पकड़ लिया। डंडे से मारपीट कर प्रेमी ने उसके सीने में चाकू घोंप दिया।

**दो बाइक सवार चार बदमाश युवक से छीन ले गए मोबाइल**

मुहाना थाना इलाके में दो बाइक पर सवार चार बदमाश उसके हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर ले गए। पुलिस के अनुसार दादूदयाल नगर निवासी डॉ ओमेश्वर शर्मा ने मामला दर्ज करवाया कि 26 जून की रात करीब 10 बजे वह घर के बाहर खड़ा था, इसी दौरान दो बाइक्स पर चार लोग सवार होकर आए। एक बाइक पर सवार युवकों ने उसके हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल छीनकर ले गए। इस पर पीड़ित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया।

**होटल से घर लौट रही युवती से बदमाश ने की छेड़छाड़**

मुहाना थाना इलाके में होटल में काम कर घर लौट रही युवती से रास्ते में एक बदमाश ने छेड़छाड़ की। युवती किसी तरह बदमाश की चंगुल से निकल कर घर पहुंची। पुलिस के अनुसार दार्जिलिंग निवासी 19 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया कि वह एक होटल में काम करती है और मानसरोवर में एक फ्लैट में किराए से रहती है।

25 जून की रात करीब 11.40 वह होटल से काम कर पैदल ही अपने फ्लैट पर जा रही थी। इस्कॉन टैम्पल रोड के पास एक ट्रक खड़ा था। ट्रक के पास से गुजरने के दौरान एक युवक ने उसे रोक लिया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

# उत्पाद विभाग की टीम पर होता रहा हमला, थाना की पुलिस ने नहीं दिया साथ, कई पुलिसकर्मी घायल



**मुंगेर (एजेंसियां)।** खगड़िया में उत्पाद विभाग की टीम पर हमला हुआ है। इसमें दो एसआई सहित आठ जवान घायल हुए हैं। जिनका इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि उत्पाद विभाग की टीम खगड़िया जिले के अलौली थाना क्षेत्र स्थित शुम्भा में शराब की सूचना पर छापेमारी करने गई थी। जहां स्थानीय ग्रामीण भड़क गए और उनके द्वारा उत्पाद विभाग की टीम पर हमला किया गया है। जिस घटना शनिवार देर रात 8 बजे की बताई जा रही है। इधर, स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि उत्पाद विभाग की टीम के द्वारा जबरन लोगों के घर में घुसकर मारपीट की की गई। इसके बाद आक्रोश में लोगों ने उत्पाद की टीम पर हमला किया है।

इस मामले में उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि विभाग को सूचना मिली थी कि शुम्भा गांव में शराब का कारोबार किया जा रहा है। जिसको लेकर टीम का गठन किया गया था। उक्त टीम में कुल 12 से 13 लोग शामिल थे। छापेमारी के दौरान स्थानीय ग्रामीण ने इसका विरोध किया। जिसके बाद वहां पर पत्थर बाजी होने लगी। उन्होंने बताया कि घटना में कुल आठ लोग घायल हुए हैं। जिनमे दो एसआई शामिल हैं।

घटना के संबंध में उत्पाद अधीक्षक ने बताया कि घटना के बाद स्थानीय अलौली थाना को उत्पाद टीम के द्वारा सूचना दी गई थी। लेकिन थाना पुलिस के द्वारा कोई सपोर्ट नहीं किया गया। वही इस मामले में अलौली थाना अध्यक्ष ने बताया कि उत्पाद विभाग की टीम की तरफ से शराब के बहाने कई निर्दोष लोगों को पकड़ा जा रहा है। इसके बाद घटना घटित हुई है। थाना अध्यक्ष ने कहा कि मामले में जैसे सूचना मिली वैसे ही पेट्रोलिंग गाड़ी को घटना स्तर पर भेज दिया गया था। जहां सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

घटना के संबंध में स्थानीय शुम्भा गांव के लोगों का कहना है कि उत्पाद विभाग की टीम जबरन लोगों के घर में घुसकर लोगों से मारपीट कर रही थी। इसी दौरान ग्रामीणों ने घटना का विरोध किया। जिसके बाद दोनों तरफ से झड़प हुई है।

घटना के संबंध में उत्पाद अधीक्षक ने थाना पर आरोप लगाते हुए कहा कि घटना के दौरान स्थानीय अलौली थाना को उत्पाद टीम ने उत्पाद टीम पर हमलले की सूचना दी। उनसे पुलिसबलों की मदद भी मांगी गई, लेकिन थाना की पुलिस ने उन्हें किसी भी प्रकार से कोई मदद नहीं की।

वहीं दूसरी तरफ इस संबंध में अलौली थाना अध्यक्ष का कहना है कि उत्पाद विभाग की टीम शराब खोजने के बहाने कई निर्दोष लोगों को पकड़ ले रही है। उन्होंने बताया कि इसी वजह से यह घटना हुई है। थाना अध्यक्ष ने कहा कि जैसे ही घटना की सूचना मिली, गश्ती गाड़ी को घटनास्थल पर भेज दिया गया था। फिर हमारी पुलिस ने वहां से सभी पुलिसकर्मियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

## विश्व कप जीत का जश्न पटना में भी: बारिश थमते ही तिरंगा लेकर बाहर निकले लोग



**पटना (एजेंसियां)।** भारत ने दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। बारबाडोस में खेले गए फाइनल में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को रोमांचक मुकाबले में सात रन से हरा दिया। इंडियन टीम की एतिहासिक जीत के बाद पटना में भी लोगों में खूब उत्साह नजर आया। राजधानी के बोरिंग रोड और बेली रोड समेत कई इलाको में लोगों ने फुलझड़ियां और पटाखे जलाकर जमकर जश्न मनाया। हालांकि बारिश के कारण पटाखा जलाने में काफी परेशानी हुई लेकिन लोगों का उत्साह चरम पर था।

टीम इंडिया की जीत के वक्त के कुछ इलाकों में बारिश हो रही थी। कुछ देर में ही बारिश थम गई। देखते ही देखते लोग सड़क पर निकल गए। बोरिंग रोड चौराहा पर लोगों को भीड़ जुटने लगी। लोग उत्साह से नाचते हुए देखे गए। प्रशंसकों ने भारत की जीत का जश्न मनाया। इस दौरान लोगों ने भारत माता की जय के नारे भी लगाए। चारों तरफ पटाखों की गूंज सुनाई दे रही थी। क्रिकेट प्रेमियों का जमघट बोरिंग रोड चौराहा पर जुट गया। देर रात एक बजे तक जश्न के माहौल से सराबोर रहा।

इधर, विश्वकप जीत के बाद सीएम नीतीश कुमार ने भी सोशल मीडिया पर टीम इंडिया को बधाई दी। उन्होंने लिखा कि भारतीय क्रिकेट टीम को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने पर हार्दिक बधाई। इस जीत पर आज पूरा देश गौरवान्वित है। सभी खिलाड़ियों को अनंत शुभकामनाएं।

### शादी का झांसा देकर 2019 से करता रहा दुष्कर्म

## धोखा मिलने पर युवती ने नौ लोगों के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

**दरभंगा (एजेंसियां)।** दरभंगा में पांच साल से युवती को शादी का झांसा देकर लगातार दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। इसे लेकर पीड़िता ने कमतौल थाने में आरोपी ओसन कुमार सहित नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवाई है। पीड़िता ने दिए गए आवेदन में कहा है कि छह मई 2019 को कमतौल थाना क्षेत्र के कर्जापट्टी गांव निवासी शत्रुघ्न राम का बेटा ओसन कुमार घर में घुस गया और मेरे साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। वह कई बार भय दिखाकर दुष्कर्म करता रहा। मैंने लोक लज्जा के कारण अपना मुंह बंद रखा। पीड़िता ने आवेदन में बताया कि इस मामले में नया मोड़ तब आया जब आरोपी ने चार जून 2023 को मुझे शादी करने का झांसा देकर दरभंगा के प्रसिद्ध श्यामा माई मंदिर में बुलाया। फिर एक रेस्ट हाउस में ले जाकर फिर से दुष्कर्म किया और उसके बाद उसे दिल्ली ले जाकर शादी करने का भरोसा दिलाया। उसके बाद आरोपी पीड़िता को आश्वासन के अनुसार अपने परिवार वालों के साथ 15 जुलाई 2023 को बिहार संपर्क क्रांति सुपरफास्ट ट्रेन से दिल्ली के नजफगढ़ ले गया। वहां भी उसके साथ दुष्कर्म किया और इस बीच वह गर्भवती हो गई। इस बात की जानकारी मिलते ही आरोपी ने दिल्ली में ही उसका गर्भपात करा दिया।

पीड़िता ने बताया कि जब दिल्ली में उसकी तबियत बिगड़ गई तो आरोपी ओसन कुमार ने उसे उसके घर लाकर छोड़ दिया। इसके बाद आरोपी के परिवार वालों से बातचीत करने पर परिजन लड़की को रखने के लिए राजी नहीं हुए। इस मामले को लेकर गांव में पंचायत भी बैठाई गई, लेकिन पंचायत में मामला नहीं सुलझ सका। तब जाकर उसने कमतौल थाने में ओसन कुमार सहित नौ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है।

इस संबंध में कमतौल थानाध्यक्ष शालू कुमारी ने कहा कि पीड़िता के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

## अररिया में अधेड़ की निर्मम हत्या : इस विवाद के कारण बड़े भाई ने अपने बेटों के साथ मिलकर मार डाला



**पटना (एजेंसियां)।** अररिया में एक अधेड़ की हत्या कर दी गई। इस वारदात को किसी और ने नहीं बल्कि उसके बड़े भाई और भतीजों ने ही अंजाम दिया। जमीन के एक छोटे से टुकड़े को लेकर बड़े भाई से युवक का विवाद चल रहा था। इतनी सी बात पर उसकी पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और छानबीन में गई। घटना फारबिसगंज थाना क्षेत्र के पछियारी झीरवा पंचायत वार्ड संख्या तीन की है। मृतक की पहचान स्व. मोतीलाल मेहता के पुत्र सीताराम मेहता (50) के रूप में हुई।

बताया जा रहा है कि सीताराम मेहता चार भाइयों से दूसरे नंबर पर था। वह अपने छोटो भाई के साथ प्रदेश में रहकर अपनी रोजी-रोटी चलाता थाश्र आरोप है कि बड़े भाई आरोपी राजाराम अपने पैतृक निवास से हटकर जिस स्थान पर अपना घर बनाकर रह रहा था। सीताराम के अपने हिस्से की जमीन को लेकर विवाद हुआ था।

इसी बीच सीताराम आरोपी भाई के घर समीप अपने हिस्से पर मिट्टी भराई का काम करवा रहा। शनिवार जब मिट्टी कार्य करने वाले मजदूरों की तलाश में सीत-ाराम घूम रहा था।

इसी दौरान आरोपी बड़े भाई ने सीताराम को अपने हिस्से मे मिट्टी कार्य करने से मना किया। सीत-ाराम ने बात नहीं मानी तो अपने पुत्रों के साथ मिलकर लाठी और बांस से पीट-पीट कर भाई की हत्या कर दिया।

घटना के बाद मृतक की पत्नी संजू देवी के साथ दो बेटी एवं एक बेटे का रो-रोकर बुरा हाल है। इधर, फारबिसगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार साहा, थानाध्यक्ष राघवेन्द्र कुमार सिंह भारी संख्या में पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की पड़ताल कीश्र फारबिसगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार साह ने बताया कि जमीन के टुकड़े के विवाद में राजाराम मेहता द्वारा अपने भाई सीताराम मेहता की हत्या कर दी गई है। शव को पोस्टमार्टम में भेजा जा रहा हैश्र पुलिस मामले की छानबीन कर कठोर कार्रवाई करेगी।

## नालंदा पुलिस ने फर्जी पुलिस को किया गिरफ्तार चोरी के मामले में वादी को पहुंचा था हड़काने



**पटना (एजेंसियां)।** नालंदा पुलिस ने बिहार पुलिस के फर्जी सिपाही को पकड़ने में सफलता हासिल की है। साथ ही किराए के मकान से पुलिस ने खाकी वर्दी, पैंट और सदर एसडीपीओ की फाइल भी बरामद की है। पकड़े गए फर्जी सिपाही की पहचान शेखपुरा जिला के बरबीघा थाना क्षेत्र के माहुर गांव निवासी कुंवर यादव के बेटे पप्पू कुमार के तौर पर हुई है।

बिहार थाना अध्यक्ष रामाशंकर सिंह ने रविवार को बताया कि 18 जून को बिहार थाने में कृष्ण कुमार की पत्नी तनु सिंह जो निचली किला गढ़पर चंदन कुमार के घर में किराए के मकान में फ्लैट लेकर रह रही हैं, उनके फ्लैट में चोरी हुई थी। उन्होंने अपने फ्लैट के सामने वाले किराएदार जमुई जिला के चंद्रदीप थाना क्षेत्र के खड़गपुर गांव निवासी मनीष कुमार पर आरोप लगाया था कि उसी ने घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस अनुसंधान में जुटी हुई थी। तभी वादी द्वारा केस के अनुसंधानकर्ता को यह जानकारी दी गई कि उनके पास 26 जून को बिहार थाना का एक सिपाही आया था। उसने कहा था कि आपने एफआईआर कर गलती कर दी है। मनीष कुमार निर्दोष है और उसे चोरी में फंसा दिया गया है। अब आपको डीएसपी और एसपी कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ेगा।

थानाध्यक्ष ने बताया कि छानबीन में पता चला कि बिहार थाने से कोई पुलिसकर्मी वादी के घर नहीं गया था। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई तो पता चला की उक्त सिपाही बिहार थाना और जिला बल का नहीं है। फर्जी सिपाही पप्पू कुमार को शेखपुरा जिला के बरबीघा से पकड़ लिया गया है। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह बिहार थाना क्षेत्र के गढ़पर स्थित सिद्धेश्वर प्रसाद के मकान में एक किराए का कमरा लेकर रहता है। फर्जी सिपाही की निशानदेही पर उसके किराए के कमरे से पुलिस की वर्दी, जूता, टोपी और बिहार पुलिस का बैच बरामद किया गया है। फर्जी सिपाही का पूर्व से आपराधिक इतिहास भी रहा है। फर्जी सिपाही को वादी को धमकी दिलवाने के मामले में मनीष कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है।

फर्जी सिपाही के पास से खाकी वर्दी, पैंट और शर्ट, बेल्ट, पप्पू कुमार के नाम की नेम प्लेट, पुलिस का काला बूट, पुलिस की नीली टोपी जिसपर बिहार पुलिस का बैच लगा हुआ है, खाकी रंग का जैकेट, फौजी कलर का शर्ट, एसएलआर का बिंदौलिया, लकड़ी काटने वाली आरी, लोहा काटने वाली आरी, एक मोबाइल सेट, पुलिस की लाठी, एसडीप-ीओ सदर के नाम की फाइल जिस पर 243 अंकित है, बिहार पुलिस का बरगद का निशान और व्हिसिल कोड, अपाचे मोटरसाइकिल जिस पर पुलिस का स्टिकर हुआ है आदि बरामद किया गया है।

छापामारी टीम में प्रशिक्षु डीएसपी मोहम्मद अजहरुद्दीन, दीपक कुमार, दारोगा गुलाम मुस्तफा और गणेश कुमार राय समेत बिहार थाने की सशस्त्र पुलिस बल शामिल रही।

### लखनदई नदी में डूबने के बाद छात्र लापता

## दोस्त के साथ लौट रहा था, डायवर्सन के पास हादस, विरोध में हंगामा

**पटना (एजेंसियां)।** सीतामढ़ी शहर स्थित लखनदई नदी के सीता घाट डायवर्सन के पास बीती रात एक छात्र डूबकर लापता हो गया। घटना के बाद सैंकड़ों की संख्या में लोग लखनदेई पुल के चारों तरफ ढूंढ रहे थे। घंटों प्रयास के बावजूद युवक का पता नहीं चल पाया। वहीं, एसडीआरएफ की टीम के लेट से पहुंचने पर भी लोगों ने बवाल किया। लोगों ने कहा कि एसडीआरएफ की टीम अगर समय से पहुंच जाती तो छात्र बरामद हो सकता था। यहां तक की मेयर और डुमरा सीओ में बक झक भी हो गई।

लापता बच्चे की पहचान शहर के दीपक स्टोर्स गली वार्ड नं. 14 निवासी राकेश रंजन उर्फ मुन्ना का 14 वर्षीय पुत्र रुद्रांश के रूप में हुई है। फिलहाल उसकी का तलाश अब तक जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, बसवरिया चौक से नाश्ता कर रूद्रांश अपने दोस्त के साथ घर लौट रहा था। लखनदेई नदी में बने डायवर्सन होकर पार करने की कोशिश कर रहा था, तभी उसका चप्पल पानी के तेज बहाव में बह गया। जिसे पकड़ने के लिए जब वो झुका तो पैर फिसल गया और नदी में डूब गया। यह देखते ही उसका दोस्त मदद के लिए चिल्लाने लगा। आस पास के लोग दौड़े और नदी में ढूंढने की कोशिश की। कई लोग ने तो पानी में छलांग भी लगा दी।

लोगों ने उसे बचाने एवं ढूंढने का काफी प्रयास किया मगर, किन्हीं को सफलता नहीं मिली। जिसके बाद स्थानीय पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई। सूचना पर नगर थानाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह दलबल के साथ पहुंचे। वहीं, कुछ लोगो के द्वारा डीएम को शिकायत किया। इसके बाद डीएम ने डुमरा सीओ डोली झा को एसडीआरएफ की टीम लेकर नदी में युवक की तलाश कराने के आदेश दिया। एसडीआरएफ की टीम पहुंची। उसकी खोजबीन की जाने लगी। पुलिस का कहना है कि एसडीआरएफ की टीम की मदद से छात्र की तलाश जारी है।

## देर शाम घर से गायब युवक का शव आधी रात को फैक्टरी के पास मिला

**मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।** मुजफ्फरपुर जिले के बरियारपुर थाना क्षेत्र में आधी रात को एक फैक्टरी के पास संदिग्ध स्थिति में युवक शव मिला है। इससे इलाके में सनसनी फैल गई। मामले की खबर मिलने के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। बताया जा रहा है कि युवक देर शाम को घर से अचानक गायब हो गया था। मृतक के परिजनों ने कहा कि हत्या करके शव को फेंक दिया गया है। मृतक की पहचान मनियारी थाना क्षेत्र के मरीचा गांव निवासी सोनू कुमार (26) के रूप में की गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया। उसके बाद मामले की जांच में जुट गई। घटना को लेकर मृतक की पत्नी ने बताया कि देर शाम सात बजे मेरे पति को बुलाने के लिए कुछ लोग आए थे।

## बांस बाड़ी में फंदे से लटका मिला युवक का शव

**पटना (एजेंसियां)।** सुपौल जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत धरहरा पंचायत में एक बांस बाड़ी से 20 वर्षीय युवक का फंदे से लटका हुआ शव बरामद हुआ है। आशंका जताई जा रही है कि प्रेम प्रसंग में युवक ने फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी। हालांकि युवक के परिजन लड़की के परिजनों पर हत्या का आरोप लगा रहे हैं। वहीं राघोपुर थाने की पुलिस मामले की जांच में जुटी है। धरहरा पंचायत के वार्ड 10 निवासी संजय सादा के 20 वर्षीय पुत्र कुंदन कुमार का पंचायत की ही एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों प्रेमी युगल ने परिजनों को शादी के लिए मनाने का प्रयास भी किया। लेकिन, कुंदन की मां गुलो देवी और प्रेमिका का पूरा परिवार इसके लिए राजी नहीं हुआ।

इस बीच शुक्रवार को लड़की के परिजनों ने उसे उसके ननिहाल भेज दिया। इसके बाद कुंदन का उसकी प्रेमिका से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था। मृतक की मां गुलो देवी ने बताया कि चार भाई-बहनों में कुंदन सबसे बड़ा था। रविवार की अहले सुबह करीब चार बजे ही कुंदन घर से निकला था। वही सुबह करीब सात बजे धरहरा पंचायत के वार्ड 9 स्थित सदानंद यादव के तालाब के समीप एक बांस बाड़ी में फंदे से लटका हुआ शव बरामद हुआ। खेत में मूंग तोड़ने जा रहे कुछ ग्रामीणों की नजर जब फंदे से लटकी लाश पर पड़ी तो पूरे गांव में खबर फैल गई। जिसके बाद बाद सूचना पर पहुंचे परिजनों में मातम पसर गया। वही सूचना पर पहुंची राघोपुर थाने की पुलिस मामले की जांच में जुट गई।

घटना के बाद कुंदन का परिवार मातम में है। परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वही मृतक की मां गुलो देवी ने बताया कि कुंदन और उसकी प्रेमिका की उम्र कम रहने की वजह से उसने फिलहाल शादी कराने से इंकार किया था। जबकि लड़की के परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। उन्होंने लड़की के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। गुलो देवी ने बताया कि शव बरामदगी के कुछ देर पूर्व भी जब परिजनों ने कुंदन के मोबाइल पर कॉल किया तो किसी अज्ञात ने रिसीव किया। कॉल रिसीव करने वाले ने परिचय पूछ कर कट कर दिया।

इधर, राघोपुर थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि बांस बाड़ी में फंदे से लटका हुआ शव बरामद हुआ है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। वही फिलहाल मृतक के परिजनों की ओर से पुलिस को हत्या के बाबत कोई शिकायत भी नहीं मिली है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com